



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 3, 1979 (कार्तिक 12, 1901)
No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 3, 1979 (KARTIKA 12, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० ए० 35014/79-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के ग्रेड ए के स्थायी अधिकारी श्री ए० गोपालकृष्णन् को आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए 3-9-1979 से 30-11-1979 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर नियुक्ति होने पर श्री ए० गोपालकृष्णन् को वेतन समय-समय यथासंशोधित वित्त मन्त्रालय के का० शा० सं० एफ० 10(24)-ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 के अनुसार विनियमित होगा।

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव
कृते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 अक्टूबर 1979

सं० पी०/1857-प्रशा०-I—भारतीय अर्थ सेवा के अधिकारी एवं संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (सलाहकार नामिका) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री ज्ञान प्रकाश ने 3 अक्टूबर, 1979 के पूर्वान्त में इस कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (सलाहकार नामिका) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

श्री ज्ञान प्रकाश की सेवाएं अखिल भारतीय हस्त शिल्प बोर्ड नई दिल्ली को सौंपी जाती हैं।

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 सितम्बर 1979

सं० पी०/1827-प्रशा०-I—इन्जीनियरी कालेज, केरल सरकार, त्रिवेंद्रम में सिविल इंजीनियरी के भूतपूर्व लेक्चरर तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत डा० ए० सी० मथाई की

सेवाएं 28-9-79 (अपराह्न) से केरल सरकार, इंजीनियरी कालेज, त्रिवेंद्रम को पुनः सौंपी जाती हैं।

वाई० आर० गांधी,
प्रशासनिक अधिकारी
हुते अध्यक्ष,
संघ लोक सेवा आयोग।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० 29 आर० सी० टी० 5—केन्द्रीय सतर्कता आयोग आयुक्त एतद्वारा श्री एन० एन० मुकर्जी, आई० ए० एस० (अ० म० 1964) को 5 अक्टूबर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, स्थानापन्न रूप से, केन्द्रीय सतर्कता आयोग में विभागीय जांच आयुक्त नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा,
अवर सचिव,
हुते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

फा० एवं० प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1979

सं० एन०-36/66-प्रशासन-5—श्री एन० जे० कानिक, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना का दिनांक 5 अक्टूबर, 1979 को 0145 पर स्वर्गवास हो गया।

की० ला० गोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० ई०-29020/28/79-सां०-प्रशा० I—राष्ट्रपति, श्री टी० पी बासु को 30 जनवरी, 1978 से के० ओ० सु० ब० में मूल रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० ई०-16014(2)/1/78-कार्मिक—अपने मूल विभाग अर्थात् सीमा सुरक्षा बल, में प्रत्यावर्तित होने पर, श्री एम० बी० सेन ने 15 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, ए० एस० पी० दुर्गापुर के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/5/79-कार्मिक—स्थानान्तरित होने पर, श्री सन्तोष सिंह, ने 21 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट एच० आई० एल० नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने

उसी तारीख से के० ओ० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय दिल्ली के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सुरेन्द्र नाथ,
महानिरीक्षक, के० ओ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० 11/55/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, हरियाणा, चण्डी-गढ़ में जनगणना कार्य निदेशालय में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत श्री एम० आर० दाहरी को जनगणना कार्य निदेशालय, मध्य प्रदेश, भोपाल में तारीख 19 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर, एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, इनमें से जो भी अवधि कम हो, सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री दाहरी का मुख्यालय भोपाल में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री दाहरी को उस ग्रेड में नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली-11, दिनांक 12 अक्टूबर, 1979

सं० एस० (67)/प्रशासन-II—मुद्रण निदेशक ने श्री ए० बी० नायक सतम, तकनीकी अधिकारी (फोटोलिथो) को 18 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक, भारत सरकार पेटेंट्स प्रिंटिंग प्रेस, बम्बई में उप प्रबन्धक (फोटोलिथो) के पद पर स्थागपन्न रूप में नियुक्त किया है।

पी० बी० कुलकर्णी,
संयुक्त निदेशक, प्रशासन

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

फा० सं० बी० एन० पी०/सी०/5/79—इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 27-3-79 के अनुक्रम में श्री बी० वेंकटरमणी की तकनीकी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि उन्हीं शर्तों पर दिनांक 1-9-79

से आगामी तीन माह के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है।

दिनांक 12 अक्टूबर 1979

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/79—श्री अशोक जोशी स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (न्यूमरोटा) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट प्रैस मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप दिनांक 12-10-1979 (पूर्वाह्न) से तीन माह के लिए अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्ति को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे, यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

पी० एस० शिवराम,
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

सं० 1877-सी०ए०-I/68-78—अपर उपनियंत्रक महा लेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री एन० बासकराज, लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को भारत सरकार, गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 25013/7-77-स्थापना(ए०) दिनांक 26-8-77 के उपबन्ध के अधीन तारीख 16-8-79 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० 1889 सी० ए०-I/346-69—अपर उप-नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री बी० वसंधाराव लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को मूल नियमावली 56(ट) के उपबन्ध के अधीन तारीख 2-10-1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्ति होने की अनुमति दे दी है।

एम० एस० भोवर,
उप-निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय, महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 27 सितम्बर 1979

सं० प्रशा० 1/298—श्री एम० आर० कपूर, स्थाई लेखा अधिकारी को अधिवाधिकी की आयु हो जाने पर दिनांक 30-9-79 को अपराह्न से, शासकीय सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

धु० ज० साहू,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

सं० प्रशासनI/का० आ० सं० 352/5-5/पदोन्नति/79-80/1318—भारत सरकार, गृह मंत्रालय के ज्ञापन संख्या 25013/7/77-इस्टे० (ए) दिनांक 26-8-77 की शर्तों के अधीन 20 वर्ष से अधिक की अर्हक सेवा पूरी करने के बाद 31 अक्टूबर 1978 अपराह्न से इस कार्यालय के श्री डी० डी० सहगल स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी भारत सरकार की सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा-निवृत्त हुए।

2. श्री सहगल सरकारी सेवा में 9-4-1948 को प्रविष्ट हुए थे और उनकी जन्म तिथि 21-9-1929 है।

के० एच० छाया,
संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० 18462-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रुपये 1500-60-1800-100-2000) में दिनांक 1 नवम्बर, 1978 से मूल पवधारी के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रम अधिकारी का नाम
संख्या

सर्वश्री

1. सी० वी० के० रेड्डी
2. एस० वी० सुब्रामणियन
3. आर० बी० कपूर
4. बी० के० बनर्जी
5. एस० एस० शुक्ला
6. एच० एस० मेहता
7. एस० मल्लिक
8. दीपाकर सरकार
9. सी० वी० नगेन्द्रा
10. जी० भट्टाचार्य
11. आर० वैकटारत्नम
12. बी० एन० रत्न
13. आर० एन० त्यागी
14. के० पी० राव
15. आर० कृष्णामूर्ति
16. वी० एस० जफा
17. के० सम्पत कुमार
18. बी० स्वामीनाथन
19. आर० कल्याणसुन्दरम्
20. बी० वी० अदाबी

आर० ए० बखशी,
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा और विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय

बम्बई-400022 दिनांक 11 अक्तूबर 1979

सं० 17/24/75-स्थापना—महानिदेशक, कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, बम्बई ने श्री एस०एम० दिवेकर उत्पादिता अधिकारी (सांख्यिकीय) का सरकारी सेवा से त्याग पत्र 30 जून, 1979 अपराह्न से मंजूर कर लिया है।

ए० के० चक्रवर्ती, महानिदेशक

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

आयात निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/481/57-प्रशासन (राज)/7326—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री एच० एल० बहल ने 31 अगस्त, 1979 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/1216/77 प्रशासन (राज)/7335—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवरण वर्ग के अधिकारी श्री खुशी राम ने 31 अगस्त, 1979 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० एस० आर्य, उप-मुख्य नियंत्रक

हुते मुख्य नियंत्रक

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 सितम्बर 1979

सं० ए०-19018/(156)/74 प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग शाखा संस्थान जम्मू में सहायक निदेशक ग्रेड-II (आर्थिक अन्वेषण) श्री केलाश नाथ को दिनांक 4 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक उसी संस्थान में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (आर्थिक अन्वेषण/उत्पादन सूचकांक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(401)/79-प्रशासन (राज पत्रित)—राष्ट्रपति जी, श्री डी० बंधोपाध्याय को दिनांक 3 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक विस्तार केन्द्र, यमुनानगर में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (धातुकर्म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 सितम्बर 1979

सं० ए०-19018(427) 79-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (कांच/मृत्तिका) श्री ए० एस०

अनन्त को दिनांक 3 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (कांच/मृत्तिका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्रपाल गुप्त, उप निदेशक
(प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1978

सं० प्र०-1/1(870)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० के ग्रेड-II) श्री के० के० दीवान को दिनांक 24-9-79 के पूर्वाह्न से इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर उप-निदेशक पूर्ति तथा निपटान (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर, उप-निदेशक
(प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

सं० ए०-19011(257)/79 स्था० ए०—श्री पी० जी० कुलकर्णी भारतीय सांख्यिकी सेवा ग्रेड-III अस्थाई अधिकारी को भारतीय खान ब्यूरो में उप-खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकीय) के पद पर दिनांक 25-8-1979 के पूर्वाह्न से नियुक्ति प्रदान की गई है।

एस० बालागोपाल, कार्यालय अध्यक्ष

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्तूबर 1979

सं० 4(85)/77एस०-I—आकाशवाणी, पूणे के कार्यक्रम निष्पादक, श्री एस० सी० टन्ना, ने अपना त्याग पत्र स्वीकृत होने के फलस्वरूप, 31 अगस्त, 1979 के अपराह्न को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उपनिदेशक।
हुते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-26, दिनांक 9 अक्तूबर 1979

सं० ए०-19012/1/79-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली के स्थानापन्न आर्टिस्ट ग्रेड-I, श्री जी० एस० सिंगर को दिनांक 3-9-1979 के पूर्वाह्न

से अगले आदेश तक फिल्म प्रभाग, बम्बई में हन बिटवीन फिल्म एनीमेटर के पद पर नियुक्त किया है।

न० ना० शर्मा, सहायक
प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर, 1979

सं० 12026/6/79-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री सिया राम गोयल को इस निदेशालय में 3 अक्टूबर, 1979 से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-38013/1/79-स्थापना—अधिवार्षिकी आयु हो जाने पर इस निदेशालय के श्री एन० परमानन्द लेखा अधिकारी 30 सितम्बर, 1979 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

जनकराज लिखी
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते वि० और दृ० प्रचार निदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

सं० ए०-12025/12/78 प्रशासन-1 (भाग)—राष्ट्रपति ने डा० ए० बी० हीरोमणि को 6 सितम्बर, 1979 अपराह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली के प्राचीन केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो में उप निदेशक (अनुसंधान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

सं० ए०-19019/13/79-के० सं० स्वा० से०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री मोहम्मद इल्यास खां को 6 सितम्बर, 1979 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में यूनानी फिजीशन के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 15 अक्टूबर 1979

सं० ए० 19019/14/79-के० सं० स्वा० यो०-I :—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० मोहम्मद कुतुबुद्दीन फरुखी को 6 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद में यूनान चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

एस० पी० पाठक,
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय
विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय
फरीदाबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

सं० ए० 19023/1/78-प्र०-III—जामनगर में इस निदेशालय के विपणन अधिकारी डा० एम० राजा रोम का तारीख 24-9-79 को निधन हो गया है।

सं० ए० 19025/78/78-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री कृष्ण कुमार सिंह सिरौही, को जो अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 15-9-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 16 अक्टूबर 1979

सं० ए० 19025/17/79-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एच० एन० शुक्ल को, जो अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 15-9-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार,
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० न० प्र० वि० प०/प्रशा/1(156)/79-एस०/11278—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियंता, श्री विजय पाल सिंह, स्थानापन्न सहायक सुरक्षा अधिकारी को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में तदर्थ आधार पर, नितांत अस्थाई रूप में रु० 650-30-740-35-880-द० रो० 40-960/- के वेतनमान में दिनांक 25 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से भूमि प्रबन्ध अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन,
प्रशासन अधिकारी
कृते मुख्य परियोजना अभियंता

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० प० ख० प्र०-1/12/79-प्रशासन—इस कार्यालय की दिनांक 23 अगस्त, 1979 के समसंख्यक अधिसूचना का स्थानापन्नता करते हुए परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु

खनिज प्रभाग के निदेशक परमाणु खनिज प्रभाग के हिन्दी अनुवादक श्री सोम नाथ सच्चदेव को उसी प्रभाग में 16 अगस्त, 1979 की पूर्वाह्न से 15 सितम्बर, 1979 अपराह्न तक और 24 सितम्बर, 1979 की पूर्वाह्न से 27 सितम्बर, 1979 अपराह्न तक की अवधि के लिए श्री टी० एस० नारायण सहायक कार्मिक अधिकारी जिन्हें प्रशिक्षण कार्यावाही छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर पूर्णतया अस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

संख्या प ख प्र-1 1/12/79 प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक श्री टी० यू नारायण को उसी प्रभाग में 28 सितम्बर, 1979 को पूर्वाह्न से 31 अक्टूबर, 1979 अपराह्न तक की अवधि के लिए श्री टी० एस० नारायण सहायक कार्मिक अधिकारी जिन्हें प्रशिक्षण कार्यावाही के लिए गए हैं, के स्थान पर पूर्णतया अस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/12/79 प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक श्री लक्ष्मी नारायण को उसी प्रभाग में 3 अक्टूबर 1979 को पूर्वाह्न से 9 नवम्बर, 1979 अपराह्न तक की अवधि के लिए श्री जे० आर० गुप्ता सहायक कार्मिक अधिकारी जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर पूर्णतया अस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 अक्टूबर 1979

सं० ए० 32014/2/79-ई० डब्ल्यू०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री संदीप कालरा को 29 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से छः महीने की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर नागर विमानन विभाग में सहायक परियोजना अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें मुख्यालय के उपस्कर निदेशालय में तैनात किया है।

वी० बी० जीहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय,

देहरा दून, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

सं० 16/326/79-स्थापना-1,—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री जी० एन० खर्कवाल, अनुसंधान अधिकारी (तदर्थ) को दिनांक 23-3-1979 से नियमित रूप से सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरदयाल मोहन
कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहर्तालय

बंगलौर, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० 15/79—निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क के निरीक्षणों (वरिष्ठ श्रेणी) को स्थानापन्न अधीक्षक, समूह “बी” के रूप में समयमान वेतन श्रेणी रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 में, अगले आदेश होने तक उनके नामों के आगे अंकित तारीख के अनुसार उनकी पदोन्नति हुई है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	दिनांक
1	2	3
1.	वी० एन० देशपांडे	16-7-1979 पूर्वाह्न
2.	एल० एन० देसाई	9-7-1979 पूर्वाह्न
3.	एस० जी० नाइक	6-8-1979 पूर्वाह्न
4.	एम० एस० गार्ड	9-8-1979 पूर्वाह्न
5.	जी० एच० पाटिल	9-7-1979 पूर्वाह्न

रवीन्द्रनाथ शुक्ल आई० आर० एस०
समाहर्ता

बड़ौदा, दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० 12/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, सूरत के सहायक समाहर्ता के अधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ख” के अधीक्षक श्री एच० एन० सभवाल वृद्धावस्था पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-8-1979 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० 13/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, अहमदाबाद के उप समाहर्ता के अधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “क” के सहायक समाहर्ता श्री जे० एस० दवे वृद्धावस्था पेंशन की आयु होने पर दिनांक 30-9-79 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 14/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद के सहायक समाहर्ता के अधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ख” के अधीनक श्री पी० एस० पड्या वृद्धावस्था पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-9-79 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

जे० एस० वर्मा
समाहर्ता,

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1979

सं० 10/79—कार्यालय अधीक्षक, श्री मानवेश चन्द्र मालिक को, दिनांक 25-9-79 के पूर्वाह्न से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नयी दिल्ली में, श्री एस० एन० वर्मा (प्र० अ०) के निरीक्षण अधिकारी ग्रुप “ख”

के पद पर नियुक्त किए जाने से रिक्त हुए स्थान पर स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

ह० अपठनीय
निरीक्षण निदेशक

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० 11 टी० आर० (7)/78—राष्ट्रपति श्री भारती एन० बेरा को 1 अगस्त, 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में इंजीनियर अफसर के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एस० सिधु,
नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक अक्टूबर 1979

सं० 19013/6/79-प्रशा० चार—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, एतद्वारा श्री विनोद कोल को पूर्णतया तबर्ष आधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 16-8-79 के अपराह्न से, अगले आदेशों तक, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० ए०-19012/776/79-प्रशा० पांच—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों के आधार पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री रमेश लालचन्द कवाले को गंगा बेसिन जल संसाधन संगठन में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न क्षमता में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 8 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

2. श्री रमेश लालचन्द कवाले उपरोक्त पद पर 8-8-1979 से दो वर्ष तक की अवधि तक परीक्षा पर रहेंगे।

दिनांक 10 अक्टूबर 1979

सं० 19013/7/79-प्रशा० चार—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस० वेंकटरमन, वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक (हाइड्रोमेट) को अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 17-8-79 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया अस्थायी एवं तबर्ष आधार पर, आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अक्टूबर 1979

सं० 19013/9/79-प्रशा० चार—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री पी० भूयान, वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक (हाइड्रोमेट) को अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 16-8-79 की पूर्वाह्न से पूर्णतया अस्थायी एवं तबर्ष आधार पर, आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

जे० के० साहा,
अवर सचिव

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

सं० 23/2/77-ई०सी०-2—के० लो० नि० वि० के निम्नलिखित अधिकारी वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 अगस्त 1979 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

अधिकारी का नाम	वर्तमान पदनाम
1. श्री टी० विक्टर	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यांकन) यूनिट 3, इन्कम टैक्स विभाग, बंगलौर।
2. श्री के० एम० अग्रवाल	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) "एच" डिवीजन, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।

2. सेवा निवृत्त होने के नोटिस की स्वीकृति होने पर श्री जी० एस० गोपालाकृष्णन्, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), मूल्यांकन विभाग, नई दिल्ली 29-8-79 (अपराह्न) को सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सु० सु० प्रकाशराव
प्रशासन उपनिदेशक
नूने निर्माण महानिदेशक

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1979

सं० 78/डब्ल्यू० 6/टी० के०/2—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) एतद्वारा मध्य रेलवे के जगपुर मण्डल के परसिया याई में छोटी लाइन के रेल पथ (1.17 कि० मी०) के अनुरक्षण के काम को दक्षिण पूर्व रेलवे को हस्तान्तरित करने की स्वीकृति प्रदान करता है।

2. यह समायोजन रेल पथ के समुचित अनुरक्षण की दृष्टि से किया गया है।

के० बालबन्धन,
सचिव, रेलवे बोर्ड
पदेन संयुक्त सचिव

दक्षिण मध्य रेलवे

कार्मिक शाखा

सिकन्दराबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1979

सं० पी०/गजट/185-लेखा—निम्नलिखित अधिकारियों को भारतीय रेल लेखा सेवा के वरिष्ठ बेतनमान (र० 1100-1600) में प्रत्येक के नाम के सामने बताया गया तारीख से स्थायी किया जाता है :—

क्रम सं०	अधिकारियों के नाम	जिस तारीख से स्थायी किये गये हैं
1.	श्री पी० के० बसु (मुख्य खजांची के रूप में)	25-09-77
2.	श्री एस० पार्थसारथी (वरिष्ठ लेखा अधिकारी के रूप में)	06-07-78

एन० नीलकंठ शर्मा,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और यू० पी० गैसेज प्राइवेट लि० के विषय में

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० 11751/3788-एल० सी०—अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर यू० पी० गैसेज प्रा० लि० का नाम इसके प्रति कूल कारण

दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

सा० नारायणन,
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
कानपुर यू० पी०

कम्पनी अधिनियम 1956, और बालमुरुगन चिट फंड (पांडिचेरी प्राइवेट लिमिटेड) के विषय में

पांडिचेरी, दिनांक 8 अक्टूबर 1979

सं० 93—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) की अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि बालमुरुगन चिट फंड (पांडिचेरी) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गई है।

एस० आर० वी० वी० सत्यनारायण
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पांडिचेरी

आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० एफ० 48-ए०डी० (एटी०)/79—श्री बनवारी लाल, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, जिला परिषद्, बलिया, उत्तर प्रदेश सरकार को सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, इलाहाबाद न्यायपीठ, इलाहाबाद में र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान पर श्री एच० सी० श्रीवास्तव, सहायक पंजीकार जिन्हें स्थानान्तरित किया गया, के स्थान पर दिनांक 4-10-79 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश होने तक अस्थायी क्षमता में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे दिनांक 4-10-79 (पूर्वाह्न) से दो वर्षों के लिए परीवीक्षाधीन रहेंगे।

पी० डी० माथुर,
अध्यक्ष
आय-कर अपील अधिकरण

प्रकरण भाई० डी० एन० एन०-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, पूना

पूना-9, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० बम्बई/457/79-80---

यतः, मुझे, ए० सी० चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 185 गोडोली सातारा और सी० टी० एस० नं० 523-ए सदर बाजार, सातारा, है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नाद :-

2-306GI/79

1. कल्याणी कंसटेड्स प्रा० लिमिटेड 221/डी पार्वती निवास, कल्याणी नगर, पूना-411040।

(अन्तरक)

2. भारत फोर्ज कंपनी लिमिटेड मुंबवा, पूना-411039।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्नाद के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्नाद के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अनुयाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो आर० एस० नं० 185 गोडोली गांव सातारा और सी टी० एस० नं० 523-ए सदर बाजार सातारा में है और जिसके प्लॉट नं० 1 से 27, 29 से 42, 45, 46, 48 से 59, 74 से 107 जिसका क्षेत्रफल 35,020-65 वर्ग मीटर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 1082 दिनांक 30-3-79 को सब-रजिस्ट्रार, बम्बई के दफ्तर में लिखा है)।

ए० सी० चन्द्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 27-9-1979
मोहर :

प्रकृप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन

कोच्चिन-16, दिनांक 4 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० एरन० सी० 319/79-80—यतः, मुझे, के०
नारायण मेनोन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो त्रिचूर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
त्रिचूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 3-5-1979 कोपूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

1. श्री एन० विशाला वेई अम्माल और अन्य, प्रचूर।
(अन्तरक)
2. श्री के० सी० प्रकाशन और 6 अन्य, बैलाई हाउस,
मिशन क्वार्टरम, त्रिचूर।
(अन्तरिती)
3. कम्बाईड ट्यूटोरियल कॉलेज, त्रिचूर (वह व्यक्ति, जि
सम्बन्ध में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जा के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37 Cents of land with buildings in Sy. Nos. 1313/6, 7 and 8
of Trichur Village, as detailed in the Schedule attached to
document No. 2658/79 dated 8-5-1979 registered at the S.R.O.
Trichur.के० नारायणन मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कोच्चिन-16तारीख : 4-10-1979
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, भटिंडा,

भटिंडा, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० पी० सं० 608—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो जैतो मण्डी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जैतो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए प्रनरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रनरण लिखित में शास्त्रिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) प्रनरण से हुई किसी प्राय को शकत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती वीरो देवी विधवा लाला नगीना मल पुत्र रला राम वासी जैतो मण्डी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कैलाश रानी पुत्री कौट सेन 1/2 कौट सेन पुत्र बाबू राम वाली B-VL-107 गली माटिया मन्ना राम जैतो।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20B में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मालान का एक कमरा जो कि बिलेख नं० 1460 मिला मार्च 79 को रजिस्ट्रीकर्ता जैतो में लिखा गया है।

सुखदेव चन्द

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, भटिंडा

तारीख: 17-8-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० पी० सं० 609—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो कसूरीगेट फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-2-1979 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सोहन लाल राजपाल कपूर पुत्र मोहनी लाल पुत्र राम चन्द मल्ला खोलीयत बाल फिरोजपुर।
(अन्तरक)
2. श्री सन्त राम पुत्र मोहन लाल आई/एस कसूरी गेट फिरोजपुर।
(अन्तरिती)
3. जैसेकि ऊपर न० ० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महता डोलीया कसूरी गेट फिरोजपुर जैसे कि विलेख न० 5310 मिति फरवरी 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा गया है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 17-8-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 610—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो मखू गेट सरकुलर रोड में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रतन कुमार सरदा पुत्र अरजन सिंह पुत्र मुखदेव फूल चन्द।

(अन्तरक)

2. श्री जगतार सिंह पुत्र अर्जन सिंह वेनी सिंह पुत्र गुरमुख सिंह भगत सिंह पुत्र वासी गुरमुख सिंह आई०/एस० भागदादी गेट फिरोजपुर शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मखू गेट सरकुलर रोड जैम कि विलेख नं० 5646 मिती फरवरी 79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा गया है।

मुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भटिंडा

तारीख : 17-8-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

अ.प.कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 614---यनः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि ऊपर अनुसूची में लिखा गया है तथा जो सिविल लाईन भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षाधु:--

1. श्री रमेश चन्द पुत्र सदा राम बकील

(अन्तरक)

2. श्री अतीत प्रसाद जैन पुत्र जान चन्द जैन डी०-12 सिविल स्टेशन, भटिंडा

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धर्षाधु:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकें।

प्रकटीकरण:--इसमें उक्त पक्षों और पक्षों का जो उक्त अधिनियम के प्रभाव 20-न में परिभाषित है, यहो पक्षों का जो उक्त प्रभाव में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सिविल स्टेशन भटिंडा जो कि विलेख नं० 5141 में तिथि 7-2-79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा गया है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 10-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 615---यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो नौरीया वाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में, और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, तंगे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या बा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. बिनोद कुमार पुत्र हरबंस लाल जैतो मंडी (अन्तरक)
2. (1) श्री भूप सिंह पुत्र श्री कूडासिंह श्रीमति मुख्तियार
(2) कौर पत्नि श्री भूप सिंह नहेन वाला (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अविभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सशस्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रभन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रभन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ते :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 100 कनाल नहेन वाला जैसा कि विलेख नं० 5226/13-7/79 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा गया है।

मुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 10-9-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० पी० 616---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि ऊपर अनुसूची में लिखा गया है तथा जो कोटकपुरा रोड, मुक्तसर में लिखा गया है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्बह प्रतिगत से प्रतिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐति किवी पाय या किमी घा या अन्य आभितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्रीसावर्णसिंह वकील मुक्तसर (अन्तरक)
2. (1) श्री गुरदीप सिंह सिधू पुत्र संत सिंह सिधू पुत्र रणजीत सिंह सिधू, (2) हरबिन्दर सिंह पुत्र संत सिंह (3) जापिन्दर सिंह पुत्र गुरदीप सिंह, दलबिन्दर सिंह पुत्र गुरदीप सिंह निवासी नार्थ फ्रील्ड कोठी, कोटकपुरा रोड, मुक्तसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
5. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बख्साव 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 73 मरला कोटकपुरा रोड, मुक्तसर जैसा कि विलेख नं० 3093 तिथि 28-2-79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मुक्तसर में लिखा गया है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भटिंडा

तारीख : 10-9-1979
मोहर :

प्ररूप आई० एन० टी० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पी० नं० 622—यत, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि ओर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि उपर अनुसूची में लिखा गया है तथा जो कोटकपूरा (फौजी रोड) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीद कोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल से के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के नायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

3—306GI/79

1. सूरज भान पुत्र बिंदरा दास पुत्र लभू राम साकिन कोट कपूरा

(अन्तरक)

2. श्री मोहर चन्द पुत्र नानक चन्द पुत्र राम दत्ता मल साकिन गिला वाला जिला फिरोजपुर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जो कि विलेख नं० 215 तिथि 25-2-79 जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 17-9-1979

मोहर :

ऋषि आई. टी. एन. एस.—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क आसफ़ली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकडु०/II/फरवरी-34/4865/3268/11/0/79-यत, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी-4/5-ए (पार्ट) है, तथा जो माडल टाऊन दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 7 फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार ग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्बात :-

1. श्री राम दत्त शर्मा सपुत्र पंडित मनोहर लाल निवासी सी-415 ए, माडल टाऊन, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती त्रिशला जैन धर्म पत्नी सुमीर कुमार जैन निवासी मकान नं० ई० -43, न्यू राज नगर गाजियाबाद

(अन्तरिती)

3. श्री बरसाती लाल शर्मा (-415ए, माडल टाऊन दिल्ली (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा दूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

2 1/2 मंजिल मकान, जो कि बना है फ्री होल्ड प्लॉट नं० सी-415 ए (पार्ट) श्रेष्ठफल 146.10 वर्ग गज जो सम्पत्ति है। कालोनी माडल टाऊन एरिया गांव मलिकपुर उछानी दिल्ली। निम्न प्रकार स्थिति है :-

दक्षिण : मकान बना हुआ प्लॉट नं० सी 4/6

उत्तर : मिडल द्वार और पोरशन प्रोपर्टी का नं० सी 4/5 ए।

पूर्व : रोड़

पश्चिम : प्लॉट नं० सी 4/5।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/फरवरी-7/4838/
3268/11/10/79—यत्न, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० 4223/1 है, तथा जो अन्सारी रोड़ दरियागंज
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 2 फरवरी 1979 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि०
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-
रध में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मादि।—

1. कुमारी सुनीता नारायण, निशा नारायण और सुरेखा
नारायण सपुत्री श्री राज नारायण प्रो० श्रीमती ऊषा
नारायण धर्मपत्नी लेट श्री राज नारायण ए-17,
मीन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्रीमती शकुन्तला पाल भर्मा पत्नी श्री जे० एस० पाल
382, थान सिंह नगर आनन्द पर्वत, नई दिल्ली।
(2) श्रीमती पाल आशा धर्म पत्नी एस० डी० पाल
निवासी बी-5/175, सफदरजंग डवलपमेंट एरिया
नई दिल्ली। (अन्तरिती)
3. मेजर एसोसिएटी पिगमेंट कम्पनी लिमिटेड, रविश्वर
वर्मा।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिशोध में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जांच करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्पत्ति व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 अन्डरवाइंडेड शेयर प्रोपर्टी नं० 422311 वार्ड
नं० 11 जिसका एरिया 117 वर्ग गज जो स्थित है अन्सारी
रोड़, दरियागंज नई दिल्ली-2, निम्न प्रकार से स्थित है :—
पूर्व : प्रोपर्टी नं० 4224
पश्चिम : अन्सारी रोड़,
उत्तर : गली
दक्षिण : प्रोपर्टी नं० 4222।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1,

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/फरवरी-6/411/
4837/3268/11/10/79—यतः मुझे, आर० बी० एल०
अग्रवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से
अधिक है।

और जिसकी सं० 4223/1 है, तथा जो अन्सारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 2 फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन नम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. कुमारी सुमीता नारायण, निशा नारायण, सुरेखा नारायण
सपुत्री राज नारायण प्रो० श्रीमती ऊषा नारायण
धर्मपत्नी लेट श्री राज नारायण निवासी ए-17
ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री राहु पाल, रिशी पाल और गुंजाल पाल
सपुत्र श्री एस० डी० पाल श्री श्रीमती आशा पाल
धर्मपत्नी एस० डी० पाल निवासी बी-5/175,
सफदरजंग डबलपमेंट एरिया नई दिल्ली। (अन्तरिती)
3. मै० मँटल एण्ड मिन्टल स कापॉरेशन प्रा० लि०
4223/1 अन्सारी रोड दरियागंज दिल्ली।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर, बेसमेंट प्रापर्टी नं० 4223/1 जो कि
अन्सारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली जो बनी प्लाट क्षेत्रफल
117 वर्गगज 351.5 वर्गगज जो निम्न प्रकार से स्थित
है :—

पूर्व : प्रोपर्टी नं० 4224
पश्चिम : अन्सारी रोड
उत्तर : गली
दक्षिण : प्रोपर्टी नं० 4222।

आर० बी० एल० अग्रवाल
नक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/फरवरी-8/4842/3268/11-10-79—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4223/1 है तथा जो अन्सारी रोड, दरियागंज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रार-अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

धन: धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. कुमारी सुनीता नारायण, कुमारी निशा नारायण, कुमारी सुरेखा नारायण पुत्री श्री राज नारायण श्री श्रीमती ऊषा नारायण धर्म पत्नी सेट श्री राज नारायण निवासी ए-17, ग्रीन पार्क नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री जे० एल० पाल सपुत्र राम रतन पाल, 382, थान सिंह नगर आनन्द पर्वत, नई दिल्ली, कुमारी काजाल पाल सपुत्री एस० बी० पाल, श्री श्रीमती आशा पाल धर्म पत्नी एस० बी० पाल, बी-5/175, सफदरजंग डवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

3. मे० एलकोवक्स मैटलस कॉर्पोरेशन 4223/1 अन्सारी रोड दरिया गंज दिल्ली।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक गेरीज निचले स्थान पर, दूसरी मंजिल और दो बरसाती, शेष फ्लोर जिसका क्षेत्रफल 117 वर्गगज, अन डिवाइडिड भूमि 351.5 वर्ग गज प्रोपर्टी नं० 4223/1 स्थित है। अन्सारी रोड, दरिया गंज, वार्ड नं० 11 नई दिल्ली-110002 और बोडिड निम्न है:—

पूर्व : प्रोपर्टी नं० 4224 श्री भगवान दास
पश्चिम : अन्सारी रोड
उत्तर : गली
दक्षिण : प्रोपर्टी नं० 4222 श्री किरण शंकर।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यु०/II/फरवरी-71/4963
3768/11/10/72—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1732 है, तथा जो सोहन गंज, सोहरा कोठी
सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम
अवमूल्य के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देगे के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता था कि या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. धर्मादः—

1. श्री बनी प्रसाद सपुत्र श्री धनरूप मल निवासी 1732
सोहन गंज, सोहरा कोठी, सब्जी मण्डी, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री नहार सिंह जैन सपुत्र सीतल प्रसाद जैन, श्री पाल जैन
सेल्फ विजय पाल जैन। श्री महीपाल जैन, प्रदीप
कुमार जैन सपुत्र नहार सिंह जैन श्रीमती कैलाश बती
धर्म पत्नी नहार सिंह जैन, 2880 गली धर्मशाला
सब्जी मण्डी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री आर० पी० कौशिक
(2) किशोरी लाल
(3) श्री मान सिंह तमाम निवासी 1732, सोहन गंज
शोरा कोठी, सब्जी मण्डी, दिल्ली।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान जो कि प्लॉट नं० 59 और 60, एरिया
288 वर्ग गज, प्रोपर्टी नं० 1732 सोहन गंज, सोहरा कोठी
जो कि वार्ड नं० 12, सब्जी मण्डी दिल्ली में निम्न से है :—

पूर्व : प्रोपर्टी श्री उमराउ सिंह
पश्चिम : गली
उत्तर : प्रोपर्टी आदरस
दक्षिण : प्रोपर्टी पंडित जय नारायण।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-10-1979

सोहरा :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली 1

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/फरवरी-74/4936—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 746 से 748 (1/2 हिस्सा) है, तथा जो चर्च मिशन रोड दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ततः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री फकीर चन्द पुत्र लाला मंगल राम करता मै० मंगल राम फकीर चन्द (हि० अ० प०) निवासी 1-बी अपर हिल रोड, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री श्रोम प्रकाश, चन्वर प्रकाश, वेद प्रकाश आनन्द प्रकाश पुत्र गण श्री फकीर चन्द निवासी-1 बी, अपर हिल रोड दिल्ली व यशपाल मल्होत्रा पुत्र लक्ष्मी नारायण मल्होत्रा निवासी डी-87, ईस्ट आफ कैलाश नई दिल्ली

(अन्तरिती)

3. (1) श्री मोहन लाल नरूला,
(2) श्री गुरुचरण सिंह, जोगिन्दर सिंह, गुरबखश सिंह,
(3) गुरु नानक टायर हाऊस,
(4) श्री गुरदित्त सिंह जौली,
(5) नियोन साइन्स निवासी 746-748, चर्च मिशन रोड, दिल्ली
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रभु व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 746-748 (नया) 403 ए (पुराना) बार्ड नं० 3, चर्च मिशन रोड, सराय अहमद पई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर : होटल प्रिंस
दक्षिण : विक्रम होटल बिल्डिंग
पश्चिम : गली
पूर्व : मेन चर्च रोड।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-10-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-II/फरवरी/74/4966/
—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए-1/37 है, तथा जो राजपुर रोड़, सिविल
लाईन्स दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी
के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 28 फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
अन्तरित कर में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० सिधिया इन्वैस्टमेंट प्रा० लि० मुख्य आफिस
खालियर, मध्य प्रदेश

(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार मोदी, इन्दर कुमार मोदी. कृष्ण
कुमार मोदी पुत्रगण श्री सीता राम मोदी 8-राजपुर
रोड़ सिविल लाईन्स दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के निम्न कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त अर्जन के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें उपर्युक्त तथ्यों और तथ्यों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी
धरें होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 37 ब्लॉक नं० ए-1, जो फ्री होल्ड प्लॉट
क्षेत्रफल 1521 वर्ग मीटर पर बना है, राजपुर रोड़, सिविल
लाईन्स, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : 30 फुट चौड़ी सड़क
पश्चिम : राजपुर रोड़
दक्षिण : ब्लॉक ए-2/37, राजपुर रोड़
उत्तर : 30 फुट चौड़ी सड़क।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 अक्तुबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०II-फरवरी/79/4964/
यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ए-2/37 है, तथा जो राजपुर रोड़, सिविल
लाईन दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 24 फरवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

यतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तिदों, प्रर्षित :-

4-306 GI/79

1. मै० विधिया इन्वैस्टमेंट प्रा० लि० मुख्य आफिस
ग्वालियर, मध्य प्रदेश

(अन्तरक)

2. मै० रूप चन्द विनोद कुमार (हि० अ० प०) इनके
करता श्री रूप चन्द कटारिया, 145, जैन कालोनी
वीर नगर, राना प्रताप बाग, दिल्ली-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससे अधिक व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवरोहताशरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृतिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 37 ब्लाक सं० ए-2, जो फ्री होल्ड प्लॉट
क्षेत्रफल 1250 वर्ग मीटर पर बना है, राजपुर रोड़, सिविल
लाईन्स दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है :—

पूर्व : 30 फुट चौड़ी सड़क

पश्चिम : राजपुर रोड़

उत्तर : ब्लाक ए-1/37, राजपुर रोड़

दक्षिण : 30 फुट चौड़ी सड़क ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 6 अगस्त 1979

निर्देश सं०—अतः मुझ, रा० ना० बरा,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं० दाग-नं० 3838 एवं 3825 पी० पट्टा नं०
 17, एफ० नं० 1 जोरहाट टाउन तथा जो रूपाही अली रोड़,
 शिव ब्लाक सागर जिला, आसाम जोरहाट में स्थित है (और इससे
 उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय, जोरहाट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-2-1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मुहम्मद अब्दुल फजिल बरबोरा रूपही अली रोड़,
 जोरहाट
 (अन्तरक)
2. श्री विमल भट्टाचार्य जी, रूपही अली, जोरहाट
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाँपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है ।

अनुसूची

जमीन का परिमाण 2 कट्टा 4 1/2 (चार और आधा)
 बच्चा उसके साथ आसाम टाइप घर परिमाण 1000/ब (अनु-
 मान) रूपाही अली रोड़, जिला, जोरहाट में स्थित र ।

रा० ना० बरा
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जुन रंज, शिलांग

तारीख : 6-8-1979
 मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

अध्यायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना;

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 11 जुलाई 1979 ।

निर्देश सं० ए० जे आर टी/28-29/418-19 यतः,

मुझे, रा० ना० बर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दाग नं० 3885 पी० पट्टा नं० 80 ब्लाक नं० 1 जोरहाट टाउन है, तथा जो जोरहाट रूपही अली रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोरहाट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख : 6 फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किमी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तितः—

1. श्री कमरु जजमान हजारिका रूपही अली, रोड, जोरहाट

(अन्तरक)

2. श्री भवर लाल गटानी पिता श्री चम्पा लाल गटानी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रसिद्धिस्तकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 1 कठ्ठा 1/2 आधा लच्चा, रूपही अली रोड, जोरहाट का सीव सागर जिला (असम) में स्थित है।

रा० ना० बर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 6-8-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० पी० आर० नं०/686ए सी० क्यू० 23-1415/19-8/79-80—यतः, मुझे, एस० सी० परीख, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नोंध नं० 138, वार्ड नं० 13 है, तथा जो अठवा लाईन्स विस्वार, टी० पी० स्कीम, नं० 5, न्यूसीटी सर्वे नं० 2773, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979 में

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती उर्मिलाबेन बापु भाई श्रोफ, गोपीपुरा, सुरत हाल में—54, मणीभुवन, हुजी रोड, बम्बई-1
- (2) श्री सतीश भाई बाबुभाई श्रोफ गोपीपुरा, सुरत, हाल में 54, मणीभुवन हुजी रोड, बम्बई-1

(अन्तरक)

2. श्री महेंद्र छगनलाल सवेरी, जैन मन्दिर के सामने, अठवा लाईन्स, सुरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, जिसका क्षेत्रफल 467-86 वर्ग मीटर है जो वार्ड नं०-13 नोंध नं० 138 तथा वार्ड नं०-13 नोंध नं० 139 टी० पी० एस० नं० 5 सुरत में स्थित है, नया सीटी सर्वे नं० नोंध नं० 2773 है जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुरत द्वारा फरवरी 1979 में रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० पी० आर० 690/ए० सी० ब्यू० 23-1319/
19-7/78-79—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० नोंध नं० 692 है, तथा जो सिधमाता शेरी,
वाडी पालिया, वार्ड नं० 9 सूरत में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तर के गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई कितनी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या अन्य वस्तुओं को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती विमलाबेन, रंगीलदास परमानन्द दास रसकपूर
वाला की विधवा सिधमाता शेरी, वाडी पालिया,
सूरत ।

(अन्तरक)

2. श्री कंचन लाल सोमाभाई जाथापुरा, कनबी शेरी,
सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाभा सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करवा हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान जो वार्ड नं० 9 नोंध नं० 692
सिधमाता शेरी, घोशारी लोहाना महाजन वाडी, सूरत में स्थित
है तथा जिसका कुल माप 129 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी सूरत द्वारा फरवरी 1979 में दर्ज किए गए रजिस्ट्री-
कृत विलेख में प्रदर्शित है ।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 17-7-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देश सं० पी० आर० 687/ए० सी० क्यू० 23-1421/
19-7/78-79—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 121, 122, 123, 124 तथा सं० नं०
96, 97 और 127 है, तथा जो गांव सुलतानाबाद (डुमस)
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किंवा धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए।

धरा, धन; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्त-
रण में, मैं; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
के (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री चिमन लाल मूलचन्द नवापुरा, फकीरा पूजा
शेरी, सूरत ।
- (2) श्री चन्द्रकान्त मूलचन्द, नवापुरा, नागरवास शेरी,
सूरत

(अन्तरक)

2. श्री गोविन्दभाई डाह्याभाई पटेल भीमपोरवा चोरासी
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान जो सं० नं० 121, 122, 123, 124
तथा सं० नं० 96, 97 और 127 सुलतानाबाद (डुमस) सूरत
में स्थित है जिसका कुल माप 16000 वर्ग गज है, जैसा कि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा फरवरी 1979 से दर्ज किए
गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1089 में प्रदर्शित है ।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1979

निर्देश सं० पी० आर० 689/ए० सी० क्यू० 23-1422/
19-7/78-79—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० नोंध नं० 329-बी वार्ड नं० 13 है, तथा
जो आरोग्य नगर, अठवा, सूरत में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-1-1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. (1) श्री हसमुखलाल ईश्वर लाल गंधी मोनी फालिया,
मेन रोड, सूरत ।
(2) श्री नटवरलाल जैकिमनदास मेहता, सूरत ।
(अन्तरक)

2. श्री नयनाक्षी दिनेश चन्द्र वैद्य 2/1086, सग्रामपुरा,
छावालानी शेरी, सूरत
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोटुस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुप्राप्त

नोंध नं० 329-बी प्लॉट नं० 5 में से पश्चिम दिशा में
422.34 वर्ग मीटर जमीन जो वार्ड नं० 13 नोंध नं० 329-
बी आरोग्य नगर, अठवा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी सूरत द्वारा जनवरी 1979 में दर्ज किए गए रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 827/79 में प्रदर्शित है ।

ए० सी० परीख,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-7-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू०-23-2-2243/(829)/1-1/79-80—यतः, मुझे, एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 79-1, 80 म्युनि० सेन्स नं० 1275-ई-1, फायनल प्लॉट नं० 390, टी० पी० एस०-3 के, अहमदाबाद है। तथा जो मीठाखली दाने चंगीसपुर, चन्द्र कालोनी के पास, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16, के अधीन 28-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें साक्ष्य पाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोत्तरार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विनोदाबेन, माधवलाल नाथुभाई की पुत्री, पुष्पक नं० 1, चन्द्रकालोनी के पास, गुलबाई का टेकरा, मीठाखली, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री मंगलदास डाहाभाई पटेल, बर्षजनीया हाउस, बीजापुर, (उत्तर गुजरात) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत, जो 'पुष्पक नं०-1, नाम से प्रख्यात है, जो 835 वर्ग गज भौसफल वाले प्लॉट पर खड़ी है जिसका सर्वे नं० 79-1, 80, म्युनि० सेन्स नं० 1275-ई-1, फायनल प्लॉट नं० 390, सब प्लॉट नं० 1, टी० पी० एस०-3 के, है जो मीठाखली चन्द्रकालोनी, गुलबाई टेकरा के पास अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रेशन नं० 1974 तारीख 28-2-1979 वाले रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा रजिस्ट्री किए गए बाकी दस्तावेज में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 13-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० सी० वय० 23-I-32085(830)/16-6/
79-80—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० डा० याज्ञिक रोड पर, रामकृष्ण नगर टेम्पल
के पास, राजकोट है, तथा जो याज्ञिक रोड, राजकोट में स्थित
है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15 फरवरी 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से
अधिक है और प्रत्येक (अन्तरकों) और प्रत्येकी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्येक निम्नलिखित में सम्पत्ति
कम से कमित नहीं किया गया है --(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त
आयकर अधिनियम के अधीन कर इन के अन्तरक के शीर्ष में
कम करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी प्रत्येक या किसी धन या अन्य धार्मिकों को
अन्तर्गत भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्गत
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रतिफल द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए, रिपाने में सुविधा के लिए,अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

5—306GI/79

1. श्रीमती मंजुलाबेन कार्ति लाल, श्रीमती मधुबाला
प्रविणचन्द्र तथा अन्य दीवानपरा, मेन रोड, राजकोट ।
(अन्तरक)2. श्री हरीलाल नानजीभाई जोषी, पो० औ० के सामने,
5, भक्ती नगर सोसायटी, राजकोट ।
(अन्तरितियों)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त संरक्षित क प्रत्येक क संबंध में कोई भी शर्तों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृश्यमान किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा यथादृष्टान्तगत क पाप लिखित में
किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :— इनमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, या उक्त अधि-
नियम, के अन्वये 20-त में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उन प्रयुक्त में रखा गया है ।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 692-6-54 वर्ग गज है
जो डा० याज्ञिक रोड, रामकृष्ण आश्रम के पास राजकोट में
स्थित है तथा रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 742
तारीख 15-2-1979 में पूर्ण वर्णन दिया गया है ।एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 18-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 जुलाई 1979

निर्देश सं० पी० आर० 692 ओबी 23/1320/19-7/79-80—यतः, मुझे, एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नोंध नं० 386, वार्ड नं० 1 है, तथा जो भाया मोहल्ला, नानपुरा, सुरन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या क्रिमो 41 या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री फगमरीझ खुदा बक्ष, नारवाडिया बिल्डिंग, मालकम बाग, जोशेध्वरी, बम्बई ।
(अन्तरक)

2. (1) श्री जयन्तीलाल भगुभाई
(2) श्री जमनलाल, जयती लाल,
(3) श्री धनश्याम जयन्तीलाल वेगमपुरा, सुरन ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान नोंध नं० 386, जो भाया मोहल्ला नानपुरा वार्ड नं० 1, सुरन में है और जिसका क्षेत्रफल 223, स्क्वेयर गज है (223 स्क्वेयरमीटर) जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुरन में तारीख 8-2-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 27-7-1979

मोहर :

भाई. टी. एन. एस.—

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1979

निर्देश सं० पी० आर० ए० 711, एक्वी० 23-1488/
7-4/79-80—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० नं० 256 पकी जमीन, टीका नं० रे० 68
प्लॉट नं० 25 है, तथा जो नूतन को० आप० हा० सो० लि० नं० 1
दुधिया, तलाब, नवसारी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ख
16) के अधीन, तारीख 17-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकलन के लिए पंटरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकलन में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकलन का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिजियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकलन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण में हुई कृत्रिमता और जो वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उभय रकने में पुष्टि के लिए; और/या

(घ) ऐसा कृत्रिमता प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष या अन्य प्राप्ति-
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
पुष्टि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री राजन मनुभाई देसाई
(2) मुणोनाबेन बापुभाई
(3) श्रीमती नीनाबेन मनुभाई देसाई
नूतन को० आप० हा० सो० लि०. दुधिया तलाब,
नवसारी । (अन्तरक)
2. (1) हरीलाल पुरषोत्तम कपाडिया
(2) श्री महेशचन्द्र हरीलाल कपाडिया,
(3) नटवरलाल हरिलाल कपाडिया
(4) प्रकुलचन्द्र हरिलाल कपाडिया
2-3 टाटा हाऊसिंग सेक्टर, लल्लूभाई पार्क रोड,
अंग्रेजी बेस्ट, बम्बई । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कां० में प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

सहकारक:— इसमें प्रयुक्त पदों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रेवन्यू सं० नं० 256 है । और जो टीका
नं० 68 है और जो प्लॉट नं० 25 में है । इसका क्षेत्रफल
415.208 स्क्वेयर मीटर्स है और जो नूतन को० आप०
हा० सो० लि०. दुधिया तलाब नवसारी में स्थित है और जो
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के कार्यालय में तारीख
17-2-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 18-8-1989

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 अगस्त 1979

निदेश सं० एस० सी० क्यू० 23-2-2083 (840)/11-1
79-80—अतः, मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 258-1, पैकी जमीन है, तथा जो
लाल बाग तथा काशी विश्वनाथ मंदिर के पास, जुनागढ़ में स्थित
है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
26-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी या या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) सर्वेश्वरी नागरदास कालीदास,
(2) प्राणलाल कालीदास,
(3) अमृतलाल कालीदास,
(4) धीरजलाल गोर्धन दास तथा
(5) नवीनचन्द्र गोवरधन दास—उनके कुल मुख्त्यार
श्री तुलसीदास कालीदास के मारफत नगर रोड,
हरकिशन मेन्शन, जुनागढ़।

(अन्तरक)

2. यदुनन्दन को० ओ० हाउसिंग सो० लि० प्रेसीडेंसी श्री
भरनभाई एन० काम्बलीया, के मारफत अहीर ब्रदर्स
क्लाथ मरचन्ट मांडवी चौक जुनागढ़

(अन्तरिती)

हा यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धांधले—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 258/1, पैकी 1 एकर 0 गुंठा है
जो लालबाग तथा काशी विश्वनाथ के पास जुनागढ़ में स्थित है
तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जुनागढ़ द्वारा विन्नी दस्तावेज नं०
203/26-2-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है याने प्राप्ति का
पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 20-8-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 अगस्त 1979

निर्देश सं० फ० सी० क्यू० 23-ई-2083(841)/11-1/79-80—यतः, मुझे, एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 258/1 पैकी जमीन है, तथा जो लालबाग तथा काशी विश्वनाथ मंदिर के पास, जुनागढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कायम नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातुः—

1. (1) श्री नागरदास कालीदास,
- (2) श्री प्राणलाल कालीदास,
- (3) श्री अमृतलाल कालीदास,
- (4) श्री धीरजलाल गोरधन दास,
- (5) श्री नवीनचन्द्र गोरधन दास, उनके कुल मुख्तयार श्री तुलसीदास कालीदास के मारफत नगर रोड, हरकिशन मेनशन, जुनागढ़

(अन्तरक)

2. श्री यदुनन्दन को० ओ० ह० मो० लि० प्रेसीडेंट श्री भरतभाई एन० काम्बलीया के मारफत अहीर ब्रदर्स, क्लोथ मरचेंट मांडवीचीक जुनागढ़

(अन्तरिती)

ता 15 जुलाई 1979 को हरदत्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 258/1 पैके एकर-2 तथा 27 गुंठा है जो लालबाग तथा काशी विश्वनाथ मंदिर के पास जुनागढ़ में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जुनागढ़ द्वारा बिश्री दस्तावेज नं० 213/28-2-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है याने प्रापटी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 20-8-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-2-2079(842)/11-6/
79-80—अतः, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 481-सी, 'रामनवमी' नाम से प्रख्यात
हमारा है, तथा जो डा० गोरधन दास रोड, सट्टा बाजार, बेरावल
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरावल
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख फरवरी 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए धनगत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण क लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किताबों की बिक्री उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में प्रयत्न
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के सिद्धे;

अतः, घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धारकः—

1. श्रीमती राधा बेन उर्फ नर्मदा बेन मनसुखलाल शाह,
39, मंगटोपार्क, टैंगोर रोड, सान्ताक्रुस (वेस्ट)
बम्बई-54—उनके कुल मुख्त्यार श्री चुनीलाल
त्रभविनदास शाह सुभाष रोड, बेरावल, के मारफत
(अन्तरक)

2. श्री शांतीलाल दयालजी ठक्करगांव—मालीया हरीना
जिला—जुनागढ़
(अन्तरिति)

ता यह पूरा हो जाये तब तक उक्त व्यक्तियों के अर्जन के
लिए कार्यवाही करना है।

उक्त अधिनियम के अर्जन के अन्तर्गत में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 2(1)-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

'रामनवमी' नाम से प्रख्यात हमारा जिसका सर्व नं०
481-सी है जो श्री गोरधन दास रोड, बहारकोट सट्टा बाजार
बेरावल में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बेरावल
द्वारा बिक्री दस्तावेज नं० 397/फरवरी, 1979 से रजिस्टर्ड
किया गया है याने प्रापटी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया
है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 20-8-1979
मोहर :

प्रकट आई०टी०एन०एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए सी ब्यू 23-I-2084(843)/11-1/
79-80—अतः, मुझे, एस० सी० परीख,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सन्नत प्राधिकारी की, यह रिपोर्ट करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 258-1 जमीन है, जो लालबाग
तथा काशीविश्वनाथ मंदिर, जूनागढ़ में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1979
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अक्षरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री तुलसीदास कालीदास स्वयं तथा
श्री नागरदास कालीदास,
श्री प्राणलाल कालीदास,
श्री अमृतलाल कालीदास,
श्री धीरजलाल गोरधन दास,
श्री नितिनचन्द्र गोरधन दास,
के कुल मुख्त्यार—नागर रोड, हरकिणन मेन्सन, जूनागढ़।
(अन्तरक)
- श्री लक्ष्मी कार्पोरेशन, भागीदार श्री मोहनलाल धर्मशी
ध्रुव के मारफत, उपरकोट 'मोहन निवास' जूनागढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 258/1 पैकी 3 एकर 27 गुंठा
है जो लालबाग तथा काशीविश्वनाथ मंदिर, जूनागढ़ में स्थित
है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जूनागढ़ द्वारा बिज्जी दस्तावेज
नं० 214/ 28-2-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है यानि
प्रापटी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 20-8-1979

मोहर :

प्ररूप धाई० टी० एन० एम०-----

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अगस्त 1979

निर्देश सं० एसो० क्यू० 23-I-2331(846)/11-6/
79-80—यतः, मझे, एस० सी० परीख,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० म्युनि० वार्ड नं० 10, 5463 वर्ग मीटर
जमीन आफिस रूम वगैरा है तथा जो तलाला रोड तथा सोमनाथ
टाकीज के सामने, बेरावल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बेरावल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-21-979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किया गया या किसी धन व अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सोनी मगनाथ जीवणभाई लोधिया तथा अन्य, बेंगलोर के,
कुनमुळवार श्री सोनी देवजी नाथुभाई के मारफत—
फोटोग्राफर स्टूडियो, मट्टा बाजार, बेरावल।
(अन्तरक)
2. (1) श्री रमेशचन्द्र केशवलाल } केशुभाई की लाटी
(2) श्री धीरजनाल केशवलाल } बेरावल
(3) श्री हरमोहिद गोवात्र, हरीशम्भम निशाम,
राजमहल रोड, बेरावल।
- (4) श्री तुनमोदाम जादवजी, कोटे के पास, बेरावल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5463 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाली वार्ड नं० 10 में जमीन
कम्पाउन्ड वाल तथा ओफिस वगैरा वाली जो तलाला रोड तथा
सोमनाथ टाकीज के बाजू में बेरावल में स्थित है तथा बित्री
दस्तावेज नं० 489/27-2-1979 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
बेरावल पारा रजिस्ट्रीकृत है (37 जी फार्म मार्च 1979 के
प्रथम फोटोनाईट में प्राप्त हुआ) यानि प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन उसमें
दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-8-1979
मोहर :

प्रका. आई० टी० एन० एम०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मिनम्बर 1979

निर्देश सं० पी० आर० 722 एक्वी० 23/1392/6-1/
79-80—यनः, मुझे, एम० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० नं० 195/2 है, तथा जो 9-
भक्तिनगर, वाडी वार्ड, प्रतापनगर रोड, उमिया विजय माँ मिल,
बड़ौदा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 23-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—306GI/79

1. श्री गजफर अली फतेह अली, 9-भक्तिनगर, वाडी
वार्ड, प्रतापनगर रोड, उमिया विजय माँ मिल, बड़ौदा।
(अन्तरक)

2. मै० उमिया विजय माँ मिल, 9-भक्तिनगर, वाडी वार्ड
प्रतापनगर रोड, बड़ौदा।
(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशुद्धताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीयकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
उही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलकियत जो 9-भक्तिनगर, वाडी वार्ड, प्रतापनगर रोड,
बड़ौदा में है और जो उमिया विजय माँ मिल में है,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा के दफ्तर में तारीख
23-2-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है और जिसका रजिस्ट्र-
शन नं० 196 है।

एम० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-9-1979
मोहर :

प्रकृष धाई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पी०-आर० 726 एक्वी० 23-1326/19-7/
78-99—यतः, मुझे, एम० सी० परीख,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नोंधा नं० 3416 और 3423 है, तथा जो लीमडा शेरी, रामपुरा वार्ड नं० 7 सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के परवृत्ति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की मात्रा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में; मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रेमजीभाई थोमनभाई मिस्त्री रामपुरा मुख मार्ग, सूरत (अन्तरक)

2. श्री गोपालभाई देवराजभाई पटेल महीधरपुरी, कसारा शेरी सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके सूचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेयः -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलुब्धकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान, जो नोंध नं० 3416 और 3423 लीमडा शेरी रामपुरा वार्ड नं० 7, सूरत में है। और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में तारीख 27-2-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-9-1979

मोहर :

प्रत्येक भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मितम्बर 1979

निर्देश सं० पी० आर० 733 एस०सी० 23/19-7/79-80—

अतः, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 141 पुराना सं० नं० 159-1, 159-2, 161, 162 और 176 पैकी है तथा जो गांव लसकाना, ता० कामरेज में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किमो आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) उसी किमो आय या किमो धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कर्ता ऑफ एच० यू० एफ० वाली और मैनेजर :

(1) श्री हसमखलाल डाह्याभाई

(2) मुणीला बेन डाह्याभाई

रामपुरा, मेन रोड सूरत।

(अन्तरक)

2. मै० समीर डायमण्ड मेन्यु० के भागीदार :

(1) श्री सतीश कीर्तीलाल कोठारी

(2) श्री प्रदीप कीर्तीलाल कोठारी

(3) श्रीमती मधु सतीश कोठारी

(4) श्रीमती कल्पना प्रदीप कोठारी

(5) श्री महेन्द्र शान्तीलाल जावेरी

(6) श्रीमती स्मिता नरेन्द्र मेहता

(7) श्रीमती दशना अश्विन मेहता

नं० 1 का पता: 81, सुधा सोसायटी, वरेछा रोड, सूरत।

नं० 2 से 7 का पता: 2502, "पंच रत्न" ओपेरा हाउस, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो माप में 3 हेक्टर है और जो लसकाना गांव में तालुका कामरेज में है जिसका नं० ब्लाक 141 पैकी, पुराना सं० नं० 159-1, 159-2, 161, 162 और 176 है जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कामरेज के दफ्तर में तारीख 15-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पी० आर० 734 एसीक्यू० 23/19-7/79-80—

मि० मुद्दे, एस० सी० परीख,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० 141, पुराना सं० नं० 180 और 176 पैकी है, जो गांव लसकाना मेता० कामरेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किमी घन या अन्य आम्निया को, जिन्हें, भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. कर्ना आँक एच० यू० एफ० बाली और मैनेजर :—
 - (1) श्री वसंतलाल डाह्याभाई जरीवाला
 - (2) श्रीमती तन्मकान्ता वसंतलाल डाह्याभाई
 - (3) राजेश वसंतलाल
 - (4) श्री परेश वसंतलाल

रामपुरा, मेन रोड, सूरत। (अन्तरक)

2. मै० समीर डायमंड मैन्यु० के साजीदार :

- (1) श्री सतीश कीर्तीलाल कोठारी
- (2) श्री प्रदीप कीर्तीलाल कोठारी
- (3) श्रीमती मधु सतीश कोठारी
- (4) श्रीमती कल्पना प्रदीप
- (5) श्री महेन्द्र शांतीलाल जावेरी,
- (6) श्रीमती स्मिता नरेन्द्र मेहता,
- (7) श्रीमती दर्शना अश्विन मेहता

नं० 1 का पता : 81, मुधा सोसायटी, वरेछा रोड, सूरत और नं० 2 से 7 का पता : 2502, 'पंच रत्न' ओपेरा हाउस, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका नं० ब्लाक 141 पैकी, पुराना सं० नं० 180 और 176 है। और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कामरेज के दफ्तर में, फरवरी, 79 के महीने में रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पी० आर० 735 एसीक्यू० 23/19-7/
79-80—अतः, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्दिन बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 138, रे० सं० नं० 175 और
177 है, जो गांव लसकाना, तालुका कामरेज में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामरेज में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किराया आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसे किराया आय या किराया धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकीर्त :—

1. श्री डा. ह्याभाई वजेराम, रामपुरा, मेन रोड, सूरत ।
(अन्तरक)

2. मै० समीर डायमण्ड मैन्यु० के भागीदार :

(1) श्री सतीश कीर्तीलाल कोठारी

(2) श्री प्रदीप कीर्तीलाल कोठारी

(3) श्रीमती मधु सतीश कोठारी

(4) श्री महेन्द्र शांतिलाल जावेरी

(5) श्रीमती कल्पना प्रदीप कोठारी

(6) श्रीमती स्मिता नरेन्द्र मेहता

(7) श्रीमती वर्णना अश्विन मेहता

नं० 1 का पता: 81, साधना सोसायटी, वरेधा रोड, सूरत,
नं० 2 से 7 का पता: 2502, 'पंच रत्न' ओपेरा हाउस,
बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जागे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को० या आरूप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हुँ हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जो माप में 3 हेक्टर, 30 चारस मीटर है और
ब्लाक नं० 138 रे० सं० नं० 175 और 177 है । ये गांव
लसकाना, तालुका कामरेज में है, और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
कामरेज के दफ्तर में रजिस्टर्ड की गई है ।

एस० सी० परीख

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-1979

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पी० आर० नं० 736/एक्स० 23-2/19-2/79 80—यतः, मुझे, एस० सी० परिख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० 76 सं० नं० 57 पैकी है, तथा जो गांव सेगवा तह० कामरेज में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 फरवरी 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया जा रहा है—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति या वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) श्री कल्याणभाई मंगनभाई पटेल,
(2) श्री नटवरभाई मंगनभाई पटेल
गांव, सेगवा ता० कामरेज

(अन्तरक)

2. श्री ठाकरभाई नारनभाई पटेल गांव सेगवा, तह० कामरेज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो माप में 31552 चोरस फिट है और जो गांव सेगवा तह० कामरेज में है, ये जमीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कामरेज के कार्यालय में ता० 23-2-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परिख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 गिनम्बर 1979

निर्देश सं० पी० आर० 737/एसीक्यू०/23-II/19-2/79-
80—अनः मुझे, एम० सी० पारीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लॉक सं० 76, सं० नं० 57, पंकी हैं
जो गांव सेगवा ता० कामरेज में स्थित है (और इसमें उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कामरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 23-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कल्याणभाई मगतभाई पटेल
(2) श्री नटवगभाई मगतभाई पटेल
गांव सेगवा, ता० कामरेज ।

(अन्तरक)

2. श्री रमेशभाई ठाकोरभाई पटेल
गांव सेगवा, ता० कामरेज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जो माप में 31784 चौरस मीटर है और जो
गांव सेगवा में ता० कामरेज में है जो रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, कामरेज के कार्यालय में ता० 23-2-1979 के दिन
रजिस्टर्ड की गई है ।

एम० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-1979
मोहर :

का प्राई० टी० एन० एन०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी० आर० 739/एक्यू/23-II/7-3/79-80--

अनः मुझे, एम० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अन्तर्गत मजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 440 पैकी और सं० नं० 443 पैकी सं० नं० 3154 से 3162 तक है जो देशरा ता गनदेवी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध, नुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरा, दिल्ली श्रेरा, गनवेश में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षात् :—

1. (1) कान्तागौरी ईश्वरलाल देमाई
- (2) तन्वेन डाह्योमभाई देमाई

चीखली, ता० चीखली।

(अन्तरक)

2. (1) मोहनभाई कुबेरभाई पटेल
- (2) परमोत्तमभा कुबेरभाई पटेल
- (3) नवनीतलाल रनछोड़भाई पटेल

माफन रनछोड़भाई काबाभाई,
 देशरा-महादेवपुरा, बिनीमोरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संकेतकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सं० नं० 440, 443 पैकी फीटी सं० नं० 3154 से 3162 तक है ये जमीन माप में 2818 चोरस मीटर्स है और देशरा बिनी ओराम में है ता० 17-2-1979 के दिन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गनदेव के कार्यालय में रजिस्टर्ड की गई है।

एम० सी० परीख

मजम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-1979

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1979

रेफ० नं० ए० आर० 741/एकम 23-II/7-3/79-80—

अतः मुझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 623 और सर्वे नं० 31 पैकी है
तथा जो चिखला ग्राम पंचायत तालुका वलसाड में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय वलसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
7—306GI/79

1. (1) श्री जिनाभाई केशुरभाई राना
(2) श्री पुरुषोत्तम दास केशुरभाई राना
वलसाड ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रवीनकुमार रावजीभाई पटेल
द्वारा प्रकाश पोलट्री फार्म
डुनगा, ता० वलसाड,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो चिखला ग्राम पंचायत कि हद में है और
जिसका सं० नं० 623 और 31 कि पैकी है, ये जमीन
माप में 9 एकड़ और 23 गुंडा है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
वलसाड के कार्यालय में ता० 28-2-1979 को रजिस्टर्ड कि गई
है।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

निदेश सं० पी० आर० 742/एक्वी० 23/4-3/79-80—

अतः मुझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 28,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 5 कि पैकी है तथा जो एस० टी० स्टैंड के पास भारुच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भारुच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. सोमाभाइ नानाभाइ
अवी पत्नी टेकरी फलीभा,
भारुच

(अन्तरक)

2. मै० अजन्टा कारपोरेशन के भागीदार,
(1) पूनेमभाइ एस० प्रजापति,
(2) नयनकुमार एम० भजुमदार
ए० 1206, आफिसर्स कम्पाउन्ड,
एस० टी० बस स्टैंड के पास,
भारुच ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका सं० नं० 5 है और जो पैकी ए-3, और गुंडा 14 माप में है, ये जमीन ता० 9-2-79 के दिन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भारुच में रजिस्टर्ड की गई है ।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 17-9-79
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी०आर० 743/एक्वी/23-II/1284/79-80—

अतः मुझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मजबूत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० नं० 18, कि अतीरीकन 0-26 गुंडा है तथा
जो और सं० नं० 21 अतीरीकन 0-16 गुंडा में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोजपुर न० भरुच में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-2-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री इमराहीम इसा आबम मिडा

(2) अरेकद इसा आबम मिडा पटेल

(3) बाई कालीबैन, इसा सावालम मिडा पटेल
गांव भोजपुर
ता० भरुच।

(अन्तरक)

2. मैसर्स नरहरी प्रसाद एन्ड कं०

के पार्टनर :

(1) श्री बिनोद चन्द, भानुप्रताप पडौया,

(2) दलीप कुमार, नरहरी प्रसाद भाई

(3) ज्योतीसिंह दिनेश चन्द्र पंडया

(4) नरहरी प्रसाद ए० भाड

(5) सुमनबैन, नरहरी भाड

भरुच

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
नियमावधियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सं० नं० 18 कि अतीरीकन है जो माप
में ए० ओ० और गुंडा 26 है, और सं० नं० 21 की अतीरीकन
ए० ओ० और गुंडा 26 है ये जमीन गांव मोजापुर में ता०
भरुच में है। और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भरुच के कार्यालय में
फरवरी, 1979 का रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख

सहायक प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 17-9-79

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एच.—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

289-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पी० आर० 744/एचवी 23-ii-1313/19-8
79-80—अतः मुझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नोंध नं० 890 है तथा जो बार्ड नं० 1, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-2-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तर्गत को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिकल त, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरता (अन्तरिता) के बावजूद अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आन्तरिक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्र भाषितियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री महेर कावशा नानावटी—पी० एच० होल्डर
- (2) श्रीमती खोरशेद हस्तम जी,
जेसीस बिल्डिंग, जमशेदजी रोड,
पारसी कालोनी दादर,
बम्बई ।
- (3) दोलत महेर नानावटी,
बम्बई ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री पमनजी खरशेदजी, बोम्बेवाला,
खेरनी बाजार, लाल गेट,
सूरत ।

- (2) शशेश भाई खरशेदजी,
खेरनी बाजार, लाल गेट,
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अग्र व्यक्ति द्वारा, बखोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में बिधा गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान जो नोंध नं० 890, बार्ड नं० 1, सूरत में है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के कार्यालय में तारीख 23-2-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 17-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी० आर० 744-ए/एकवी 23-11/19-8/79-80—अतः मुझे एस० सी० परीख

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नोंधनं० 889-ए और 889-बी है तथा जो बोर्ड नं० 1, सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त वर्णन लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्येक में हुई कृपया प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शपथ में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. (1) महुरे कापशा नानावटी, पी० ए० ऐल्डर श्रीमती खोरशेद रमतमजी
- (2) दौलत महुरे नानावटी, जेसीस बिल्डिंग, जमशेदजी रोड, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई ।

(अन्तरक)

2. परसनजी खार चन्दजी बोम्बे वाला, शणेशभाई खारचन्द भाई कटनी बाजार, लाल गेट सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समन्वधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे ।

शब्दोत्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान जो सूरत में हैं, जिसका नोंध नं० 889-ए और 889-बी और बोर्ड नं० 1 है ये मिलकर रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में 23-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है ।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 17-9-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी० आर० 745/एक्वी/23-II-1324/19-7/
79-80—अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० नोंध नं० 1939 वाई नं० 2 है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन 20-2-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकरण निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी प्राय या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थात् —

1. श्री ईश्वरलाल परभुआई पटेल,
गांव भालीधा,
ता० बारडोली ।

(अन्तरक)

2. श्री इन्द्रावन प्रानलाल भट्ट,
सजयकुमार चेतनकुमार के बाली,
दरजी, शेरी, नानपुरा,
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान जो सूरत में हैं जिसकी नोंध नं० 1939 वाई नं० 2 है और जो माप में 475.6 चौरस मीटर्स है । ये मिल्कीयत का रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में ता० 20-2-1979 को किया गया है ।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 17-9-1979
मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एम०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी० आर० 746/एक्वी/23/II/1325/19-7/
79-80—अतः मुझे एस० सी० परीख

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० नोंध नं० 1939 वाई नं० 2 है तथा जो
सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 20-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया
जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—

1. श्री शंकर भाई दयाराम पटेल,
गांव टीबा
ता० कामरेज,
जि० सूरत ।

(अन्तरक)

2. खीराज फलैट कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
चेयरमैन: शुभास चन्द्र कान्ती लाल,
हिरामोदी शेरी, सगरामपुरा,
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यकता करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका नोंध नं० 1939 और वाई नं० 2 पैकी
लैंड है और जो सूरत में है । ये जमीन भाप में 475.6
चौरस मीटर्स है, ये रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में
ता० 20-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है ।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 17-9-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

एफ० नं० पी० आर० नं० 747/एक्वि० 23-II/1445
19-8/79-80—अतः मझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० री० स० नं० 42, प्लॉट नं० 28 है। तथा जो अडेवा लाइन्स सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, पश्चात् :—

(1) श्रीमती मयुमती नानाकाले सुरती 29, नर्मलनगर
अडेवा लाइन्स, सूरत (अन्तरक)(2) श्री मोहम्मद मोरारजी चापानेरी 30 आफिसर्स
कालोनी, उकाई ना० प्यारा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, असोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे :

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो अडेवा लाइन्स में, सूरत में है और जिसकी री० स० नं० 42 तथा प्लॉट नं० 26 है। यह रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में ता० 26-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 17-9-79

मोहर :

प्रकृप गार्ड-टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० प० आर० नं० 748/एकवि०-23-II/19-8/
79-80—अतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 1690 है तथा जो नर्मद सोसाइटी बोर्ड
अठेवा, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-79 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—
8—306GI/79

(1) जसवंत सिंह गुनावसिंह ठाकोर, नगर फलिया,
सूरत (अन्तरक)

(2) श्री जवाहर कमलेश्वर डाक्टर 10/637, खा-
रिया चकला महाबोर स्वामी स्ट्रीट, सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका नं० सं० नं० 1690 है और जो नर्मद
सोसाइटी अठेवा बोर्ड सूरत में है। ये जमीन माप में
366.52 चोरस मीटर्स है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत
के कार्यालय ता० 28-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II

तारीख: 17-9-79

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, 18 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० आर० 758/एक्वी० 23-III-1338/7-5/79-80—अतः, मुझे, एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 64, 65 और 75 है तथा जो मोतीपाड़ा, वाडी में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रती धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. जेडाभाई चुनीभाई पटेल मोतीपाड़ा तालुका पारडी, जि: बलसाड (अन्तरक)

2. (1) लालजीभाई, बेलजीभाई शाह (2) मेनजी भाई बेलजीभाई शाह (3) जादवजीभाई लालजीभाई शाह, 'विक्टर फार्म' किल्ली पारडी, जि०: बलसाड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जों के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोऽस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका सं० नं० 64, 65 और 75 है और माप में 2 एकर और 24 गुंठा, और 3 एकर, 33 गुंठा है। ये जमीन मोतीपाड़ा पारडी में है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पारडी के कार्यालय में ता० 3-2-1979 को रजिस्टर्ड की गई है और रजिस्ट्रेशन नं० 156, 157, और 158 है ।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 18-9-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी० आर० नं० 759/एनवी० 23-II-1451/
7-5/79-80—अतः मुझे एस० सी० परीख
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० सं० नं० 320-ए० पाइकी, और सं०
320-बी० पाइकी है तथा जो छाला-वापी में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी, में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-2-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यने कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ख के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख को उपधारा, (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मुलेमान इसमाइल मोहीदु, निवाम छाला ता० पारडी
जि० सलसार (अन्तरक)
- (2) मै० शक्ति इन्टरप्राइसिस पापी, बालेंदा मंजील,
नूर० झंडा चौक के पाम, परेला मजला वापा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रहस्ताचरो के पान
निहित में किया जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान जो छाला पारडी में है जिसकी सं० नं० 320-ए
और 320-बी० अतिरिक्त हैं और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
पारख के दफ्तर में रजिस्ट्रेशन नं० 159 से ता० 12-2-79
को रजिस्टर्ड की गई है ।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II
अहमदाबाद

तारीख : 18-9-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० आर० 770-एन्वी० 23/II-1323/19-7/
79-80—अतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

(और जिसकी सं० नोंध नं० 864/ए०-1, बाडें नं० 1 है तथा जो अथुगर मोहलो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-2-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिरा में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपात्—

- (1) श्री मोरारभाई केशवभाई पटेल मौजे भिप और त० चोरधाती जि० सूरत (अन्तरक)
- (2) श्री राम एपार्टमेंट को० आप० हाऊ० सोसाइटी की चेयरमैन जनिन्द्रभाई ठाकुरभाई नायक अथुगर मोहलो, नानपुरा, सूरत (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्यान:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो अथुगर मोहलो, नानपुरा सूरत में है, जिसका नोंध नं० 864/ए०-1 बाडें सं० है, सूरत है। और ये मिलकर रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में ता० 20-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबादतारीख: 19-9-79
मोहर:

प्रकरण पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी० आर० 780/एकवी० 23-II-194/79-80—

अतः, मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 275/1 पंकी है तथा जो स्टेशन रोड, बारडोली में स्थित है (और इससे आपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारडोली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-2-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री खुशाल भाई नत्थाभाई पटेल (2) ललूभाई छिना भाई पटेल (3) नग्नीभाई ललूभाई ग्रामेशीकर तारीख वालाछ जि० सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मै० लीम्बर एजेसी के पार्टनर श्री ललूभाई लाका-भाई मकता गांव, दसाड़, जि० सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांका पंजीन के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त संरति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोतरताओं के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवस्थाकरण :—इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, की कार्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सं० आर० एस० 275/1 पंकी है और जो स्टेशन रोड बारडोली में है। ये जमीन माप में ए०-० और गुंडा- है और रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय बारडोली में ता० 8-2-79 को रजिस्ट्रीटर्ड की गई है।

एस० सी० परीख

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद।

तारीख : 24-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० सी० एन० ७२०-----

आर० अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पी० आर० 781 एक्वी० 23-II/7-4/79-80
—अतः मुझे एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० नं० 275/1 पैकी है।
तथा जो स्टेशन रोड, बारडोली में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारडोली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-2-79 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी राश की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी राश या किसी वस्तु या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) खुशालभाई नाथाभाई पटेल (2) लल्लूभाई
छिताभाई पटेल (3) पी० ए० होल्डर नानीभाई
लल्लूभाई पटेल गांव : मोहर तालुका : बालोद
जि० सुरत (अन्तरक)

(2) मै० लिम्बर एजेंसी के भागीदार श्री लल्लूभाई
लाखाभाई भकता गांव दसाड तालुका कामरेज
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्यपि उक्त व्यक्तियों के नाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की पर्याय का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
बड़ी पर्याय होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका नं० आर० एस० 275/1 पैकी, जो स्टेशन
रोड बारडोली पर स्थित है। और माप में एकर 9=0 और
ग्रंडा 10 है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बार-
डोली में ता० 8-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद

तारीख : 24-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, न्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० एचडी० 23-I-24 95(849/16-6/79-80—

अतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन प्लॉथ के साथ जागनाथ सेरी नं० 25 है तथा जो जागनाथ सेरी नं० 25, राजकोट में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन 27-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के माध्यम से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्री गिरधरलाल केलाभाई जनकल्याण सोभायरी राजकोट (अन्तरक)

(2) (1) मुशीलाबेन चंदुलाल, (2) कंचनबेन चन्दुलाल, (3) मंजुभाबेन चन्दुलाल, जागनाथ प्लाट राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉथ के साथ खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है जो जागनाथ प्लाट, शेरी नं० 25 राजकोट में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज, जो रजिस्ट्रेशन नं० 944 दिनांक 27-2-1979 में रजिस्टर्ड हुआ है उसमें दिये गए पूर्ण वर्णन के अनुसार है।

(एस० सी० परीख)

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

अहमदाबाद

तारीख : 13-9-1979

मोहर :

प्रा. ए. प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 13 सितम्बर 1979

निदेश सं० एसीव० 23-I-2476(850)/16-6/79-80—

अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 451, पैकी प्लॉट नं० 39 है। तथा जो रैयारोड, राजकोट में स्थित है (और इससे आपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिणी (घन्तरिणियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) घन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिणी द्वारा पकड़ तर्फी किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री कनकराय जगजीवन शाह द्वारा, मनमुखलाल जीवराज शाह, मोराफ बजार राजकोट (अन्तरक)

(2) श्री शशीकान्त श्रीधरजी राजा, जयराम प्लाट शेरी नं० 8, राजकोट (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के घन्तरण के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के घन्तरण के संबंध में कोई भी भाषा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित हैं, वही भव्य होगा, जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 213.8 वर्ग गज है जिसका सर्वे नं० 451 पैकी प्लॉट नं० 39 जो रैया रोड, राजकोट में है तथा ता० 25-2-79 को रजिस्ट्रेशन नं० 741 से रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज में, जैसा पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

अहमदाबाद

तारीख: 13-9-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निदेश सं० नं० एसीक्यू० 23-I-2497(851)/16-6/79-80—अतः, मुझे एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 451 पैकी प्लॉट नं० 40 है तथा जो
रैया रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 15-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बल या अन्य प्राप्ति
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

पतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित बातों पर अर्थात्:—

9-306GI/79

- (1) श्री नन्दलाल जिवराज शाह श्री मनसुखलाल
जिवराज शाह के मारफत सरोफ बाजार, राजकोट।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती ईलाबेन कीरीटकुमार कामदार, किरन
सोसायटी, ब्लॉक नं० 38, गलैक्सी सिनेमा के
पीछे, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 213-8 वर्गगज
है जिसका सर्वे नं० 451 पैकी प्लॉट नं० 40 जो रैया रोड
राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 740 ता० 15-2-
1979 से रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज में जैसा पूर्ण वर्णन
दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1
अहमदाबाद

तारीख: 13-9-1979
मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निदेश सं०-एसीक्यू० 23-I-2498(852)/16-6/79-80—
प्रतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 451 पैकी प्लॉट नं० 36 है
तथा जो रैया रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 15-2-1979.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री तुलसीदास हरीदास (1) श्रीमती हीरावक्ष्मी
तुलसीदास तथा (2) श्रीमती जयश्रीबेन पुष्करराय
के कुलमुख्यार तीन बत्ती चाल, द्वारका।

(अन्तरक)

2. (1) श्री धरमणीभाई खीमजीभाई राठोड (2)
श्रीमती अनसुयाबेन दामजीभाई राठोड,
5, जंकशन प्लॉट, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 168-0-126
वर्गगज है जिसका सर्वे नं० 451 प्लॉट नं० 36 है जो रैया
रोड राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 735
ता० 15-2-1979 में रजिस्टर्ड विश्वी दस्तावेज में दिये गए
पूर्ण विवरण के अनुसार।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

अहमदाबाद

तारीख: 13-9-1979

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० एसीएयू० 23-I-2499(853)/16-6/79-80—
अतः, मुझे, एस० सी० परीख

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० सर्वे नं० 451, पैकी प्लॉट नं० 36 है। तथा जो रैया रोड, राजकोट में स्थित है) (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1979 को पूर्वांश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के दिये अन्तरण को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तुलसीदास हरीदास, (1) श्रीमती हीरालक्ष्मी तुलसीदास तथा (2) श्रीमती जयश्रीबेन पुष्कर राय, के कुलमुखत्यार 3 बत्ती चौक, द्वारका। (अन्तरक)

2. (1) श्री धरमशीभाई खीमजीभाई राठोड़, (2) श्रीमती अनसुयाबेन दामजीभाई राठोड़ 5, जंकशन प्लाट, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांश सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 168-0-126 वर्ग गज है। जिसका सर्वे नं० 451 प्लॉट नं० 36 है जो रैया रोड राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 736 ता० 15-2-1979 से रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में दिये गये पूर्ण वर्णन के अनुसार।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

अहमदाबाद

तारीख : 13-9-1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश नं० एसीक्यू० 23-I-2500/सी854/16-6/79-80—

अतः मुझे, एस० सी० परीख

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भगा दुवा प्लॉट है तथा जो रेसकोर्स साइट की ओर पश्चिम में भगा दुवा प्लॉट, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी ऐसी आधुनिक या किन्हीं धन या अन्य मास्तिहों, को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. श्रीमती कंचनबेन शीवल शाह, मनसुखलाल जिवराज शाह के मारफ्त शराफ बजार, राजकोट । (अन्तरक)
2. श्री नन्दलाल रामज भाई राजा अकेडमी के पीछे पंचनाथ प्लॉट राजकोट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखेंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अवाहस्तापरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 213.8 वर्ग गज है जिसका प्लॉट नं० भगा दुवा प्लॉट रेसकोर्स की ओर पश्चिम साइट में राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 890 ता० 22-2-1979 से रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में दिये गये पूर्ण वर्णन अनुसार ।

एस० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

दिनांक : 13-9-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक, 13 सितम्बर 1979

निवेश सं० ए०सी०क्यू० 23-I-2501(855)/16-6/79-80:-

अतः मुझे एस० सी० परीख,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भगा बुदा प्लाट है तथा जो पश्चिम साईड,
रेसकोर्स से भगा बुदा प्लाट, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 22-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारच में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मादा:-

1. श्रीमती कंचनबेन शीवलाल शाह, मनसुखलाल जिवराज
शाह के मारफत शराफ बाजार, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री नन्दलाल रामजीभाई राजा, प्रकेडमी के पीछे, पंच-
नाथ प्लाट, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धावेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

बुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 213.8 वर्ग गज है
जो भगा बुदा प्लाट में, रेसकोर्स की ओर पश्चिम साईड में राजकोट
में स्थित है तथा विश्वी दस्तावेज में जैसा पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 13 सितम्बर 1979

मोहर : []

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए०सी०व्यू० 23-I-2502(856)/16-6/79-80—अतः, मुझे, एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भगादुदा प्लाट पैकी प्लाट नं० 39 है तथा जो रेसकोर्स का पश्चिम साईड में भगादुदा प्लाट, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कनकराय जगजीवन शाह जयराज प्लाट, शेरी नं० 8 हेमन्द्र निवास, राजकोट । (अन्तरक)

2. श्री शशीकान्त ओधवजी राजा, श्री ओधवजी भवनभाई राजा के मारफत, बाणापीठ, राजकोट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अड्डाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उन अड्डाय में दिया गया है

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 213.8 वर्ग गज है जो भगादुदा प्लाट, पैकी प्लाट नं० 39 रेसकोर्स की ओर पश्चिम साईड में भगादुदा प्लाट राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 764 से ता० 16-2-1979 को रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में जैसा पूर्ण वर्णन दिया गया है ।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 13-9-1979

मोहर :

प्रकृष धार्डि० टी० एन० एन०-----

आन्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 13 सितम्बर 1979

सं० प०सी०एयू० 23-I-2053(857)/16-6/79-80—

अतः मुझे पम० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भगादुदा प्लाट, पैकी प्लाट नं० 39 है। तथा जो भगादुदा प्लाट की पश्चिम साईड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति रु उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तररिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों का, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नन्दलाल शिवराजभाई श्री मनमुखलाल राज शाह के मारफत, शराफ बसार राजकोट। (अन्तरक)

2. श्रीमति ईलावन कोरीटकुमार कामदार कीरीटकुमार कामदार के मारफत, कीरण सोतायटी, दुसरी मंजिल प्लाट नं० 39, मनेकरी सीनेमा के पीछे राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए जायेंवाहियाँ करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 213.8 वर्ग गज है जो भगादुदा प्लाट पैकी प्लाट नं० 39 जो रैसकोर्स की परिपक्व साईड में राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 764 ता० 16-2-1979 से रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में जैसा पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज I अहमदाबाद

दिनांक: 13-9-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर, 1979

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-2197(858)/
16-6/79-80—अतः मुझे एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० बेडीपरा में स्ट्रक्चर है तथा जो बेडीपरा
मेन रोड, नदी के किनारे के पास, डीलक्स टोकीस के
सामने राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-2-1979
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पत्र
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के श्रिय तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. (1) श्री पटेल जाह्याभाई तेजाभाई
(2) पटेल मोहनलाल तेजाभाई,
(3) पटेल प्रणिण्वन्द तेजाभाई, जागनाथ मंदिर
के सामने, कैलाश, राजकोट (अन्तरक)
2. राजकोट नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड, नागरिक
भवन, डेवरभाई रोड, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

489.75 वर्गगज क्षेत्रफल वाली जमीन पर खड़ा
स्ट्रक्चर जो बेडीपरा, नदी के किनारे के पास मेनरोड राजकोट
में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 644 ता० 8-2-1979
से रजिस्ट्रेशन किये गये विक्री दस्तावेज में दिए गए वर्णन
के अनुसार।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 93-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० १००-23-I-2198
(859)/16-6/79-80—अतः मुझे, एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सं० 15, वार्ड नं० 6 है तथा जो
डेवर रोड़, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से
कक्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धारितियों
को निम्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

धतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थित:—
10-306GI/79

1. श्री रतीलाल नागेश्वर पाठक, श्री रतीलाल नागेश्वर
पाठक के एच० यू० एफ० के कर्ता, डेवर रोड़, एस० टी०
बस स्टैंड के पीछे, राजकोट I (अन्तरक)

2. (1) पटेल मेघाबाई नाथुभाई
(2) श्री रजनीकान्त मेघाभाई गुंदाबाड़ी, राजकोट I
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबख
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

82.1 वर्ग गज जमीन पर खड़ा मकान जिसका मकान
नं० 15 वार्ड नं० 6 है जो राजपुर पैरा तथा डेवर रोड़
के बीच में राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 970
ता० 28-2-1979 से रजिस्टर्ड वित्री दस्तावेज में दिए
गये पूर्ण वर्णन के अनुसार ।

एस० सी० परीख
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख: 15-9-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर, 1979
निदेश सं० पी० आर० नं० 783 एक्वी 23-11/
1352/7-1/79-80—अतः मुझे, एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० रे० सं० नं० 165/1, पेकी है तथा जो
गांव अबरामा ना० बलसाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बलसाड, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-2-79
की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या क्रिपो धन या दायित्व में कमी
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सफल
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम का प्राग 269-ग के अन्त-
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मगनभाई निष्ठाभाई नायक कर्ता आफ एच०
यू० एफ० अबरामा ता० बलसाड फिलहाल गवर्नमेंट क्वार्टर्स
एम०-8, गुलबाई टेकरा, अहमदाबाद-15 (अन्तरक)
2. (1) श्री अर्जुन भाई मोहनलाल टांक
(2) बाबुभाई मोहनलाल टांक
(3) श्री भरत कुमार नानालाल मकवाना, धरमपुर
रोड, अबरामा, ता० बलसाड। (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी धारा 269-ब :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन निशका सं० नं० 165/1 कि अतिरिक्त पश्चिमी
जमीन जो गांव अबरामा में तह० बलसाड में है, में जमीन
का रजिष्ट्रार रजिस्टर्ड कर्ता, अधिकारी बलसाड के कार्यालय
में ता० 3-2-1979 का रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 25-9-1979

मोहर :

प्रकृष घाई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एम० आर० नं० 784 एक्वी० 23-11/1352/7-1/79-80—अतः मुझे, एस० सी० पारीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० रे० सं० नं० 165/1 कि अतिरिक्त जमीन है तथा जो गांव अबरामा ता० बलसाड में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-2-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री रमनलाल निष्ठाभाई देसाई
(2) प्रतापभाई रमनलाल देसाई
(3) किरीट कुमार रमनलाल देसाई, बलसाड—
पारडी, बलसाड। (अन्तरक)
2. (1) श्री अर्जुनभाई मोहनलाल टांक
(2) बाबुभाई मोहनलाल टांक
(3) भरतकुमार नानालाल मकवाना धरमपुर रोड,
अबरामा ता० बलसाड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची !

जमीन जिसका रे० सं० नं० 165/1, है और जो इस नम्बर का मध्य हिस्सा है। ये जमीन गांव अबरामा ता० बलसाड में है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बलसाड के कार्यालय ता० 3-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II; अहमदाबाद

तारीख : 25-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी० आर० नं० 785/एनवी० 23-1352/7-1/79-80—अतः मुझे, एस० सी० पारीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० रे० सं० नं० 165/1 कि अतिरिक्त जमीन है तथा जो गांव अबरामा में ता० बलसाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलसाड, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-2-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब राश्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रागजीभाई नित्यभाई कर्ता आफ एफ० यू० एच० अबरामा ता० बलसाड फिलहाल 18, सुहास सोसायटी फतेहगंज, बडौदा-18। (अन्तरक)

2. (1) श्री अर्जनभाई मोहनभाई टांक

(2) श्री बाबूभाई मोहनलाल टांक

(3) श्री भरतकुमार नानालाल मकवाना धरमपुर रोड, अबरामा ता० बलसाड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सं० नं० 165/1 के अतिरिक्त है और ये जमीन का पश्चिमी हिस्सा है। जमीन गांव अबरामा ता० बलसाड में है ये जमीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बलसाड के कार्यालय में ता० 3-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 25-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-2208(860)/

16-3/79-80—अतः मुझे, एस० सी० परीख

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 315 है तथा जो चन्द्रमोलेश्वर
मंदिर के पास, जेतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-2-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए स्थावर की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या लिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री रामजीभाई कालाभाई पटेल
(2) श्री केशवभाई डाह्याभाई पटेल, टांकुडिया परा,
जेतपुर। (अन्तरक)

2. मेसर्स हरीकृष्ण डाइंग एण्ड प्रीटिंग इन्डस्ट्रीज,
भागीदार श्री सुरेशभाई डाह्याभाई के मारफत, टांकुडीपरा,
चन्द्रमोलेश्वर मंदिर के पास, जेतपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में आई की आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2236 वर्ग
गज 2 वर्ग फुट है सर्वे नं० 715 है जो चन्द्रमोलेश्वर
मंदिर के पास जेतपुर में स्थित है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 25-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 अगस्त, 1979

निदेश सं० 1139/एक्वि०/उरई/78-79—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो राजेन्द्र नगर उरई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उरई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-2-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट :—

1. श्री दशरथ सिंह पुत्र श्री गोकुल सिंह व श्री सत्येन्द्र सिंह सेंगर एडवोकेट पुत्र श्री विजय बहादुर सिंह मोहल्ला राजेन्द्र नगर कस्बा तथा पोस्ट उरई जि० जालौन। (अन्तरक)

2. श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह भदौरिया पुत्र श्री शिव वरन भदौरिया ग्राम० अमखेड़ा प० व जि० जालौन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधिन के तत्त्व में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान राजेन्द्र नगर गवर्नमेंट इन्टर कालेज के सामने उरई में 90,000/- का बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-8-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अगस्त, 1979

निदेश सं० 438-ए—अतः मुझे, बी० सी० चतुरवेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 443, 444ख है तथा जो कृषि भूमि में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्द शहर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 6-6-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अन्वयेण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बजेन्द्र पाल सिंह पुत्र जसवन्त सिंह निवासी
हरतौली डा० नैथला हसनपुर पर० वरन जिला बुलन्दशहर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती दौलत कुंवर पत्नी छोतर सिंह निवासी
धीवरी, रोदलपुर, पर० वरन डा० नैथला जि० बुलन्दशहर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें पूर्वोक्त शर्तों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खेत नं० 443 व 444 ख स्थित रोदलपुर
परगना वरन डा० नैथला हसनपुर जिला बुलन्दशहर में
40000/- में बेची गई है।

बी० सी० चतुरवेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 29-8-1979
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 अगस्त 1979

निदेश सं० 416-ए/गा० बाद०-7980—अतः मुझे, बी० सी० चतुरवेदी, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० 172 है तथा जो दयानन्द माडल टाउन पूर्वी गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-4-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. श्री वीरेन्द्र सिंह भल्ला पुत्र श्री अनन्त सिंह भल्ला निवासी मकान 90 ग्रेटर कोलाश, पार्ट नं० 1, नई दिल्ली-48 वैहसियत मुस्तार ग्राम और श्री सन्त कुमार सूद पुत्र लालादलमतराम निवासी मकान नं० जी-13, दयानन्द नगर, गाजियाबाद हाल नि० आनन्दीलाल पोदार रोड मलाह स्टेट बाम्बे-64, महाराष्ट्र (अन्तरक)

2. श्री दीप चन्द गुप्ता पुत्र श्री गोविन्द राम निवासी 135 तुराव नगर गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 172, जिसका पुराना नं० 155 एक मंजिला स्थित दयानन्द माडल टाउन पूर्वी गाजियाबाद में 70000/- रु० का बेचा गया।

बी० सी० चतुरवेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 30-8-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 974-कानपुर-7980—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 28/122 एच है तथा जो सिरकी मोहाल कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

11-306GI/70

1. श्री रामदुलारे तिवारी पुत्र राम अधीन तिवारी 28/1 फीलखाना, कानपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती रानी पत्नी शिवाजी प्रसाद निवासी 28/130 सिरकी मोहाल, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नम्बर 28/122 एच स्थित कशमीरी शाखा सिरकी मोहाल कानपुर में 40000/- रु० को बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-9-1979

मोहर:

प्रकृष धाई० टी० एन० एव०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 948-ए कानपुर-7980—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 16/72 है तथा जो सिविल लाईन कानपुर में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाव की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के बाहिरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गौतम रोहतगी जी, 20 पन्चशील इन्वसेव, मई दिल्ली-17।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बानू अग्रवाल 16/50 सिविल लाईन कानपुर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 16/72 सिविल लाईन कानपुर जिसका क्षेत्रफल 450 गज है एक लाख पैंतीस हजार रु० 1,35,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-9-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 1122/एक्वि०/कासगंज/78-79—प्रतः मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो सरकुलर रोड़, कासगंज में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कासगंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिन्दु तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार या किसी वन या अन्य धास्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री धर्मवीर पुत्र श्री सरदार केसर सिंह साहू कासगंज जि० ऐटा। (अन्तरक)
2. श्रीमती सरला देवी पत्नी श्री सुरेश चन्द्र अग्रवाल कासगंज, ऐटा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता कोठी दो मंजिल सरकुलर रोड़ कासगंज में 75,000/- रु० की बेची गयी।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-9-1979
मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना;
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 1121/एफिव०/कासगंज/78-79—अतः,

मझे, भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो सरकुलर रोड, कासगंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कासगंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धर्मवीर पुत्र श्री सरदार केसर सिंह नि० कासगंज, ऐटा। (अन्तरक)
2. श्री सुरेश चन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री पद्मा लाल जी नि० कासगंज, जि० ऐटा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता कोठी दो मंजिला सरकुलर रोड, कासगंज में 75000/- रु० की बेची गई (1/2 भाग)।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 1119/अर्जन/फि० बाद/78-79—अतः, मुझे, भ० च० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8209 रकबा है तथा जो ग्राम दतौजी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सरमन पुत्र श्री जीवा राम ग्राम दतौजी त० फिरोजाबाद, आगरा। (अन्तरक)

2. मैसर्स जनता सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड फिरोजाबाद द्वारा हेमचन्द सचिव पुत्र लाला रामेश्वर दयाल अग्रवाल नि० जलेश्वर रोड, फिरोजाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम दतौजी तहसील फिरोजाबाद में कृषि भूमि 6,000/- रु० की बेची गई, जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,14,380/-

भ० च० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 6-9-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 795-ए/गा० बाव/78-79—अतः, मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 43 है तथा जो औरंग नगर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 6-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय धाव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव
में/सुविधा के लिए।

अतः धाव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किरन सिंह पुत्र पूरन सिंह निवासी औरंग
नगर किनहापुर पर० जलालाबाद तह० ब० जिला
गाजियाबाद। (अन्तरक)
2. श्री मोदी सिंह व मलखान सिंह पुत्र सुखदेव सिंह, निवासी
सैकपुर गेहपुर डा० इस्मइलपुर तह० सिकन्दराबाद जिला
बुलन्दशहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि रकबई 5) 3+8 $\frac{1}{2}$ बीघा स्थित औरंगनगर
किनहापुर पर० जलालाबाद जिला गाजियाबाद में 66500/-
रु० की बेची गयी। इस ग्राम में इस भूमि की दर 17000/-
रु० प्रति बीघा है जबकि खरीददार ने इस भूमि को
13000/-रु० प्रति बीघा की दर से खरीदा है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 1114/अर्जन/झांसी/78-79—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 206/1.206/2 है तथा जो ताकवपुरा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ललितपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्, :—

1. श्री जमुना गिरी तन्या बाल गिरी गोस्वामी, ताकवपुरा, ललितपुर, जिला झांसी । (अन्तरक)

2. श्री राजाराम इकोदया पुत्र श्री रघुनाथदास इकोदया पुरा उकटा पोस्ट परा परगना व तहसील ताम्बले, व श्रीमती सुशीला बाई बेवा श्री रामदास इकोदया ग्राम व पोस्ट परा परगना व तहसील ताम्बले व छिदम्मीलाल गुप्ता पुत्र श्री राम दास गुप्ता सिविल लाइन्स, ललितपुर जिला झांसी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान, जो ताकवपुरा, ललितपुर, जिला झांसी में स्थित है, 42750/- रु० का बेचा गया जबकि उचित बाजारी मूल्य 54,798/- रु० है ।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 24-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई०टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 788-ए/बुढाना/78-79—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 256 है तथा जो मौजा खुब्बापुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुढाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या द्रव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम कला पुत्र श्री मनकुल निवासी मुजपुरा पर० शिकारपुर तह० बुढाना जिला मुजफ्फरनगर। (अन्तरक)

2. श्री योगप्रकाश, रामकुमार पुत्र ईश्वरचंद विशेष कुमार, मुवीरकुमार, बालगान, दीपकुमार नाबालिक पुत्रगण धरमबीर सिंह त्यागी निवासी खुब्बापुर पर० शिकारपुर तह० बुढाना जिला मुजफ्फर नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 256/1 रकबा 1711/4 स्थित मौजा खुब्बापुर पर० शिकारपुर तह० बुढाना जिला मुजफ्फरनगर में बेची गई। इस भूमि का विक्रय मूल्य 92000/- रु० है तथा सम्पत्ति का उचित बाजारी मूल्य 1,42,000/- है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन क्षेत्र, कानपुर

तारीख: 24-9-1979
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 966-ए/गा० बाद-79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1011 है तथा जो ग्राम सीकरीकला में
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कयी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्थ पास्तिबों
को जिन्हें धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2 —306GI/79

1. मै० नव भारत आईस एण्ड कोल्ड स्टोरेज दिल्ली
रोड, मेरठ। (अन्तरक)

2. मै० शंकर आईस एण्ड कोल्ड स्टोरेज सीकरी
कलां, मोदी नगर, पार्टनर श्री बालकृष्ण रघुनाथ सहाय
पुत्र स्व० मधुदाम, श्रीमती माया वन्ती पत्नि स्व० मध्या दास
श्रीमती मीरा बाई पत्नी स्व० चुन्नी लाल, श्री चमन लाल
पुत्र श्री चुन्नी लाल निवासी मोहल्ला गुरुनानकपुरा मोदीनगर,
श्री बलवीर चन्द पुत्र श्री दयालचन्द निवासी हापुड रोड,
मोदीनगर और श्री नन्दराम सिंह तथा श्री जगत सिंह पुत्र श्री
राजाराम निवासी ग्राम रघुनाथपुरा खेरा, तह० हापुड जिला
गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यह अचल सम्पत्ति आईस एण्ड कोल्ड स्टोरेज ग्राम
सीकरीकलां पर० जलालाबाद तह० व जिला गाजियाबाद
जिसका कि कुल क्षेत्रफल 4840 वर्ग गज है इसको मूल्यांकन
अधिकारी आयकर विभाग 193 सकेत, मेरठ ने इसको
उचित बाजारी मूल्य 1,61,735 रु० आंका है जबकि
खरीददार ने इस फैक्टरी को 1,00,000/- रु० में ही खरीदा
है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 1018-पी० एन० गा० बाद—7980—

अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 83 से 85, 87 से 91 है तथा जो ग्राम करकार मंडल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता, 1170, कुचा महाजनी, चांदनी चौक, दिल्ली (अन्तरक)
2. मैसर्स आर० एन० ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड, 1170 कुचा महाजनी, चांदनी चौक, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 19 बीघा, 14 बिसवा 17 कच० ग्राम हरकारमंडल तह० दादरी जिला गाजियाबाद में 1,50,000/- रु० की बेची गयी। इस भूमि की दर इस स्थान पर 12000/- रु० प्रति बीघा है। तथा इसका उचित बाजारी मूल्य 2,24,000/- रु० है। जिसको कि खरीददार ने 1,50,000/- रु० में खरीदा है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-9-1979

मोहर:

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 673/एक्वि०/औरंगा/78-79/63290—अतः
मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 828 है तथा जो मौ० सौफट में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, औरंगा में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 21-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से
उसके वृक्षमान प्रतिफल से ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी धाय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसार
'य', में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :—

1. श्री मिश्री लाल पुत्र शालिग राम ब्राह्मण, निवासी ग्राम
ब डा० सौफर परगना औरंगा, जि० इटावा। (अन्तरक)

2. श्री प्रेमशंकर पुत्र श्री कृष्ण कुमार, श्रीमती दुलारी देवी
बेवा वंशीधर, निवासी ग्राम ब डा० सौफर परगना औरंगा,
श्रीमती रमा देवी पत्नी श्री राधा कृष्ण, श्रीमती वित्ती देवी
पत्नी श्री राम नरेश, श्री बीरेन्द्र कुमार पुत्र श्री राजा राम निवासी
नगला धरीपुर, गांव ब डा० सौफर परगना औरंगा जि०
इटावा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

आराजी नम्बर 828, रकबा 8.35 डि० लगानी
रु० 147.15 जो गांव सौफर परगना औरंगा, जि० इटावा
में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-9-1979
मोहर :

ग्रुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 681/इटावा/7980/6381—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी सं० 13 किता है, तथा जो छिमरू में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इटावा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 2-2-79 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अतन्सो कुंवर बेवा टुनडे राम उर्फ बृजमोहन
सा० मो० नरहोली मिडरमा पर० इटावा डा० कुइया।
(अन्तरक)

2. श्री अरविन्द कुमार व प्रमोद कुमार व आतमास्वर
पुत्रगण रामस्वरूप व उमेश बाबू दत्तक सुबेदार विलायत
शिवशंकलाल सुभाष बाबू पुत्र शिवशंकर लाल व
सुशिल कुमार पुत्र शिवशंकलाल निवासी नरहोली मिडरमा
पर० जिला इटावा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा अस्तित्व के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आराजी कास्त 13 किता लगान 173.15 पे०
(20-29)

वाके मो० छिमरू पर० व जिला
इटावा पूर्ण स्वामित्व का भूमि है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-9-1979
मोहर:

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 1152/अर्जन/सादाबाद/7980/6382—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० है तथा जो बाके मौजा नंग नीगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सादाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-2-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अम्तरक (अम्तरकों) और अम्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अम्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री होती पुत्र श्री बाला डा० नेरा पो० खास तह० सादाबाद, जिला मथुरा। (अन्तरक)

2. श्रीमती गंगा देवी परनी कमल सिंह सा० मी० सत्ययोग पो० भालुपुरा, तह० ब जिला आगरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोद्धताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषी भूमि 16-40 डि० लगानी 135.64 जो बाके मौजा नेराबगिर तह० सादाबाद, जिला मथुरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-9-1979

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 1137/एक्वि०/ घाटमपुर/6383—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, विपदा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मू० 192 है तथा जो मजरा गुगरा में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घाटमपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
एकद्वि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीबों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सविज्ञा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविज्ञा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

1. श्री बाबूराम पुत्र इन्द्रजीत सा० चिलहरा मजरा
गुगरा पो० पासी खेड़ा त० घाटमपुर जि० कानपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती राजवती सघना लल्लू सिंह जि० टोका नगर
त० दिनरामनु जि० फरुखाबाद हाल मुकाम मजरा गुगरा
पो० पासी खेड़ा त० घाटमपुर जि० कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घस्तक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आराजी 1 किता नम्बर 192 रकबा 12 बीघा 12 बिस्वा
और 15 बिस्वसी (लगान 64.95) बाके मौजा गुगरा त०
घाटमपुर जि० कानपुर।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-9-1979
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० 766-ए/78-79/देहरादून—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22 है तथा जो पलटन बाजार देहरादून में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की श्रावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वहाँतः :—

1. श्री के० आर० नरवल्ला पुत्र श्री स्व० आर० एन० नरवल्ला निवासी 36 लैटिन रोड, देहरादून और श्री बी० एस० चड्ढा पुत्र श्री स्व० श्री सोरवजी चड्ढा

(अन्तरक)

2. श्री मोतीलाल पुत्र श्री सोहन लाल, श्री जगदीश कपूर पुत्र श्री मोती लाल, सतीश चन्द्र कपूर पुत्र श्री मोती लाल निवासी 67 चकराता रोड, देहरादून। (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करवा हूँ।

उपः स्पष्टि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभ्युक्त

पूर्ण स्वामित्व जायदाद 22 पलटन बाजार देहरादून में 100,000/ रुपये की बेची गई जिसका कि बाजारी मूल्य 130,000/ रु० है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-10-1979

मोहर :

प्रकरण घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० 1020-ए/78-79—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है, तथा जो इन ब्लॉक सी चौहान सापिंग सेंटर हरिद्वार रोड़, देहरादून में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. श्री शिव प्रताप सिंह चौहान माईनर पुत्र श्री डी० एस० चौहान तथा श्री डी० एस० चौहान पुत्र स्व० श्री भवानी सिंह निवासी 10 नरदेव शास्त्री मार्ग, देहरादून। (अन्तरक)

2. श्री पिशोरी लाल मलहोत्रा पुत्र स्व० श्री सरदार चन्द और श्री सुनील कुमार मलहोत्रा पुत्र श्री पिशोरी लाल मलहोत्रा 12-ए रेस कोर्स देहरादून। (अन्तरित)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धार्या 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस धार्या में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लॉक नं० 1 इन ब्लॉक सी हरिद्वार रोड़, देहरादून में स्थित है। इसका क्षेत्रफल 34.70 वर्ग मीटर है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-10-1979

मोहर:

प्रकृष धार्ड० टी० एन० एस०—

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 1021-प/78-79—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० 2 इन ब्लाक सी है तथा जो इन ब्लाक सी चौहान शापिंग सेंटर हरिद्वार रोड, देहरादून में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-2-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

13—306GI/79

1. श्री शिव परताप सिंह चौहान माइनर पुत्र श्री डी० एम० चौहान और श्री डी० एस० चौहान स्व० श्री भवानी सिंह निवासी 10 नारदेव शास्त्री मार्ग, देहरादून। (अन्तरक)

2. श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री एस० बालवीर सिंह और एम० जगजीत सिंह पुत्र श्री गुरदियाल सिंह 45 रोडा मन्डी, देहरादून। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नम्बर 2 इन ब्लाक सी चौहान शापिंग सेंटर हरिद्वार रोड, देहरादून में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-10-1979

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जुन रेंज, कानपुर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 1022-ए०/78-79—अतः मुझे, बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-9 है तथा जो चौहान शापिंग सेंटर
देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 29-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और
घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए
तयपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) घन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भण्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री शिव प्रताप सिंह चौहान पुत्र श्री डी० एस०
चौहान 10 नारदेव शास्त्री मार्ग, देहरादून। (अन्तरक)

2. श्री सुरेशचन्द पुत्र श्री सुखनन्दन 31 इन्द्रेण,
देहरादून। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के घर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
भण्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० सी०-9 चौहान शापिंग सेंटर चन्द नगर
देहरादून में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-10-1979
मोहर:

प्रस्तावार्थी टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 851-ए/कानपुर/78-79--अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 90ए है तथा जो ब्लॉक बी स्कीम VII गुटइया कानपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-2-1979

को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत] उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:--

1. श्रीमती माधुरी गुप्ता पुत्री स्व० बाबूगाम गुप्ता निवासी 7/198 स्वरूप नगर, कानपुर। (अन्तरक)

2. श्री जयन लाल मलहोत्रा, रामकिसन मलहोत्रा, पीतम प्रकाश मलहोत्रा, सुरेन्द्र प्रकाश मलहोत्रा पुत्र श्री नाथूराम मलहोत्रा निवासी 113/16 स्वरूप नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 90ए ब्लॉक बी स्कीम 7 गुटइया कानपुर में स्थित है तथा जिसका क्षेत्रफल 575.5 वर्गगज है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-10-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 1024-ए/78-79—अतः मुझे, बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 8 ब्लाक सी है तथा जो चौहान शापिंग
सेन्टर हरिद्वार रोड, देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-2-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिव प्रताप सिंह चौहान पुत्र श्री डी० एस०
चौहान द्वारा श्री डी० एस० चौहान 10 नारदेव शास्त्री
मार्ग, देहरादून।
(अन्तरक)

2. श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री सरदार ईसर सिंह
(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाबेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बुकान नम्बर 8 ब्लाक सी चौहान शापिंग सेन्टर
हरिद्वार रोड, देहरादून में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-10-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० 1023-ए/78-79—अतः मुझे बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परचाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो हरिद्वार रोड, देहरादून
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 23-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्ना प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
यह अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिव प्रसाद सिंह चौहान द्वारा संरक्षक श्री डी०
एम० चौहान 10 नारदेव शास्त्री मार्ग, देहरादून। (अन्तरक)

2. श्री पूरन लाल अहूजा पुत्र श्री तखतराम अहूजा
127 मनूगंज, देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में द्रितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

बुकान हरिद्वार रोड, देहरादून।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-10-1979
मोहर :

प्रकरण पाई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर दिनांक 1 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 833ए/ मंसूरी/78-79--अतः
मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० है जो तथा बलनब ग्रेव स्टेट कुलरी मंसूरी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, मंसूरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री हरि मोहन होमल स्वागत निवासी कुलरी मंसूरी। (अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल, विनोद कुमार, बृजभूषण, श्रीमती अग्रूरी देवी निवासी रीजेंट हाउस कुलरी, मंसूरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घातारों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूर्ण स्वामित्व बलनब ग्रेव स्टेट कुलरी मंसूरी। जिसका क्षेत्रफल 940.77 वर्ग गज है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-10-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 738-ए/सहारनपुर-7980—अतः, मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1093, है तथा जो देहरादून सहारनपुर खंड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-2-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र लाला चतर सेन व कान्ती प्रसाद पुत्र श्री बख्तावर सिंह निवासी कस्बा मीरापुर डाक० खाना खास तह० जनलठ, जिला मुजफ्फर नगर, व सेठ भगवान स्वरूप मंसूरी पुत्र रामगोपाल महेश्वरी, अनिल कुमार महेश्वरी पुत्र सेठ भगवान स्वरूप महेश्वरी निवासी मकान नं० 5/783 मोहल्ला कहर खालायार, सहारनपुर। (अन्तरक)

2. खरीददार का नाम :—आनन्द प्रकाश मेहता पुत्र मुकुन्द लाल मेहता निवासी चर्च रोड सहारनपुर व जगदीश सिंह पुत्र सरदार मोहन सिंह निवासी 175 जनकपुरी सहारनपुर, व सुदर्शन कुमारी पति मनोहर लाल निवासी मकान 2 न्यू जवाला नगर, सहारनपुर, व सत्य प्रकाश पुत्र आत्मा राम निवासी मोहल्ला मटिया महल खाला पार्क सहारनपुर, व सुरेश चन्द्र जैन पुत्र बाबू-राम जैन निवासी बड़तला यादगार सहारनपुर, व सरदार भूपेन्द्र सिंह पुत्र सरदार करतार सिंह गिल कलानी सहारनपुर व मोहनलाल पुत्र जोधा राम निवासी गौरीशंकर सहारनपुर।। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 70-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फैक्टरी जिसका नाम स्टैंडर इंजीनियरिंग कारपोरेशन स्थित देहरादून सहारनपुर रोड, सहारनपुर में है क्षेत्रफल 18 बिस्वा पुख्ता है, इसमें एक ठीन सेट, दो कमरे आगे पीछे व एक कमरा चौकीदार टीन पोख, व एक कमरा बिना छत व एक मिट्टी डलाई, व एक आयरन इंजन 15-11 हार्सपावर मैन पंखा सेकेन्ड हैंड में बिजली फिटिंग बिजली लाइन व डोमेस्टिक पावर स्थित सड़क दोरकी पर व तह० जिला सहारनपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० 976-ए/कानपुर—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13/392 ए-1 है तथा जो सिविल लाइन कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नवाब आसिफ जान वल्द शेख बारिक अली निवासी 40/109 परेड, कानपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सईदा बेगम जोजा श्री मुहम्मद शामिल साहिद परवेज व रासिद जमाल तारिक जमाल पिसरान मुहम्मद, शामिल साकिन न० मकान नं० 40/63 परेड शहर, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 13/392ए-1 सिविल लाइन कानपुर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 415 वर्ग गज है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14 आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 21 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/
2-79/1060/78-79—यतः, मुझे, कु० अंजनी ओझा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 61 है, तथा जो कैलाश अपार्टमेंट
लाला लाजपत राय रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-2-1979
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

14—306GI/79

1. श्री सुभाष भाटला निवासी 99, आनन्द लोक,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री अभय सिंह निवासी 4 अशोक रोड, इलाहाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 61, कैलाश अपार्टमेंट, जो लाला लाजपत राय
मार्ग पर स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1600 वर्ग फुट है।

कु० अंजनी ओझा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-I

तारीख : 21-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1,

4/14 का आसफअली मार्ग नई दिल्ली 1

नई दिल्ली-1, दिनांक 20 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यु०/एस० आर०/III/
2-79/1052/78-79—यतः मुझे, कु० अंजनी ओजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो गांव नेब सराय नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 22-2-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिव लाल पुत्र श्री मोहन राम निवासी गांव नेब
सराय, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मै० एलबी दुगली इंजीनियरिंग कं० (प्रा०) लि०,
192, गौल्फ लिक्स, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जो 64 बीघा $\frac{1}{2}$ बिस्वा है और जो गांव
नेब सराय, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है ।

कु० अंजनी ओजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 21 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०/III/2-79

1031 —यतः, मुझे, कु० अंजनी ओजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-16 है, तथा जो नई दिल्ली साउथ एक्स्टेंशन
पार्ट-II नई देहली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आसफअली रोड, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-2-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० एच० कमावैल पत्नी एच० कम्पबैल पता 11ए/
39 बैस्टर्न एक्सटेंशन एरिया, करोल बाग, नई दिल्ली, 1
(अन्तरक)

2. श्री किशन लाल वर्मा पुत्र श्री ज्ञान चन्द वर्मा और श्रीमती
उषा रानी वर्मा पति श्री किशन लाल वर्मा पता:—नई
देहली साउथ एक्सटेंशन पार्ट-II, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2 1/2 मंजला भवन सी-16 नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन
पार्ट-II, नई दिल्ली जिसका माप 200 वर्ग गज है।

कु० अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली 1

तारीख : 21 सितम्बर 1979

हस्ताक्षर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14 क, आसफली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-III 2-79/1085—यत्तः, मुझे, कुमारी अंजनी ओजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० ई 551 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली-48 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मती सुदर्शन धीर पता :—ए 75 टैगोर नगर लुधियाना

(अन्तरक)

2. स० अमरक सिंह सपुत्र स० जवाहर सिंह ई-229, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नम्बर ई-551, ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली-48 में है। जिसकी रजिस्ट्री दिनांक 27-2-1979 को सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में पंजीकृत हुई। क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है।

कुमारी अंजनी ओजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० आर०-III/
2-79/1085 अतः मुझे, कु० अंजनी ओजा, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एम-273 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 26 फरवरी 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आर० सी० धई सुपुत्र श्री जे० एम० धई, पता :—
सी-II/77 मोती बाग-I नई दिल्ली।

2. श्रीमती उर्वशी पति श्री राकेश जैन, पता :—
एस 418 ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली-48।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नम्बर एम-273 ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली
जिसका माप 400 वर्ग गज है।

कुमारी अंजनी ओजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-9-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-III
3-79/1127—यतः मुझे, कुमारी अंजनी ओजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक-7 है, तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 9-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. ले० कर्नल आई० पी० दत्ता डी० एल० एक० खेड़ा
फर्म कार्टर पुरी जिला गुड़गांव (हरियाणा) ।
(अन्तरक)

2. श्री बलराम सान्धू और विक्रम सान्धू पुत्र श्री के०
एस० सान्धू मौ और संरक्षक श्रीमती अर्जन
सान्धू पता :—डब्ल्यू० 18 ग्रीन पार्क, नई
दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० एक-7, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली की पहली और
बरसाती मंजिलें जो कि 311 वर्ग गज प्लॉट पर बनी हुई है ।

कुमारी अंजनी ओजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-9-1979
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 17th September 1979

No. A. 35014/1/79-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri A. Gopalakrishnan, a permanent grade A Officer of the CSSS cadre of Union Public Service Commission, to officiate on *ad hoc* basis as Section Officer (Special) in the Commission's office for the period from 3-9-1979 to 30-11-1979, or until further orders whichever is earlier.

2. On his appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of Shri A. Gopalakrishnan will be regulated in terms of the Ministry of Finance Deptt. of Expenditure O.M. No. F. 10(24)-E. III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 3rd October 1979

No. P/1857-Admn. I.—Shri Gyan Prakash, an officer of the Indian Economic Service and officiating as Officer on Special Duty (Advisers' Panel) in the office of Union Public Service Commission, relinquished charge of the post of Officer on Special Duty (Advisers' Panel) in this office with effect from the forenoon of 3rd October, 1979.

The services of Shri Gyan Prakash are placed at the disposal of the All India Handicrafts Board, New Delhi.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

New Delhi-110011, the 28th September 1979

No. P/1827-Admn. I.—The services of Dr. A. C. Mathai formerly Lecturer in Civil Engineering in the College of Engineering, Government of Kerala, Trivandrum and officiating as Deputy Secretary, Union Public Service Commission are replaced at the disposal of the Government of Kerala College of Engineering, Trivandrum with effect from 28-9-1979 (AN).

Y. R. GANDHI

Administrative Officer

for Chairman

Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 11th October 1979

No. 29 RCT 5.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri N. N. Mookerjee, I.A.S. (A.M. 1964), as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, w.e.f. the forenoon of 5th October, 1979, until further orders.

K. L. MALHOTRA

Under Secretary (Admn.)

for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 10th October 1979

No. N-36/66-Ad. V.—Shri N. J. Karnik, Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, (E.O.W., Bombay) expired on 5th October, 1979 at 0145 hrs.

O. L. GROVER

Administrative Officer (E)

C.B.I.

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 12th October 1979

No. E-16014(2)/1/78-Pers.—On repatriation to his parent department i.e. BSF, Shri M. B. Sen relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, ASP Durgapur w.e.f. the afternoon of 15th Sept. 1979.

No. E-38013(3)/5/79-Pers.—On transfer Shri Santokh Singh relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit HIL, New Delhi w.e.f. the forenoon of 21st August, 1979 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Group HQs., Delhi with effect from the same date.

The 17th August 1979

No. E-29020/28/79-GA. I.—The President is pleased to appoint Shri T. P. BASU, substantively as Asstt. Commandant in the Central Industrial Security Force with effect from 30th January, 1978.

SURENDRA NATH

Inspector General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL
INDIA

New Delhi-110011, the 11th October 1979

No. 11/55/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri M. R. Dahri, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 19th September, 1979 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. His headquarters will be at Bhopal.

3. The above *ad hoc* appointment will not bestow upon Shri Dahri any claim to regular appointment to the grade. The services rendered by him on *ad hoc* basis will not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA

Registrar General, India

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 12th October 1979

No. S(67)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri A. V. Naik Satam, Technical Officer (Photolitho) to officiate as Deputy Manager (Photolitho), Government of India Patents Printing Press, Bombay, with effect from the afternoon of 18th September, 1979, until further orders.

P. B. KULKARNI

Joint Director (Admn.)

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas-455002, the 11th October 1979

F. No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Deptt's Notification of even number dated 27-3-1979, the *ad hoc* appointment of Shri V. Venkataramani, as Technical Officer (Intaglio Printing) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of three months with effect from 1-9-79 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

The 12th October 1979

No. BNP/C/5/79.—Shri Ashok Joshi a permanent Junior Supervisor (Numerota) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) purely on *ad hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- (Group "B" Gazetted) w.e.f. 12-10-1979 (F.N.) for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

This *ad hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis and the *ad hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

P. S. SIVARAM
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi-2, the 10th October 1979

No. 1877-CA-1/68-78.—The Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri N. Baskaran, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government service under provisions of Government of India, Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Fstt.(A) dated 26-8-77 with effect from 16-8-1979 (A.N.).

The 11th October 1979

No. 1889-CA-1/346-69.—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has permitted Shri B. Vasant Rao, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government service under provisions of FR 56 (K) with effect from 2-10-1979 (A.N.).

M. S. GROVER
Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 27th September 1979

No. OE. I/296.—Shri M. R. Kapoor, a permanent Accounts Officer, is permitted to retire from Government service with effect from 30-9-1979 afternoon on attaining the age of superannuation.

D. C. SAHOO
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 16th October 1979

No. Admn.I/0.0.352/5-5/Promotion/79-80/1318.—Shri D. D. Sehgal an officiating Audit Officer of this office retired voluntarily from service of the Government of India, with effect from the afternoon of 31st October, 1978, after completion of more than 20 years of qualifying service in terms of G.I., Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Estt. (A) dated 26-8-1977.

2. Shri Sehgal entered Government service on 9-4-1948 and his date of birth is 21-9-1929.

(Sd.) ILLEGIBLE
Join Director of Audit (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 9th October 1979

No. 18462/AN-I.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts

Service, in Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000/-) of that service in a substantive capacity with effect from 1st November, 1978.

Sl. No. and Name of the officers

S/Shri

1. C. V. K. Reddi
2. S. V. Subramanian
3. R. B. Kapoor
4. B. K. Banerjee
5. S. S. Shukla
6. H. S. Mehta
7. S. Mallick
8. Dipankar Sarkar
9. C. V. Nagendra
10. G. Bhattacharya
11. R. Venkataranam
12. B. N. Rallan
13. R. N. Tyagi
14. K. P. Rao
15. R. Krishnamurthi
16. V. S. Jafa
17. R. Sampathkumar
18. B. Swaminathan
19. R. Kalyanasundaram
20. B. V. Adavi.

R. L. BAKHSHI

Addl. Controller General of Defence Accounts
(Admin.)

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE
AND LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 11th October 1979

No. 17/24/75-Estt.—The Director General, Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay is pleased to accept the resignation of Shri S. M. Divekar, Productivity Officer (Statistical) in the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay from Government Service with effect from the 30th June, 1979 (Afternoon).

A. K. CHAKRABARTY,
Director General

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND CO-
OPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 11th October 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/481/57-Admn(G)/7326.—On attaining the age of superannuation, Shri H. L. Bahl relinquished charge of the post of Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st August, 1979.

No. 6/1216/77-Admn(G)/7335.—On attaining the age of superannuation, Shri Khushi Ram, an officer of the selection grade of the CSS relinquished charge of the post of Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of 31st August, 1979.

C. S. ARYA,
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 27th September 1979

No. A-19008(156)/74-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Kailash Nath, Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation) in the Branch Small Industries Service Institute Jammu as Assistant Director (Gr. I) (Economic Investigation/Production Index) on *ad-hoc* basis in the same Institute with effect from the 4th September, 1979 (F.N.), until further orders.

No. A-19018(401)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri D. Bandyopadhyay as Assistant Director (Gr. I) (Metallurgy) in Extension Centre, Yamuna Nagar with effect from the forenoon of 3rd September, 1979, until further orders.

The 28th September 1979

No. A-19018(427)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri A. S. Anant, Small Industries Promotion Officer (Glass/Ceramics) Small Industries Service Institute, Madras as Assistant Director (Gr. II) (Glass/Ceramics) in the Small Industries Service Institute, Madras with effect from the forenoon of 3rd August, 1979, until further orders.

M. P. GUPTA,
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 10th September 1979

No. A-1/1(870).—The President is pleased to appoint Shri K. K. Deewan, Asstt. Director (Grade I) (Gr. III of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Dte. General of Supplies & Disposals, New Delhi, to officiate on *ad-hoc* basis as Deputy Director of Supplies and Disposals (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi, with effect from the forenoon of 24.9.79.

K. KISHORE
Deputy Director (Administration),
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 11th October 1979

No. A.19011(257)/79-Estt.A.Vol.I.—Shri P. G. Kulkarni a temporary Grade III Officer of I.S.S. has been posted as Deputy Mineral Economist (S) in the Indian Bureau of Mines, Nagpur, with effect from the forenoon of 24.8.79, until further orders.

S. BALAGOPAL,
Head of Office

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-9, the 9th October 1979

No. 4(85)/77-SI.—Consequent on the acceptance of his resignation, Shri S. C. Tanna, Programme Executive, All India Radio, Pune relinquished charge of his post on the afternoon of 31st August, 1979.

N. K. BHARDWAJ,
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 5th October 1979

No. A-19012/1/79-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri G. S. Singer, Officiating Artist Grade-I, Films Division, New Delhi to officiate as In-Between-Animator in the Films Division, Bombay with effect from the forenoon of the 3-9-1979, until further orders.

N. N. SHARMA,
Asst. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 10th October 1979

No. A.12026/6/79-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Sia Ram Goel to officiate as Accounts Officer in this Directorate on a regular basis with effect from 3rd October, 1979, until further orders.

No. A-38013/1/79-Est.—On attaining the age of superannuation, Shri N. Parmanand, Accounts Officer of this Directorate retired from Government Service with effect from the afternoon of September, 30, 1979.

J. R. LIKHI,
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th October 1979

No. A.12025/12/78-Admn.1(Part).—The President is pleased to appoint Dr. A. B. Hiramani to the post of Deputy Director (Research) in the Central Health Education Bureau, Dte. G.H.S., New Delhi w.e.f. the afternoon of the 6th September 1979 in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Administration

New Delhi, the 12th October 1979

No. A.19019/13/79-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Hakim Mohd. Ilyas Khan to the post of Unani Physician in the Central Government Health Scheme Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 6th September, 1979.

The 15th October 1979

No. A.19019/14/79-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Mohd. Kutbuddin Farooqui, to the post of Unani Physician in the Central Government Health Scheme, Hyderabad, on temporary basis with effect from the forenoon of 6th August, 1979.

S. P. PATHAK,
Deputy Director Admn. (CGHS)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 12th October, 1979

No. A-199223/1/78-A.III.—Dr. M. Rajah Rom, Marketing Officer of this Directorate at Jamnagar, died on 24.9.79.

No. A-19025/78/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri K. K. S. Sirohi, officiating as Asstt. Marketing Officer on short-term basis, has

been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) on regular basis, w.e.f. 15.9.79 (F.N.), until further orders.

The 16th October, 1979

No. A-1925/17/79-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri H. N. Shukla, officiating as Asstt. Marketing Officer on short-term basis has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on regular basis w.e.f. 15.9.79 (FN), until further orders.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 9th October 1979

No. NAPP/Adm/1(156)/79-S/11278.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri Vijay Pal Singh, an officiating Assistant Security Officer to officiate as Land Management Officer on *ad-hoc* basis in a purely temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960. in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of September 25, 1979 until further orders.

S. KRISHNAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 9th October 1979

No. AMD-1/12/79-Adm.—In supersession of this office Notification of even number dated 23rd August, 1979, Director Atomic Minerals Division, of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Som Nath Sachdeva, Hindi Translator in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from forenoon of 16 August, 1979 to afternoon of 15th September, 1979 and from forenoon of 24th September, 1979 to afternoon 27th September, 1979 *vice* Shri T. S. Narayanan, Assistant Personnel Officer, who proceeded on leave/training.

No. AMD-1/12/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. U. Narayanan, Permanent Assistant in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 31st October, 1979 *vice* Shri T. S. Narayanan, Assistant Personnel Officer proceeded on training.

No. AMD-1/12/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Lachmi Narain, Permanent Upper Division Clerk/officiating Assistant in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the Forenoon of 3rd October, 1979 to the afternoon of 9th November, 1979 *vice* Shri J. R. Gupta Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

M. S. RAO
Senior Admin. & Accounts Officer

DIRECTORATE GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th October 1979

No. A.32014/2/79-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Sandeep Kalra to the post of Assistant Project Officer, in the Civil Aviation Department with effect from 29th August, 1979 (FN), on an *ad-hoc* basis

for a period of six months and to post him to the Equipment Directorate at Headquarters.

V. V. JOHRI
Assistant Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGE

Dehra Dun, the 12th October 1979

No. 16/326/79-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, is pleased to appoint Shri G. N. Kharkwal, Research Officer working on *ad-hoc* basis as Research Officer on regular basis with effect from 23-3-79 until further order.

GURDIAL MOHAN
Joint Secretary

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Bangalore, the 9th October 1979

No. 15/79.—The following Inspectors of Central Excise (SG) have been promoted to officiate as Superintendent of Central Excise & Customs, Group 'B' in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against their names and until further orders :—

S/Shri.

1. V. N. Deshpande—16-7-1979 Forenoon.
2. L. N. Desai—9-7-1979 Forenoon.
3. S. G. Nalk—6-8-1979 Forenoon.
4. M. M. Guard—9-8-1979 Forenoon.
5. G. H. Patil—9-7-1979 Forenoon.

R. N. SHUKLA, IRS
Collector

Baroda, the 12th September 1979

No. 12/79.—Shri H. N. Sabawala, Superintendent of Central Excise, Group 'B' Surat Division has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-8-1979.

The 9th October 1979

No. 13/79.—Shri J. M. Dave, Assistant Collector of Central Excise, Group-A (I.R.) Ahmedabad has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-9-1979.

No. 14/79.—Shri P. S. Pandya, Superintendent of Central Excise, Group-B AHMEDABAD Division-III has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-9-1979.

J. M. VERMA
Collector of Central Excise, Baroda

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the October 1979

No. 10/79.—Shri M. C. Mullick, Office Superintendent, is appointed to officiate as Administrative Officer in the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at New Delhi with effect from 25-9-1979 (Forenoon) *vice* Shri S. N. Verma appointed as Inspecting Officer Group 'B'.

(Sd.) ILLEGIBLE,
Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 11th October 1979

No. 11-IR(7)/78.—The President is pleased to appoint Shri Bharati N. Bera, as Engineer Officer, in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta with effect from 1st August 1978 (Forenoon), until further orders.

K. S. SIDHU
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the October 1979

No. 19013/6/79-Adm.IV.—Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri Vinod Kaul to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Hydromet) on a purely and *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 16-8-79 (AN) until further orders.

The 9th October 1979

No. A-19012/776/79-Adm.V.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. L. Kawale as Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Civil) in the Ganga Basin Water Resources Organisation in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8th August, 1979 until further orders.

2. Shri Kawale will be on probation for a period of two years in the post of E.A.D./A.E. w.e.f. 8-8-1979.

The 10th October 1979

No. 19013/7/79-Adm.IV.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. Venkataraman, Senior Professional Assistant (Hydro-Met) to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Hydromet) on purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 17-8-79 (FN) until further orders.

The 16th October 1979

No. 19013/9/79-Adm.IV.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri P. Bhuyan, Senior Professional Assistant (Hydromet), to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Hydromet), on a purely temporary and *ad-hoc* basis, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the forenoon of 16-8-1979 until further orders.

J. K. SAHA
Under Secretary
Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS)

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 9th October 1979

No. 23/2/77-ECII, the following officers of Central Public Works Department have retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31st August, 1979 (A.N.).

S. No., Name of Officer and Present Designation

- (1) Shri T. Victor—Executive Engineer (Valuation)
Unit III, Income Tax Department, Bangalore.

- (2) Shri K. M. Agrawal—Executive Engineer (Civil),
'H' Division, CPWD, New Delhi.

2. Shri G. S. Gopalakrishnan, Executive Engineer (Civil) Valuation Cell, New Delhi has retired from service w.e.f. 29-8-1979 (A.N.) on acceptance of his notice of voluntary retirement.

S. S. P. RAU
Dy. Director of Admn.
for Director General (Works)

MINISTRY OF RAILWAYS

RAILWAY BOARD

New Delhi, the 24th September 1979

No. 78/W6/TK/2.—The Ministry of Railways (Railway Board) hereby accord approval to the transfer of the maintenance of the Narrow Gauge track in Parasu Yard (1.17 kms.) on Nagpur Division or Central Railway to South Eastern Railway.

2. This adjustment has been made in the interest of proper maintenance of railway track.

K. BALACHANDRAN
Secretary, Railway Board
Ex. officio Jt. Secy. to the Govt. of India

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 14th September 1979

No. P(GAZ)185/Accounts.—The following officers of Indian Railway Accounts Service of this Railway are confirmed in Senior Scale of that Service with effect from the dates indicated against each :—

- (i) Sri P. K. Basu (as Chief Cashier) w.e.f. 25-9-77.
(ii) Sri P. Parthasarthy (as S.A.O.) w.e.f. 6-7-79.

N. NILAKANTA SARMA
General Manager

MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
U.P. Gases Private Limited*

Kanpur, the 9th October 1979

No. 11750/3788L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the U.P. Gases Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Registrar of Companies, U.P.,
Kanpur

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
"Balamurugan Chit Fund (Pondicherry) Private Limited."*

Pondicherry, the 8th October 1979

No. 93.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name 'Balamurugan Chit Fund (Pondicherry) Private Limited' has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA
Registrar of Companies,
Pondicherry

INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 10th October 1979

No. F.48-Ad(AT)/79.—Shri Banwari Lal, Additional Chief Executive Officer, Zilla Parishad, Ballia, Government of U.P., is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches, Allahabad in a temporary capacity with effect from 4-10-1979 (Forenoon) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- until further orders *vice* Shri H. C. Srivastava, Assistant Registrar, transferred.

He will be on probation for two years with effect from 4-10-1979 (Forenoon).

P. D. MATHUR
President
Income Tax Appellate Tribunal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD,
PUNE-411009

Pune-411009, the 27th September 1979

Ref. No. CA.5/SR/BOM/457/79-80.—Whereas, I, Shri A. C. CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 185 Village Godoli Satara and C.T.S. No. 523A Sadar Bazar Satara, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been o. which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kalyani Consultants Pvt. Ltd.
Regd. Office : 221/D Parvati Niwas,
Kalyani Nagar,
Pune-411014.

(Transferor)

(2) Bharat Forge Co. Ltd.,
Regd. Office : Mundhwa,
Pune-411036.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Revenue Survey No. 185 Village Godoli Satara and C.T.S. No. 523A Sadar Bazar, Satara containing the plots 1 to 27, 29 to 43, 45, 48 to 59, 74 to 107 admeasuring about 3, 50, 20.65 Sy. Meters.

A. C. CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune.

Date : 27-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASS'T. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682016, the 4th October 1979

Ref. L.C. 319/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 1313/6 to 8 as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 3-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. N. Visalakshmy Ammal and Others, Trichur.

(Transferor)

- (2) K. C. Prakashan and 6 others, Kollara House, Mission Quarters, Trichur.

(Transferee)

- (3) Combined Tutorial College, Trichur.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

37 cents of land with buildings in Sy. Nos. 1313/6, 7 and 8 of Trichur Village, as detailed in the Schedule attached to Document No. 2658/79 dated 3-5-1979 registered at the S.R.O., Trichur.

NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Cochin.

Date : 4-10-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Viro Devi wd/o Lala Nagina Mal
S/o Ralla Ram,
Jaitu Mandi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kalish Rani w/o Shri Kaur Sain,
Shri Kaur Sain s/o Babu Ram,
B-VI-107, Gali Master Mansa Ram,
Jaitu.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

BHATINDA

Bhatinda, the 17th September 1979

Ref. No. A.P. 608/79-80.—Whereas, I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- an abearing No.

As per Schedule situated at Jaitu Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential house with one room constructed over a plot of land 87.11 sq. yds. as mentioned in the Registration Deed No. 1460 of 3/79 of the Sub-Registrar, Jaitu.

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 17-8-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 17th August 1979

Ref. No. A.P. 609/79-80.—Whereas, I, Sukhdev Chand being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kasori Gate, Ferozepur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sohan Lal, Raj Pal Kapoor
Ss/o Mohani Lal s/o Ram Chand,
Mohalla Dollian wala,
Ferozepur City.

(Transferor)

(2) Shri Sant Ram s/o Mohanlal s/o Banke Mal
Prop. Firm Sant Ram Sham Lal,
Mohalla Dollian wala,
Ferozepur City.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Constructed property on a plot of area 165 sq. yards as mentioned in the Deed No. 5310 of February 79 of the Sub-Registrar, Ferozepur.

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 17-8-79

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 17th August 1979

Ref. No. A.P. 610/79-80.—Whereas, I, Sukhdev Chand being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Makhu Gate Circular Road, Ferozepur City,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rattan Kumar Sarda
S/o Phul Chand
R/o Mohalla Moharian wala,
Ferozepur City.

(Transferor)

- (2) Shri Jagtar Singh s/o Arjan Singh,
Veni Singh s/o Gurmukh Singh,
Mangal Singh s/o Gurmukh Singh,
R/o I/s Baghdadi Gate,
Ferozepur City.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Deed No. 5646 of Feb. 79 of the Sub-Registrar, Ferozepur.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 17-8-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 10th September 1979

Ref. No. A.P. 614.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Civil Lines, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramesh Chand s/o Shri Sada Lal, Advocate, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Ajit Parshad Jain s/o Shri Gian Chand Jain, D-12, Civil Station, Bhatinda. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share residential plot of land of size 54'×198' in Civil Lines, Bhatinda as mentioned in the Registration Deed No. 5141 of February 1979 of the Sub-Registrar, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 10th September 1979

Ref. No. A.P. 615.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Village Nahianwala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Harbans Lal,
Jaitu Mandi.
(Transferor)
- (2) Shri Bhup Singh s/o Shri Kunda Singh,
Smt. Mukhtiar Kaur w/o Shri Bhup Singh,
Nahaianwala.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Persons in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

*EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

100 Kanals of Agr. land situated at Nahainwala as mentioned in the registration Deed No. 5226 of February, 1979 of the sub-Registrar, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 10th September 1979

Ref. No. A.P. 616.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Kotkapura Road, Muktsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muktsar on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Daljit Kaur w/o Shri Sawan Singh, Advocate, Muktsar.
(Transferor)
- (2) Shri Gurdeep Singh Sindhu s/o Sant Singh Sindhu, Harbinder Singh s/o Sant Singh Sindhu, Japinder Singh s/o Gurdeep Singh, Shri Dalbinder Singh s/o Shri Gurdeep Singh R/o North Field Kothi, Kotkapura Road, Muktsar.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Persons in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single story residential Kothi constructed over a plot of land 73 Marlas mentioned in the registration Deed No. 3093 of February, 1979 of the Sub-Registrar, Muktsar.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 17th September 1979

Ref. No. A.P. 622.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Faridkot on Feb., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suraj Bhan s/o Bindra Dass
S/o Sg. Labhu Ram,
Kotkapura. (Transferor)
- (2) Shri Mehar Chand s/o Nanak Chand
S/o Ramditta Mal
C/o M/s. Chaman Printing Press,
Railway Road, Kotkapura. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop-cum-Printing Press with one room at the first floor constructed over a plot of land 100 sq. yard in area as mentioned in the Registration Deed No. 215 of February 1979 of the sub-Registrar, Faridkot.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 17-9-1979
Seal

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001**

New Delhi, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb.34/4865.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-4/5A (Part) situated at Model Town Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Dutt Sharma,
S/o Pt. Manohar Lal
R/o C-4/5A, Model Town Delhi.
(Transferors)
- (2) Smt. Trishla Jain w/o Sudhir Kumar Jain
R/o H. No. E-43, New Raj Nagar,
Ghaziabad.
(Transferees)
- (3) Shri Barsati Lal Sharma
R/o C-5/5A, Model Town, Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building, built on free hold plot of land bearing plot No. C-4/5-A (part) measuring 146.10 sq. yards situated in the colony known as Model Town area of village Malikpurchhaoni Delhi State Delhi bounded as under :—

North : House built on plot No. C-4/6
South : Middle wall and remaining portion of property No. C-4/5A.
East : Road
West : Plot No. C-4/5

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb.7/4838.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4223/1, situated at Ansari Road, Daryaganj, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Km. Sunita Narain, Nisha Narain and Surekha Narain (Minors daughters of Sh. Raj Narain Through Smt. Usha Narain w/o Sh. Raj Narain, A-17, Green Park New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Shakuntla Pal w/o Sh. J. S. Pal, 382, Than Singh Nagar Anand Parbat, New Delhi.
(2) Smt. Asha Pal w/o S. D. Pal R/o B-5/175, Safdarjang Development Area, New Delhi. (Transferee)
- (3) M/s. Associated Pigment Co. Ltd. Ravi Rubber Works. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share of property No. 4223/1 Ward No. XI area 117 sq. yds. situated at Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-2 bounded as under :—
East : Property No. 4224
West : Ansari Road
North : Gali
South : Property No. 4222

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-10-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb.6/411/4837.—Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4223/1, situated at Ansari Road, Daryaganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Km. Sunita Narain, Km. Nisha Narain, Km. Surekha Narain (Minors) daughters of Shri Raj Narain Through Smt. Usha Narain w/o late Sh. Raj Narain, R/o A-17, Green Park New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Rahu Pal, Rishi Pal & Gunjal Pal (minors) Sons of S. D. Pal through Smt. Asha Pal W/o S. D. Pal R/o B-5/175, Safdarjang Development Area, New Delhi. (Transferee)
- (3) M/s. Metal & Minerals Corporation P. Ltd. 4223/1, Ansari Road, Daryaganj, Delhi. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor except garrage, Basement of property No. 4223/1, Ansari Road, Daryaganj New Delhi built on plot of land measuring 117 sq. yds. out of 351.5 sq. yards bounded as under :—

East : Property No. 4224
West : Ansari Road
North : Gali
South : Property No. 4222

R. B. L. AGGRAWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb.8/4842.—Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4223/1, situated at Ansari Road, Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17—306GI/79

(1) Km. Sunita Narain, Km. Nisha Narain, Km. Surekha Narain (Minors) daughters of Shri Raj Narain Through Smt. Usha Narain w/o late Sh. Raj Narain, R/o A-17, Green Park New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri J. S. Pal s/o Ram Rattan Pal, 382, Than Singh Nagar, Anand Parbat, N. Delhi, Km. Kajjal Pal D/o S. B. Pal through Smt. Asha Pal W/o S. B. Pal, R/o B-5/175, Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Alcobux Metals Corporation 4223/1, Ansari Road, Daryaganj, Delhi. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One garrage on the ground floor, entire second floor and two barsatis on the top floor with the land measuring 117 sq. yds. i.e. 1/3rd undivided land out of 351.5 sq. yards bearing property No. 4223/1, situated at Ansari Road, Darya Ganj, Ward No. XI, New Delhi-110002 and bounded as under :—

East : Property No. 4224 of Shri Bhagwan Dass
West : Ansari Road
North : Gali
South : Property No. 4222 of Shri Kirpa Shankar.

R. B. L. AGGRAWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-10-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb.71/4963.—Whereas, I,
R. B. L. AGGRAWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
1732 situated at Sohan Ganj, Shora Kothi,
Subzi Mandi, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
Delhi on February 1979
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Beni Prashad s/o Dhanrup Mal
R/o 1732, Sohanganj, Shora Kothi, Subzi Mandi,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nahar Singh Jain s/o Shital Prashad Jain,
Shri Pal Jain self and Vijay Pal Jain (Minor)
Shri Mahipal Jain, Pradcep Kumar Jain
Sons of Nahar Singh Jain,
Smt. Kamlesh Wati W/o Nahar Singh Jain,
2880, Gali Dharamshala, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

(3) 1. Shri R. P. Kaushik
2. Shri Kishori Lal
3. Shri Man Singh
All R/o 1732, Sohanganj, Shora Kothi,
Subzi Mandi, Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed house on plot No. 59 and 60 area 288 sq.
yds. bearing property No. 1732 situated at Sohan Ganj, Shora
Kothi, Ward No. 12, Subzi Mandi, Delhi bounded as
under :—

East : Property of Shri Umrao Singh
West : Gali
North : Property of others
South : Property of Pt. Jai Narain.

R. B. L. AGGRAWAL
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-10-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 12th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb.44/4936.—Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 746 to 748 (1/2 portion) situated at Church Mission Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) (or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957));

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lala Faqir Chand s/o Lala Magat Ram, Karta M/s. Mangat Ram Faqir Chand (HUF), R/o 1-B, Underhill Road, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Om Prakash, Chander Prakash, Ved Prakash, Anand Prakash Sons of Faqir Chand R/o 1-B, Underhill Road, Delhi and Shri Yash Pal Malhotra s/o Laxmi Narain Malhotra R/o D-87, East of Kailash, New Delhi. (Transferee)
- (3) S/Shri 1. Mohan Lal Narula, 746, Church Mission Road, Delhi.
2. Gurcharan Singh, Joginder Singh and Gurbax Singh, 748, Church Mission Road, Delhi.
3. Guru Nanak Tyre House, 748, Church Mission Road, Delhi, (1/2 back portion)
4. Gurdit Singh Jolly, 748, Church Mission Road, Delhi, (1/2 back portion)
5. Neon Signs, 748, Church Mission Road, Delhi. (Top Floor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 746-748 (New)/403A, (Old) in Ward No. 3, Church Mission Road, Sarai Ahmed Pail, Delhi bounded as under :—

North : Hotel Prince
South : Vikrant Hotel Building
West : Gali
East : Main Church Mission Road.

R. B. L. AGGRAWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 12th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb. 79/4966.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-1/37 situated at Rajpur Road, Civil Lines, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Scindia Investments P. Ltd.
Regd. office at Gwalior, Madhya Pradesh.
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar Modi S/o Sita Ram Modi,
Sh. Inder Kumar Modi S/o Sita Ram Modi &
Krishan Kumar Modi S/o Sita Ram Modi
all R/o 8-Rajpur Road, Civil Lines, Delhi.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 37 in block A-1 built on free hold plot of land measuring 1521 sq. meters situated at Rajpur Road, Civil Lines, Delhi bounded as under :—

East	30' wide Road.
West	Rajpur Road.
South	Block A-2/37, Rajpur Road,
North	30' wide Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-10-1979

Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

(1) M/s Scindia Investment P. Ltd.
having its Regd. office at Gwalior, Madhya Pradesh.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Roop Chand Vinod Kumar (HUF) through
their Karta Sh. Roop Chand Kateria, 145 Jain
Colony, Veer Nagar, Rana Pratap Bagh, Delhi-7.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 12th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb. 79/4964.—Whereas I, R. B. L.
AGGARWAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. A-2437, situated at Rajpur Road, Civil Lines, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Delhi on 24-2-1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
-
- any moneys or other assets which have not
-
- been or which ought to be disclosed by the
-
- transferee for the purposes of the Indian Income-tax
-
- Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the
-
- Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
-
- of 45 days from the date of publications of this
-
- notice in the Official Gazette or a period of 30 days
-
- from the service of notice on the respective per-
-
- sons, whichever period expires later;
-
- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 37 in Block A-2, built on a freehold
plot measuring 1250 sq. meters situated at Rajpur Road, Civil
Lines Delhi bounded as under :—

East	30' wide Road.
West	Rajpur Road.
North	Block A-1/37, Rajpur Road,
South	30' wide Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 6th August 1979

Ref. No. A-225/JRT/78-79/416-17.—Whereas I, R. N. BARA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 3828 & 3825 P. Patta No. 17 block No. 1, Jorhat town, situated at Rupahi Ali Road Jorhat town in the district of Sibsagar situated at Assam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jorhat on 4-2-1979;

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Md. Abul Fazil Borabora,
Rupahi Ali, Jorhat.

(Transferor)

(2) Sri Bimal Bhattacharjee,
Rupahi Ali, Jorhat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 (Two Katta. 4½ (Four and half) Lacha alongwith a house of Assam type measuring One thousand (app) situated at Rupahi Ali road Jorhat town in the district of Sibsagar, Assam.

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 6-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kamafuzzaman Hazarika,
Rupahi Ali, Jorhat.

(Transferor)

(2) Shri Bhowarlall Gattani,
s/o Shri Champallal Gattani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

SHILLONG

Shillong, the 6th August 1979

Ref. No. A 226/JRT/78-79/418-19.—Whereas I, R. N. BARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 3885, P.P. Patta No. 80 block No. 1, of Jorhat town, situated at Rupahiali road of Jorhat town in the district of Sibsagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jorhat on 6-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 1 (One) katta, $\frac{1}{2}$ (A. Half) Lacha, situated at Rupahiali road of Jorhat town in the district of Sibsagar to Assam.

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 15th June 1979

Ref. No. P.R. No. 686 Acq. 23-1415/19-8/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 138, Ward No. 13, situated at Athwa Lines area T.P. Scheme No. 5, New City Survey No. 2773, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Urmilaben Bapubhai Shroff,
Gopipura, Surat at present
54, Mani Bhuvan,
Haji's Road, Bombay.

(Transferor)

2. Satisbhai Babubhai Shroff,
Gopipura, Surat at present
54, Mani Bhuvan,
Haji's Road, Bombay.

(Transferee)

(2) Shri Mahendra Chhagan Lal Zaveri,
Opp. Jain Temple,
Athwa Lines, Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land admeasuring 467.86 sq. metres, situated at Ward No. 13, Nondh No. 138 and Ward No. 13, Nondh No. 139 in the T.P. Scheme No. 5, Surat. The new city Survey No. Nondh No. 2773 duly registered with the registering authority at Surat in the month of February, 1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1979

Ref. No. PR No. 690/Acq. 23-1319/19-7/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 692

situated at Siddhmata Sheri, Wadi Falia, Ward No. 9, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—
18—306GI/79

(1) Vimalaben wd./of Rangildas Parmanand das,
Raskapoorwala, Siddhmata Sheri,
Wadi Falia, Surat.

(Transferor)

(2) Kanchamlal Somabhai,
Javapura, Kanbi Sheri,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Ward No. 9, Nondh No. 692 admeasuring 129 sq. yds. situated at Siddhmata Sheri, Opp. Ghoshari Lohana Mahajan Wadi, Surat duly registered in the month of February, 1979 with the Registering Authority at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 17-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th July 1979

Ref. No. P.R. No. 687 Acq. 23-1421/19-7/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 121, 122, 123, 124 & S. No. 96, 97 & 127 situated at Village Sultanabad (Dumas) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Chimantal Mulchand,
Navapura, Fakira Puja Sheri,
Surat.
2. Shri Chandrakant Mulchand,
Navapura, Nagardas Sheri,
Surat.

(Transferors)

- (2) Shri Govindbhai Dahyabhai Patel,
Bhimporta, Choryasi,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building, situated at S. No. 121, 122, 123, 124 and S. No. 96, 97 and 127 admeasuring 16,000 sq. yds. situated at Sultanabad (Dumas), Surat duly registered at No. 1089 dated 20-2-1979 with Registering Authority at Surat in the month of February, 1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th July 1979

Ref. No. P.R. No. 689 Acq. 23-1422/19-7/78-79.—Whereas I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 329-B Ward No. 13,

situated at Arogyanagar, Athwa, Surat

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 23-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Hasmukhlal Ishvarlal Gandhi,
Soni Falia, Main Road,
Surat.
2. Natverlal Jekisandas Mehta,
Surat.

(Transferor)

- (2) Nayanaxi Dineshchandra Vaidya,
2/1086, Sagrampura, Chhavalani Sheri,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western side land admeasuring 422.34 sq. mts, situated at Arogyanagar, Athwa, Ward No. 13, Nondh No. 329-B (Out of Nondh No. 329-B Plot No. 5), Surat duly registered with Registering Authority in the month of January, 1979 at Registration No. 827/79.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date : 9-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 13th July 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2243(829)/1-1/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 79-1, 80, M.S. No. 1275/E/1, FP 390, of TPS. 3, Ahmedabad, situated at Mithakhali, alias Changisapur, Nr. Chandra Colony, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Ahmedabad on 28-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Vinodaben d/o Madhavlal Nathubhai
Pushpak No. 1, Nr. Chandra Colony,
Gulbai's Tekra, Mithakhali,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Mangaldas Dahyabhai Patel,
Varjania House, Vijapur,
North Gujarat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A bungalow known as "Pushpak No. 1" standing on a plot of land adm. 835 sq. yds bearing S. No. 79-1; 80, M.S. No. 1275-E-1; FP No. 390, S.P. No. 1, of TPS. 3, situated at Mithakhali, Chandra Colony, Near Gulbai's Tekra, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 1974 dated 28-2-1979 by Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-7-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1979

No. Acq. 23-I-2085(830)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

On Dr. Yagnik Road, Nr. Ramkrishnanagar Temple, Rajkot, situated at Yagnik Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 15-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Manjulaben Kantilal
Smt. Madhubala Pravinchandra & Others,
Diwan Para, Main Road,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Harilal Nanjibhai Joshi,
Opp. P.O. 5, Bhaktinagar Society,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 692-6-54 sq. yds, situated on Dr. Yagnik Road, Near Ramkrishna Ashram, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 742 dated 15-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 18-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 069
Ahmedabad-380009, the 27th July 1979

Ref. No. P.R. No. Acq.23/1320/19/7-79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 386, Ward No. 1, situated at Bhaya Mahollo, Nanpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Surat on 8-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Faranuroz Khudabux,
Narwadia Building,
Malkambag, Jogeshwari,
Bombay.

(Transferor)

(1) 1. Shri Jayantilal Bhagubhai;
2. Shri Gamanlal Jayantilal;
3. Shri Ghanshyam Jayantilal;
Begampura, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building, situated at Nondh No. 386, Bhaya Mahollo, Nanpura Wd. No. 1, Surat admeasuring 223 sq. yds. duly registered with Registering Authority at Surat on 8-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 27-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380009, the 18th August 1979

Ref. No. P.R. No. 711 Acq. 23-1488/7-4/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rev. No. 256, Paiki land, Tika No. 68, Plot No. 25, situated at Nutan Coop. Housing Society Ltd. No. 1, Dudhia Talav, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Navsari on 17-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) 1. Rajan Manubhai Desai;
2. Sushilaben wd/of Bapubhai;
3. Nitaben Manubhai Desai;
Nutan Coop. Housing Society Ltd.,
Dudhia Talav, Navsari.

(Transferors)

- (2) 1. Harilal Pursottam Kapadia;
2. Maheshchandra Harilal Kapadia;
3. Natverlal Harilal Kapadia;
4. Prafulchandra Harilal Kapadia;
2-3, Tata Housing Centre,
Jalubhai Park Road,
Andheri West, Bombay.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Rev. No. 256, paiki Tika No. 68, Plot No. 25, Measuring 415.208 sq. metres, situated at Nutan Coop. Housing Society, Dudhia Talav, Navsari, duly registered with Registering Authority at Navsari on 17-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 18-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2083(840)/11-1/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 258-1, Paiki Land, Lalbaug & near Kashivishwanath Temple, Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 26-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

- S/Shri
- (1) 1. Nagardas Kalidas,
2. Pranlal Kalidas,
3. Amrutlal Kalidas,
4. Dhirajlal Gordhandas &
5. Navinchandra Gordhandas—through their Power of Attorney Holder Shri Tulsidas Kalidas of Nagar Road, Harkisan Mansion, Junagadh.
(Transferors)
 - (2) Yadunandan Co-op. Hous. Soc. Ltd.,
through : President Shri Bharatbhai N. Kambaliya,
Ahir Brothers, Cloth Merchant,
Mandvi Chawk, Junagadh.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 258/1 Paiki Acre 1-0 gunthas situated at Lalbaug and Kashivishwanath Temple, Junagadh duly registered by Registering Officer, vide sale-deed No. 203/26-2-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 20-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2083(841)/11-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 258/1, Paiki Land, Lalbaug & near to Kashivishwanath Temple, Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 28-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—306GI/79

- S/Shri
(1) 1. Nagardas Kalidas,
2. Prapal Kalidas,
3. Amrutlal Kalidas,
4. Dhirajlal Gordhandas
5. Navinchandra Gordhandas—through their Power of Attorney Holder Shri Tulsidas Kalidas, Nagar Road, Harkishan Mansion, Junagadh.

(Transferors)

- (2) Yadunandan Co-op. Hous. Soc. Ltd.,
through : President Shri Bharatbhai N. Kambaliya,
Ahir Brothers, Cloth Merchant,
Mandvi Chawk, Junagadh.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 258/1 Paiki A-2 & 27 gunthas, situated at Lalbaug & near Kashivishwanath Temple, Junagadh duly registered by Registering Authority vide sale-deed No. 213/28-2-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 20-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th August 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2079(842)/11-6/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing

S. No. 481/C building known as "RAMNAVMI" situated at Dr. Gordhandas Road, Satta Bazar, Verawal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Verawal in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Radhaben alias Narmadaben Mansukhlal Shah, 39, Rungtopark, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay-54 through her power of Attorney Holder Shri Chunilal Tribhovandas Shah, Subhas Road, Verawal.

(Transferor)

- (2) Shri Shantilal Dayalji Thakker, Village : Madiya Hatina, Dist. Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as "Ramnavmi" at S. No. 481-C, situated at Dr. Gordhandas Road, Baharkot, Satta Bazar, Verawal, duly registered by Registering Officer, Verawal vide sale-deed No. 397/February, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 20-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th August 1979

Ref. No. Acq. 23-1-2084(843)/11-1/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 258-1 land situated at Lalbaug & Kashivishwanath Temple, Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Junagadh on 28-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tulsidas Kalidas, himself & P.A.H. of Shri Nagardas Kalidas, Shri Pranlal Kalidas, Shri Amrutlal Kalidas, Shri Dhirajlal Gordhandas, Shri Nitinchandra Gordhandas, At Nagar Road, Harkisan Mansion, Junagadh.

(Transferors)

- (2) Shri Laxmi Corporation, through : partner Shri Mohanlal Dharamshi Dhruv, Uperkot, "Mohan Niwas", Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 258/1, Pajki A-3-27G, situated at Lalbaug & Kashivishwanath Temple, Junagadh, duly registered by Registering Officer, Junagadh, vide sale-deed No. 214, 28-2-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 20-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd August 1979

No. Acq. 23-I-2331.(846)/11-6/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No.Muni. Ward No. 10, land adm. 5463 sq. mtr. with office room etc, situated at Talala Road & adjacent to Somnath Talkies, Verawal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Verawal on 27-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Soni Rughnath Jivanbhai Lodhiya & Others, of Bangalore, through Power of Attorney Holder Shri Soni Devji Nathubhai, Photographer Studio, Satta Bazar, Verawal.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Rameshchandra Keshavlal Keshubhai's Lati
2. Shri Dhirajlal Keshavlal Verawal.
3. Shri Hargovind Liladhar, Harivallabh Niwas, Rajmahal Road, Verawal.
4. Shri Tulsidas Jadavji, Near Court, Verawal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5463 sq. mtr. in Municipal Ward No. 10, with compound wall & office etc. situated at Talala Road and adjacent to Somnath Talkies, Verawal, duly registered by Registering Officer, Verawal vide sale deed No. 489/27-2-1979 (37-G form received in 1st F.N. of March, 1979) i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th September 1979

Ref. No. P.R. 722 Acq. 23-1392/6-1/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 195/2 situated at 9-Bhaktinagar, Wadi Ward, Pratapnagar Road, Umiya Vijay Saw Mill, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 23-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gazfar Ali Fatch Ali,
9-Bhaktinagar, Wadi Ward,
Pratapnagar Road, Umiya Vijay Saw Mill,
Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Umiya Vijay Saw Mill,
9-Bhaktinagar, Wadi Ward,
Pratapnagar Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at 9-Bhaktinagar, Wadi Ward, Pratapnagar Road, Umiya Vijay Saw Mills, Baroda duly registered on 23-2-1979 being registration No. 196 at Sub-Registrar Office, Baroda.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 7-9-1979
Seal :

FORM 11NS—

(1) Shri Premjibhai Thobhanbhai Mistri,
Rampura, Main Rd., Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gopalbhai Devrajbhai Patel,
Mahidharpura, Kansara Sheri, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th September 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P.R. 726 Acq. 23-1326/19-7/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 3416 and 3423, situated at Limda Sheri, Rampura, Ward No. 7, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 27-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Nondh No. 3416 and 3423, Limda Sheri, Rampura, Wd. No. 7, Surat duly registered under No. 1159 dated 27-2-1979 with registering Officer, at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, AhmedabadDate : 7-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. 733 Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas I,
S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 141, old S. No. 159-1, 159-2, 161, 162 & 176 paiki, situated at Village Laskana, Tal. Kamrej (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kamrej on 15-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Karta of H.U.F. Guardian & Manager

1. Shri Hasmukhlal Dahyabhai
2. Sushilaben Dahyabhai,

Rampura, Main Road, Surat.

(Transferors)

(2) Partner of M/s. Samir Diamond Mfg.

1. Satish Kirtilal Kothari
2. Pradip Kirtilal Kothari
3. Smt. Madhu Satish Kothari
4. Smt. Kalpana Pradip Kothari
5. Mahendra Shantilal Zaveri
6. Smt. Smita Narendra Mehta
7. Smt. Darshna Ashwin Mehta

Resi : address of No. 1, 81, Sudhna Society,

Varachha Road, Surat.

Resi : address of No. 2 to 7 : 2502, "Panch Ratna" Opera House, Bombay.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3 Hectar situated at village Laskana Taluka Kamraj, bearing Block No. 141 paiki, old S. No. 159-1, 159-2, 161, 162 and 176, duly registered on 15-2-79 with the Registering Authority at Kamrej.

S. C. PARIKH

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 734 Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 141, old S. No. 180 and 176 paiki situated at Village Laskana, Taluka, Kamrej

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrej on 15-2-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Karta of H.U.F. Guardian and Manager
1. Shri Vasantlal Duhyabhai Jarivala
2. Tarunkanta, wife of Vasantlal Duhyabhai
3. Rajesh Vasantlal
4. Paresb Vasantlal
Rampura, Main Road, Surat.
(Transferors)
- (2) Partner of M/s. Samir Diamond Mfg.
1. Satish Kirtilal Kothari
2. Pradip Kirtilal Kothari
3. Smt. Madhu Satish Kothari
4. Smt. Kalpana Pradip
5. Mahendra Shantilal Zaveri
6. Smt. Smrita Narendra Mehta
7. Smt. Darshna Ashwin Mehta
Resi : Address : No. 1, 81, Sudhna Society,
Varachha Rd. Surat.
Resi : Address : No. 2 to 7 : 2502, "Panch
Ratna" Opera House, Bombay.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Block No. 141 paiki old Survey No. 180 and 176 duly registered with Registering Authority in the month of February, 1979 at Kamrej.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 735 Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 138, Rev. S. No. 175 and 177, situated at Village Laskana, Taluka—Kamrej (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrej on 15-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

20—306GI/79

(1) Shri Dahyabhai Vajeram,
Rampura Main Road,
Surtat.

(Transferors)

(2) Partner of M/s. Samir Diamond Mfg.

1. Satish Kirtilal Kothari
 2. Pradip Kirtilal Kothari
 3. Smt. Madhu Satish Kothari
 4. Mahendra Shantilal Zaveri
 5. Smt. Kalpna Pradip Kothari
 6. Smt. Smita Narendra Mehta
 7. Smt. Darshna Ashwin Mehta
- Resi : Address of No. 1, 81, Sadhna Society,
Varachha Road, Surat.
Resi : Address : No. 2 to 7 : 2502, Panch Ratna
"Opera House" Bombay.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3 Hectar of 30 sq. mts. bearing block No. 138, Rev. S. No. 175 and 177 situated at village Laskana, Taluka, Kamrej duly registered with Registering Authority at Kamrej.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-9-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.— —

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 736/Asq 23-II/19-2/79-80.—Where-
as I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the In-
come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable pro-
perty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.

Block No. 76. S. No. 57. Paiki,
situated at Village : Segva, Tal. Kamrej
(and more fully described in the schedule annexed thereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Kamrej on 23-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
1961 (43 of 1961) in respect of any income arising
from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri Kalyanbhai Maganbhai Patel
Shri Natverbhai Maganbhai Patel
Vill. Segva, Tal. Kamrej.

(Transferors)

(2) Shri Thakorbbhai Naranbhai Patel,
Vill. Segva,
Tal. Kamrej.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 31552 sq. ft. situated at village Segva,
Tal. Kamrej, duly registered with the Registering Officer, at
Kamrej, on 23-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kalyanbhai Maganbhai Patel,
Shri Natverbhai Maganbhai Patel,
Vill. Segva, Tal. Kamrej.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 737/Acq. 23-II/19-2/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 76, S. No. 57, Paiki,

situated at Village Segva, Tal. Kamrej

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kamrej on 23-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Rameshbhai Thakorbbhai Patel,
Vill. Segva,
Tal. Kamrej.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 31784 sq. ft. situated at Village Segva, Tal. Kamrej, duly registered with the Registering Authority, at Kamrej, on 23-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-9-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Kantagauri Ishwerlal Desai
2. Taruben Dahyabhai Desai,
Chikhali, Tal. Chikhali.

(Transferors)

- (2) 1. Mohanbhai Kuberbhai Patel
2. Parshottambhai Kuberbhai Patel
3. Navnitlal Ranchhodhbhai Patel
C/o Ranchhodhbhai, Kababhai,
Deshra-Mahadevnagar, Billimora.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 739/Acq. 23-II/7-3/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 440 Paiki and S. No. 443 Paiki City S. No. 3154 to 3162, situated at Deshra-Billimora, Tal. Gandevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on 17-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 440, 443 Paiki City S. No. 3154 to 3162 admeasuring 2818 sq. mtrs. situated at Deshra-Billimora duly registered in the month of February 1979 (17-2-1979) with the Registering Authority at Gandevi.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Zinabhai Kesurbhai Rana
Shri Purshottamdas Kesurbhai Rana
Vlasad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Pravinkumar Ravjibhai Patel,
C/o Prakash Poultry Farm,
Dungari, Tal. Valsad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDILOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 741-Acq. 23-II/7-3/79-80.—Whereas
I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Survey No. 623 and Sur. No. 31 Paiki,
situated at Chikhala Gram Panchayat, Tal. Valsad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bulsar on 28-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 623 and S. No. 31 Paiki land adm.
A-9, G. 23, situated at Chikhala Gram Panchayat duly
registered with Registering Authority at Bulsar on 28-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 742/Acq. 23/4-3/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 5, Paiki, situated at Near S.T. Stand, Bharuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharuch on 9-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Somabhai Nanabhai,
Avi-Pati, Tekri-Fadia,
Bharuch.

(Transferor)

(2) Partners of :
M/s. Ajanta Corporation :
(1) Poonambhai S. Prajapati,
1. Poonambhai S. Prajapati,
2. Nayankumar M. Majumdar,
A-1206, Officer's compound,
Near S.T. Stand,
Bharuch.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land being Survey No. 5, Paiki A-3, G. 14, sub-plot B admeasuring 7074 sq. yds. duly registered with Sub-Registrar, Broach, on 9-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 743/Acq. 23-II/1284/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sur. No. 18, Paiki 0.26 Guntha, & S. No. 21 Paiki 0.16 Guntha, situated at Moje Mojampur, Tal. Bharuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Broach on 7-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Ibrahim Ise Adam Mitha,
Ahmed Ise Adam Mitha Patel
Bal Kaliben, wd/o
Ise Savalm Mitha Patel,
Vill. Mojpur,
Tal. Bharuch.

(Transferors)

- (2) Partners of M/s. Narhariprasad & Co.
1. Vinodchandra Bhanuprasad Pandya,
2. Dilipkumar Narhariprasad Bhatt,
3. Jyotiben Dineshchandra Pandya,
5. Sumanben Narhari Bhatt,
Bharuch.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 18 Paiki A.O.-G. 26 at S. No. 21, Paiki A.O.-G. 16 at village Majoanpur, Tal. Bharuch, registered in the month of February, 1979 at Broach.

S. C. PARIKH

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 744/Acq. 23-II-1313/19-8/79-80.—
Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 890,

Situated at Ward No. 1, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 23-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Maher Kavasha Nanavati-P.H. Holder
Mrs. Khorshed Rustamji,
Jesis Bldg., Jamshedji Road, Parsi Colony,
Dadar, Bombay.
2. Dolat Maher Nanavati,
Jesis Bldg., Jamshedji Road, Parsi Colony,
Dadar, Bombay.

(Transferors)

- (2) 1. Pasanji Kharshedji Bombawala,
Kherni Bazar, Lal Gate,
Surat.
2. Sashesbhai Kharshedji,
Kherni Bazar, Lal Gate,
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and bldg., situated at Nondh No. 890, Wd. No. 1, Surat duly registered with the Registering Authority at Surat on 23-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 744-A Acq. 23-II/19-8/79-80.—Whereas J. S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 889-A and 889-B, situated at Ward No. 1, Surat.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 23-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—306GI/79

- (1) 1. Maher Kavasha Nanavati—P.A. Holder
Mrs. Khorshed Rustamji,
Jesis Bldg., Jamshedji Road,
Parsi Colony, Dadar, Bombay.
2. Dolkat Maher Nanavati,
Jesis Bldg., Jamshedji Road,
Parsi Colony, Dadar, Bombay.

(Transferors)

- (2) 1. Pasanji Khar Chandji Bambawala,
Kerni Bazar, Lal Gate,
Surat.
2. Sashesbhai Kharchandji,
Kerni Bazar, Lal Gate,
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building, situated at Nondh No. 889-A and 889-B at Ward No. 1, Surat duly registered with the Registering Authority at Surat on 23-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 745/Acq. 23-II-1324/19-7/79-80. —
Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 1939, Wd. No. 2, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Ishwerlal Parbhubhai Pate 1,
Village Bhaliya,
Tal. Bardoli.

(Transferor)

- (2) Indravan Pramlal Bhatt, guardian of
Minor Sanjaykumar Chetankumar,
Darji Sheri, Nanpura,
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building, situated at Nondh No. 1939, Ward No. 2, Surat admeasuring 475.6 sq. mtrs. duly registered with Registering Authority at Surat on 20-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 746/Acq.23-II/1325/19-7/79-80.—
Whereas I, S. C. PARIKH,
being the competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Nondh No. 1939, Ward No. 2, Situated at Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Surat on 20-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the fol-
lowing persons, namely :—

- (1) Shri Shankerbhai Dayaram Patel,
Village Timba,
Taluka Kamrej,
Dist. Surat.

(Transferor)

- (2) Raviraj Flats Co. Op. Housing Society,
Chairman : Subashchandra Kantilal,
Hiramodi Sheri, Sagrampura,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Nondh No. 1939, Wd. No. 2, Paiki land at
Surat measuring 475.6 sq. mts. duly registered with Regis-
tering Authority at Surat on 20-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 747/Acq. 23-II/1445/19-8/79-80.—
Whereas I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under section 269B of
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Rev. Sur. No. 42, Plot No. 28,
situated at Athwa area, Surat
(and more fully described in the schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Surat on 26-2-1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957
(27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons namely :—

(1) Madhumati Nanatal Surti
29, Narmalnagar,
Athwa Lines, Surat.
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Mohmad Morarji Champaneri,
30, Officer's Colony,
Ukai, Tal. Vyara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Athwa, Rev. Nur. No. 42, Plot No. 26,
duly registered on 26-2-1979 at Surat admeasuring 385 sq.
metres.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Jaswantsingh Gulabsingh Thakor,
Nagar Falia,
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jawahar Kumudchandra Doctor,
10/637, Khapatia Chakla,
Mahavir Swami Street,
Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 748/Acq. 23-II/19-8/79-80.—Whereas
I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
Sur. No. 1690
situated at Narmad Society, Ward Athwa, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Surat on 28-2-1979
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Sur. No. 1690, situated at Narmad Society,
Ward Athwa, Surat admeasuring 366.52 sq. mts. duly
registered on 28-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Jethabhai Chunibhai Patel,
Motivada, Taluka Pardi
Dist. Valsad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

(2) 1. Shri Laljibhai Veljibhai Shah
2. Danjibhai Veljibhai Shah
3. Jadavjibhai Laljibhai Shah
"Victor Farm", Killa-Pardi
Dist. Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 18th September 1979

Ref. No. P.R. No. 758/Acq. 23-II-1338/7-5/79-80.—
Whereas I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 64, 65 & 75, situated at Motivada, Pardi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on 8-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 64, 65 & 75, admeasuring 2 Acres, 2 Acres 24 Gunthas and 3 Acres 33 Gunthas, situated at Motivada Pardi, duly registered No. 156, 157 & 158 on 3-2-1979 at Pardi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 18-9-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Suleman Ismail Mohid,
Resi. Chala.
Talu. Pardi
Dist. Bulsar.

(Transferor)

(2) M/s. Shakti Enterprise,
Vapi,
Valanda Manzil, Near Zanda Chowk,
1st floor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 18th September 1979

Ref. No. P.R. No. 759/Acq. 23-II-1451/7-5/79-80.—
I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 320-A, Paiki, S. No. 320-B Paiki,
situated at Chala-Vapi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on 12-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land, situated at Chala-Pardi, bearing S. No. 320-A & 320-B, Paiki, duly registered No. 159 on 12-2-1979 with Sub-Registrar, Pardi.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th September 1979

Ref. No. PR. No. 770-Acq. 23-II/1323/19-7/79-80.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.
Nondh No. 864/A-1, Ward-No. 1,
situated at Athugar Mohallo, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Surat on 20-2-1979
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(1) Shri Morarbhai Keshavbhai Patel,
Moje Bihmp or Tal. Choryasi,
Dist. Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ram Apartment Co. Opp. Hous. Sos. Ltd.,
Chairman : Jitendrabhai Thakorabhai Naik,
Athugar, Mohallo, Nanpura,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act

Land and building, situated at Athugar Mohallo, Nanpura,
Surat, Nondh No. 864/A-1, Wd. No. 1, Surat, duly regis-
tered on 20-2-1979 with registering Authority, at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 20-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th September 1979

Ref. No. PR. No. 780-Acq. 23-II/7-4/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 275/1 Paiki, situated at Station Road, Bardoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardoli on 8-2-1979

for an apparent consideration which is

~~less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—~~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

22—306GI/79

- (1) 1. Khushalbhai Nathabhai Patel
-
2. Lallubhai Chhitabhai Patel—self
-
3. Naginbhai Lallubhai
-
- Village Siker, Tal. Valod,
-
- Dist. Surat.

(Transferors)

- (2) Partner of M/s. Limbar Agencies,
-
- Shri Lallubhai Lakabhai Bhakta,
-
- Village Dasad, Tal. Kamrej,
-
- Distt. Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
-
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing R.S. No. 275/1, Paiki, situated at station Road, Bardoli, admeasuring A.O. G-11, duly registered with authority at Bardoli, on 8-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 24-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th September 1979

Ref. No. PR. No. 781-Acq. 23-II/7-4/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 275/1 Paiki situated at Station Road, Bardoli (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardoli on 8-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Khushubhai Nathabhai Patel,
2. Lallubhai Chitabhai Patel,
3. P.A. Holder of Naginbhai Lallubhai Patel,
Vill. Siker, Tal. Valod,
Dist. Surat.

(Transferors)

- (2) Partners of :
M/s. Limber Agency,
Shri Lallubhai Lakhbhai Bhakta,
Village Dasad, Tal. Kamre.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing R.S. No. 275/1, Paiki, situated at station Road, Bardoli, admeasuring A-6, G-10, duly registered on 8-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 24-9-1979
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Girdharlal Ghelabhai,
Jankalyan Society,
Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

(2) 1. Shushilaben Chandulal,
2. Kanchanben Chandulal,
3. Manjulaben Chandulal,
Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

Ref: No. Acq. 23-I-2495(849)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open land with plinth at Jagnath Sheri No. 25, situated at Jagnath Sheri No. 25, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 27-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land with plinth adm. 250 sq. yds. of Jagnath Plot, situated at Sheri No. 25, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 944 dated 27-2-1979.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—306GI/79

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2496(850)/16-6/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 451, Paiki Plot No. 39, situated at Rajya Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 15-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanakray Jagiwan Shah
C/o Mansukhlal Jivraj Shah,
Shoraf Bazar,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Shashikant Odhavji Raja,
Jayraj Plot,
Sheri No. 8,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 213.8 sq. yds. bearing S. No. 451 Paiki plot No. 39, situated on Rajya Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 741 dt. 25-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2497(851)16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 451, Paiki Plot No. 40 situated at Raiya Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 15-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Nandlal Jivraj Shah, C/o Shri Mansukhlal Jivraj Shah, Shoraf Bazar, Rajkot.
(Transferor)

(2) Smt. Ilaben Kiritkumar Kamdar Kiran Society, Block No. 38, Behind Galaxy Cinema, Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 213-8 sq. yds. bearing S. No. 451, Paiki Plot No. 40, situated on Raiya Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 740 dated 15-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) ~~Shri Tulsidas~~ Haridas, Power of Attorney Holder of
1. Smt. Hiralaxmi Tulsidas and 2. Smt. Jayshriben
Pushkarray Three bati Chawls, Dwarka.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2498(852)/16-6/79-80.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 451, Paiki Plot No. 36, situated at Raiya Road,
Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 15-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (2) 1. Shri Dharamshibhai Khimjibhai Rathod,
2. Smt. Ansuyaben Damjibhai Rathod, 5, Junction
Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 168-0-126 sq. yds. bear-
ing S. No. 451, Plot No. 36, situated on Raiya Road, Rajkot
and as fully described in the sale-deed registered vide R. No.
735 dt. 15-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2499(853)/16-6/79-80.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 451, Paiki Plot No. 36, situated at Raiya Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 15-2-1979, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tulsidas Haridas, Power of Attorney Holder of
1. Smt. Hiralaxmi Tulsidas and
2. Smt. Jayshriben Pushkarray 3 Batti Chawl,
Dwarka.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Dharamshibhai Khimjibhai Rathod,
2. Smt. Ansuyaben Damjibhai Rathod, 5, Junction
Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 168-0-126 sq. yds. bearing S. No. 451, Plot No. 36, situated on Raiya Road Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 736 dated 15-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kanchanben Shivilal Shah C/o Mansukhlal Jivraj Shah, Sharaf Bazar, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nandlal Ramjibhai Raja, Behind Academy, Panchnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

No. Acq.23-I-2500(854)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bhaga Duda Plot situated at Western side of Race Court, Bhagaduda Plot, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 22-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 213.8 sq. yds. bearing plot No. Bhaga Duda Plot, situated on the western side to Race Course, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 890 dated 22-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

No. Acq. 23-I-2501(855)/16-6/79-80.—Whereas, I S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Bhaga Duda Plot situated at Western side Race Course to Bhaga Duda Plot, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 22-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—306GI/79

(1) Shri Kanchanben Shivilal Shah, C/o Mansukhlal Jivraj Shah, Samal Bazar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Nandlal Ramphlal Raja, Behind Academy, Panchnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the said persons which ever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

An open plot of land (dnr. 2438 sq. yds. bearing plot at Bhaga-Duda Plot, situated on the Western side to Race Course, Rajkot and as fully described in the sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

No. Acq23-2502(857)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bhagaduda Plot, Paiki Plot No. 39, situated at Western side to Race Course Bhagaduda Plot, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 16-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanakray Jagjivan Shah,
Jayraj Plot, Sheri No. 8,
Hemondra Niwas,
Rajkot.

(Transferors)

(1) Shri Shashikant Odhavji Raja,
C/o Shri Odhavji Bhavanbhai Raja,
Danapith, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 213.8 sq. yds. bearing Bhagaduda Plot Paiki Plot No. 39, situated on Western side of Race Course, Bhagaduda Plot, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 764 dated 16-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

No. Acq. 23-1-2503 (857)/16-6/79-80.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Bhagaduda Plot, Paiki Plot No. 39, situated at Western side to Bhagaduda Plot, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 16-2-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nandlal Jivarajbhai C/o. Shri Mansukhlal 1
Jivraj Shah, Sharaf Bazar, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Smt. Haban Kiritkumar Kamdar, C/o. Kiritkumar Kamdar, Kiran Society, 11nd floor, Block No. 38, Behind Galaxy Cinema, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 213.8 sq. yds. bearing Bhagaduda plot, Paiki Plot No. 39, situated on the western side of Race Course, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 764 dt. 16-2-79.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahm. dabad-380 009, the 13th September 1979

No. Acq. 23-1-2197(858)/16.6/79-80.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority, under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Structure at Bedipara situated at Bedipara, Main Road,
Nr. the Bank of river Ujjain, Rajkot.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Rajkot on 8-2-1979,
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Patel Dahyabhai Tejabhai,
2. Patel Mohanlal Tejabhai,
3. Patel Pravinchandra Tejabhai, Opp. Jagnath Man-
dir, Kailash Rajkot. (Transferor)
- (2) Rajkot Nagrik Sahakari Bank Ltd., Nagrik Bhavan,
Dhebarbhai Road, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The structure standing on land admeasuring 489.75 sq. yds.
situated at Bedipara, near the bank of the river, main road,
Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide
R. No. 644 dated 8-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009 the 25th September 1979

No. Acq. 23-1-2198(859)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. House No. 15, Ward No. 6, situated at Dhebar Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 28-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ratilal Nageshwar Pathak, Karta of H.U.F. of Shri Ratilal Nageshwar Pathak, Dhebar Road, Opp. S.T. Bus Stand, Rajkot. (Transferor)
- (2) 1. Shri Patel Maghabhai Nathubhai.
2. Shri Rajnikant Meghabhai, Gundawadi, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 82-1 sq. yds. bearing House No. 15, Ward No. 6, situated in between Rajpur Para and Dhebar Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 970 dated 28-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 25-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380 009, the 25th September 1979

Ref. No. P.R. 783 Acq. 23-II/1352/7-1/79-80.—

Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rev. S. No. 165/1, Paiki situated at Village : Abrama, Tal. Valsad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulsar on 3-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Maganbhai Nichabhai Naik, Karta of H.U.F. Abrama—Tal. Valsad, at present : Govt. Quarters, M-8, Gulbai Tekra, Ahmedabad-15.

(Transferor)

(2) Partners of Ajusia Tiles and Industries,
1. Arjunbhai ohanlal Tank,
2. Babubhai Mohanlal Tank,
3. Bharatkumar Nanalal, Makwana, Dharampur Road, Abrama, Tal. Valsad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Rev. S. No. 165/1 Paiki eastern portion, situated at Village : Abrama, Tal. Valsad, duly registered with Registering Authority at Bulsar on 3-2-1979.

S. C. PARIKH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 25-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Ahmedabad-380 009, the 25th September 1979

Ref. No. P.R. 784 Acq. 23-II/1352/7-1/79-80.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Rev. S. No. 165/1 Paiki land Village : Abrama, Taluka,
Valsad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bulsar on 3-2-1979,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Ramanlal Nichhabhai Desai.
2. Shri Pratapbhai Ramanlal Desai.
3. Shri Kiritkumar Ramanlal Desai Valsad, Pardi
Valsad.

(Transferors)

- (2) Partners of Ajusia Tiles and Industries,
1. Arjunbhai Mohanlal Tank.
2. Babubhai Mohanlal Tank.
3. Bharatkumar Nanalal Makwana, Dharampur
Road, Abrama, Tal. Valsad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Rev. S. No. 165/1 Paiki middle portion of
land situated at Village : Abrama, Taluka, Valsad duly re-
gistered on 3-2-1979 at Bulsar.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 25-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Ahmedabad-380 009, the 25th September 1979

Ref. No. P.R. 785/Acq. 23-1352/7-1/79-80.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Rev. S. No. 165/1, Paiki land situated at Village : Ab-rama,
Tal. Valsad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred, under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bulsar on 3-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Pragjibhai Nichhabhai Karta of H.U.F. Abramsa
Tal : Valsad at present, 18, Suhas Society, Fatch-
ganj, Baroda-18.

(Transferors)

(2) Partners of Ujasia Tiles and Industries
1. Rajubhai Mohanlal Tank,
2. Babubhai Mohanlal Tank,
3. Bharatkumar Nanalal Mahwani, Dhanampuri
Road, Abramsa, Tal. Valsad

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Rev. S. No. 165/1, Paiki Western portion
situated at Village : Abramsa, Tal. Valsad, duly registered on
3-2-1979 at Bulsar.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 25-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Ramjibhai Kalabhai Patel,
2. Shri Keshavbhai Dahyabhai Patel, Tankudiya
Para, Jetpur.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AHMEDABAD

- (2) M/s. Harikrishna Dyeing and Printing Industries,
through : partner Shri Sureshbhai Dahyabhai, Tanku-
dipara, Nr. Chandra Mauleshwar Mandir, Jetpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380 009, the 25th September 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2208(860)/16-3/79-80.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

S. No. 715 situated at Near Chandra Mavleshwar Mandir,
Jetpur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer
at Jetpur on 1-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2236 sq. yds. 2 sq. ft.
bearing S. No. 715, situated near Chandra Mauleshwar Man-
dir, Jetpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

24—306GI/79

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 25-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
AHMEDABAD

Kanpur, the 22nd August 1979

Ref. No. 1139/Acq/Orai/1979.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Orai on 22-2-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) S/Shri Dashrat Singh s/o Gokaran Singh, Shri Satendra Singh Saingar Advocate s/o Shri Vijai Bahadur Singh r/o Rajendra Nagar, Kasba and Post Orai Distt. Jalaun.

(Transferor)

(2) S/Shri Satendra Kumar Singh Bhadoria s/o Shri Sheo Varan Singh Bhadoria r/o Amkhera Pargana and Distt. Jalaun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated in Rajendra Nagar Orai Distt. Jalaun for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 22-8-1979.
Sd :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 29th August 1979

Ref. No. 438-A/Bulandsahar/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 3418 on 6-6-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sri Brijendrapal Singh S/o Jaswant Singh R/o Hartoli, P.O. Nathla Hasanpur Pargana Baran Distt. Bulandsahar.
(Transferor)

- (2) Smt. Daulat Kunwar w/o Chhitar Singh r/o Dhiwari, Rodalpur Pargana Baran P.O. Nathla, Distt. Buland Sahar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 443 and 444 situated in Rodanpur P.O. Nathna Pargana Baran Distt. Bulandshahar sold for an apparent consideration of Rs. 40000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-8-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 30th August 1979

Ref. No. 416-A/Ghaziabad/7980.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 3-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Virendra Singh Bhalla s/o Shri Anant Singh Bhalla R/o House No. 90 Greater Kailash, Part No. 1 New Delhi-48, Mukhtar-a-Aam and Shri Sant Kumar S/o Lala Dalpat Rai R/o House No. D-13/Dayanand, Ghaziabad present R/o Anandi Lal Podar Road Malah State Bombay 64, Maharashtra. (Transferors)

(2) Shri Deep Chand Gupta S/o Shri Govind Ram r/o 135 Turaonagar, Ghaziabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 172 (Old No. 155) situated in Dayanand Model Town East Ghaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 30-8-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 1st September 1979

Ref. No. 974-A/Kanpur.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 7-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Dulare Tewari S/O Ramadhin Tawari
28/1 Phoolkhana, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Rani w/o Shri Shivaji Pd. R/O 28/130 Sirki
Muhul Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 28/122 situated in Kashmiri Ahata, Sirki Muhul Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gautam Rohtagi, D-20, Panchsheel Enclave
New Delhi-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bhanu Agarwal, 16/50 Civil Line, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 3rd September 1979

Ref. No. 948-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Kanpur on 19-2-1979.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
of transfer with the object of—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at 16/72 Civil Line Kanpur sold
for an apparent consideration of Rs. 1,35,000/-.Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-9-1979.

Seal :

FORM TINS

(1) Shri Dharam Veer s/o Sri Sardar Kesar Singh, r/o Kasganj Distt. Etah.

(Transferor)

(2) Smt. Sarla Devi w/o Shri Suresh Chand Agarwal, Kasganj Distt. Etah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 6th September 1979

Ref. No. 1122/Acq/Kannauj/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kasganj on 2-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Double storcyed Kothi situated in Circular Road, Kasganj Etah sold for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-9-1979.
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dharam Veer s/o Sri Sardar Kesar Singh
R/O Kasganj, Distt. Etah.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chandru Agarwal s/o Shri Panna Lal
Agarwal R/O Kasganj, Etah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 6th September 1979

Ref. No. 1121/Acq/Kasganj/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Kasganj on 2-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Double storeyed Kothi situated on Circular Road, Kas-
ganj Distt. Etah sold for apparent consideration of Rs.
75,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-9-1979.

Seal .

FORM ITNS—

(1) Shri Sarman s/o Shri Jeewa Ram Village Dataiji Teh. Ferozabad Distt. Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/S Janta Sahkari Grah Nirman Samit Ltd. Ferozabad Hem Chand Secretary s/o Shri Lala Rameshwar Dayal Agarwal R/O Jalesar Road Ferozabad Distt. Agra.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th September 1979

Ref. No. 1119/Acq/Ferozabad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ferozabad on 7-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—306GI/79

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in Village Datauji Teh. Ferozabad Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 6000/- the F.M.V. of which is Rs. 1,14,380/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-9-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 22nd September 1979

Ref. No. 795-A/Ghaziabad/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 6-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kiran Singh S/O Shri Pooran Singh R/O Aurangnagar Kinnahpur Pargana Jalalabad Teh. and Distt. Ghaziabad.
(Transferor)

(2) Modi Singh, Malkhan Singh Sons of Shri Sukhdeo Singh R/O Shekhpur Gehpur P.O. Ismailpur Teh. Sikandrabad Distt. Bulandshahar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring Bighas 5)3+8 2/3 situated in Aurangnagar Kinnahpur Pargana Jalalabad Distt. Ghaziabad. The rate of agricultural land in this village is Rs. 17000/- per Bigha while the transferee has purchased it at the rate of Rs. 13,000/- per Bigha.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 22-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th September 1979

Ref. No. 1114/Acq/Jhansi/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lalitpur on 26-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922); or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Jamuna Giri Tanaya Bal Giri Goswami, Takabpura, Lalitpur Distt. Jhansi.

(Transferor)

(2) Shri Raja Ram Ikodaya S/O Shri Raghu Nath Das Ikodaya, Pura Ukta Post Para Pargana and Tehsil Tambale, Smt. Sushila Bai Bewa Shri Ram Das Ikodaya Gram & Post Pura Paragana and Tehsil Tambale, Chhimmi Lal Gupta s/o Shri Ram Das Gupta Civil Lines, Lalitpur Distt., Jhansi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house situated in Takbpura, Lalitpur Distt. Jhansi sold for an apparent consideration of Rs. 42750/- the fair market value of which has been determined at Rs. 54,798/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 24-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 24th September 1979

Ref. No. 788-A/Budhana/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on 15-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Kala S/o Shri Manphool Singh r/o Muzpura Pargana Shikarpur Tehsil Budhana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

- (2) Shri Om Prakash Ram Kumar sons of Shri Ishwar Chand, Bishesh Kumar, Subodh Kumar Balgan, Deepak Kumar Nabalig sons of Shri Dharam Veer Singh Tyagi R/O Khubbapur Pargana Shikarpur Tehsil Budhana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Khasra No. 256/1 measuring 17 Bigha 10 Biswa 4 Biswansi situated in Village Khubbapur Pargana Shikarpur Tehsil Budhana Distt. Muzaffarnagar sold for apparent consideration of Rs. 92,000/- the F.M.V. of which is Rs. 1,42,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 24-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th September 1979

Ref. No. 966A/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 2-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Nav Bharat Ice and Cold Storage Delhi Road, Meerut.
(Transferor)(2) M/s Shanker Ice and Cold Storage, Sikri Kalan, Modinagar Partners :—Balkrishan Raghunath Sahai s/o Late Mathya Das, Smt. Maya Wanti w/o Late Mathya Das, Smt. Meera Bai w/o Late Chunni Lal, Shri Chamman Lal s/o Sri Chunni Lal, R/O Mohalla Gurunanakpura Modinagar, Sri Balbir Chand S/O Shri Dayal Chand, R/O Hapur Road, Modinagar and Sri Nand Ram Singh and Jagat Singh sons of Shri Raja Ram r/o Raghunathpur Khera Tehsil Hapur Dist., Ghaziabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Ice and Cold Storage situated in V. Sikrikalan Paragana Jalalabad, Teh. and Dist. Ghaziabad measuring 4840 S. Yards sold for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/- the F.M.V. of which comes to Rs. 1,61,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahendra Kumar Gupta, 1170, Kucha Mahajani, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Aryan Brothers (Pvt.) Ltd, R/O 1170 Kucha Mahajani, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 25th September 1979

Ref. No. 1018 P.N./Ghaziabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 23-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 19 Bigha, 14 Biswa 17 Biswansi situated in village Karkarmandan Teh. Dadri Distt. Ghaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 1,50,000/-, the F.M.V. of which comes to Rs. 2,24,000/- at the rate of Rs. 12,000/- per Bigha in that area.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-9-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Misri Lal S/O Shri Salig Ram Brahman, R/O V&P.O. Saunfar Pargana Auraiya Distt., Etawah.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th September 1979

Ref. No. 673/Acq/Auraiya/78-79/6380.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Auraiya on 21-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Prem Shankar S/O Krishna Kumar, Smt. Dulari Devi Widow of Shri Bansidher Brahman R/O V & P.O. Saunfar Pargana Auraiya Smt. Rama Devi w/o Shri Radha Kishan, Smt. Vitti Devi w/o Sri Ram Naresh, Shri Birendra Kumar s/o Shri Raja Ram Brahman R/O Nagla Varipur V. & P.O. Saunfar Pargana Auraiya Distt. Etawah,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 828, area 8.35 (Di) lagani Rs. 147.15 situated in V. Saunfar Pargana Auraiya Distt. Etawah.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 27th September 1979

Ref. No. 681/Etawah/79-80/6381.—Whereas, I, **B. C. CHATURVEDI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Etawah on 2-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Atensi Kunwar widow Shri Tunde Ram alias Brij Mohan r/o Narholi Midarwa Paragana, Teh. & Distt., Etawah.

(Transferor)

(2) Shri Arbind Kumar minor aged 17½ Years, Promod Kumar minor 15 years Atam Swar Minor 13 Years sons of Shri Ram Sarup, Umesh Baboo minor 17 years adopted son of Shri Subedar, Villayat Shiv Shanker Lal R/O Narholi, Midarwa Paragana and Distt., Etawah.

Chhimaru Paragana and Distt., Etawah (Full Owner).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 13 Kita Lagan 173.15 situated in Village 10-29
Chhimaru Paragana and Distt. Etawah (Full owner).

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hoti s/o Shri Bala R/O Nera, Tehsil Sadabad Distt., Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ganga Devi w/o Kamal Singh R/O Satyog, Post Office, Bhalupura Distt., Agra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th August 1979

Ref. No. 1152/Acq/Sadabad/79-80/6382.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sadabad on 6-2-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
26—306GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 16-40 (Di) Lagani 135.64 situated in V. Nergbagir Teh., Sadabad Distt. Mathura.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th September 1979

Ref. No. 1137/Acq/Ghatampur/78-79/6383.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghatampur on 9-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Baboo Ram S/O Shri Inderjeet R/O Chilhara Majra Gugra P.O. Pasi Khera Teh. Ghatampur Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Rajwati w/o Shri Laloo Singh, R/O Tikanagra Teh. Chhibramau Distt., Farrukhabad Present address Chilhara, Majra Gugra P.O. Pasi Khera Teh. Ghatampur Distt. Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land EK Kita No. 192 area 12 Biga 12 Biswa 15 Biswansi (Lagan Rs. 64.95) situated in V. Gugra Teh. Ghatampur Distt. Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri K. R. Nurballa s/o Late Shri R. N. Nurballa
R/O 36, Lyttou, Dehradun and Shri B. S. Chandra
S/O Late Shri Sorab Ji Chandra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Moti Lal S/O Shri Sohan Lal, Shri Jagdish Chandra Kapoor S/O Shri Moti Lal, Satish Chand Kapoor s/o Shri Moti Lal R/O 67 Chakrata Road, Dehradun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 766-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Dehradun on 15-2-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Free-Hold property situated at 22 Paltan Bazar Dehradun sold for apparent consideration of Rs. 1,00,000/- the F.M.V. of which 1,30,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-10-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. /Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 9-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Shiv Pratap Singh Chauhan (Minor) S/O Shri D. S. Chauhan, Shri D. S. Chauhan S/O Late Shri Bhawani Singh R/O 10 Nardeo Shastri Marg, Dehradun. (Transferor)
- (2) Shri Pishori Lal Malhotra S/o Late Sardar Chand and Shri Sunil Kumar Malhotra s/o Shri Pishori Lal Malhotra, 12A Race Course, Dehradun. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 situated in Block C, Chauhan Shopping Centre, Hardwar Road Dehradun with land underneath.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-10-1979.
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 1021-A/78-79.—Whereas, 1,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Dehradun on 9-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shiv Pratap Singh Chauhan (Minor) s/o Shri D. S. Chauhan and Shri D. S. Chauhan s/o Late Shri Bhawani Singh R/O 10 Nardeo Shastri Marg Dehradun.

(Transferor)

- (2) Smt. Paramjit Kaur w/o S. Balbir Singh and S. Jagjit Singh s/o S. Gurdayal Singh R/O 45 Ritha Mandi, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2 situated in Block C, Chauhan Shopping Centre, Hardwar Road, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-10-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE**

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 1022-A/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 29-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shiv Pratap Singh Chauhan s/o Shri D. S. Chauhan, 10 Nardeo Shastri Marg Dehradun.
(Transferor)
- (2) Shri Suresh Chandra S/O Shri Sukhnandan, R/O 31 Inderjeet Nagar, Dehradun.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. C-9 situated in Chauhan Shopping Centre, 1-Chandernagar Dehradun.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mahdhuri Gupta D/o Late Baleu Ram Gupta
R/O 7/198 Sarupnagar Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jaman Lal Malhotra, Ram Kishan Malhotra, Pritam Prakash Malhotra, Surender Prakash Malhotra sons of Shri Nathu Ram Malhotra R/O 113/16 Sarupnagar, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 851-A/Kanpur.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 5-2-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot No. 90A Block B Scheme VII Gutaiya Kanpur measuring 575.5 Sq. Yds.—

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shiv Pratap Singh Chauhan s/o Shri D. S. Chauhan through Shri D. S. Chauhan R/O 10 Nardeo Shastri Marg Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Inderjeet Singh s/o Shri Sardar Isher Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 1024-A/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 23-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8 situated in Block C, Chauhan Shopping Centre, Hardwar Road, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-10-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shiv Pratap Singh Chauhan through his guardian D. S. Chauhan R/o 10 Nardeo Shastri Marg Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Poojan Lal Ahuja s/o Shri Takhat Ram Ahuja 127 Monuganj, Dehradun.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 1023-A/78-79.—Whereas, I,

B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dehradun on 23-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop, Hardwar Road, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23-306G/I/79

Date : 1-10-1979

Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

FORM ITNS—

(1) Shri Hari Mohan Hotel Swagat r/o Kulri, Mussoorie.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohan Lal, Vinod Kumar, Brij Bhushan, Smt. Angoori Devi, all R/o Regent House, Kulri, Mussoorie.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 833-A/Mussoorie.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mussoorie on 9-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold Walnut Grove Estate situated in Kulri, Mussoorie.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-10-1979,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 738-A/Saharanpur/79-80.—Whereas, 1, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 7-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prakash Chand s/o L. Chatur Sen and Kanti Pd. S/O Shri Bakhtawar Singh Vaish, Agarwal R/O Town Meerapur P.O. Teh. Janseth Distt., Muzaffarnagar and Seth Bhagwan Sarup Maheshwari s/o Seth Ram Gopal Maheshwari and Seth Anil Kumar Maheshwari S/O Seth Bhagwan Sarup Maheshwari R/O House No. 5/783 Mohalla Kaharan-Khalapur, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Anand Prakash Mehta s/o Shri Kukund Lal Mehta R/O Church Road, Saharanpur, Shri Jagdish Singh s/o Sardar Sohan Singh R/O 175, Janakpuri Saharanpur, Smt. Sudarshan Kumari w/o Shri Manohar Lal R/O House No. 2, Jwalanagar, Saharanpur, Shri Satya Prakash S/O Shri Atma Ram R/O Matyamahal-Khalapur, Saharanpur, Suresh Chand s/o Shri Babu Ram Jain R/O Bartala Yadgar, Saharanpur, Sardar Bhupendra Singh s/o Sardar Kartar Singh r/o of Gill Colony Saharanpur and Manohar Lal s/o Shri Jodharam, r/o Gauri Shanker Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ek Hata with Tinshed, Kainchinuma Iron Angle, two rooms, one room with Tinposh for chokidar, one room without roof, Bhatti Dhalal, Oil Engine Maker Karma, 10-11 Horse Power with second-hand fan complete and in running condition, with complete electric fittings and right of electricity and domestic power connection with security, 18 Biswa Pukhta (4 Biswa in Khasra No. 1093 and 14 Biswa in Khasra No. 1083/2).

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nawab Asif Ja s/o Sheikh Waik Ali, R/O 40/109 Parade Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Saeeda Begam w/ o Mohd. Shamil, Shahid Parvez, Rashana Camal, Tariq Jamal sons of Mohd. Shamil R. O 40/63 Parade, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 976-A/Kanpur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 6-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bungalow No. 13/392A-1 Civil Line Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Subhash Battla,
59, Anandlok, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Abhai Singh,
4, Ashok Road, Allahabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I.

414A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III.2-79/1060-78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 61 situated at Kailash Apartments I, Lajpat Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-2-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61 at Kailash Apartments measuring 1600 Sq. Fts. situated on Lala Lajpat Rai Road, New Delhi.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 21-9-1979.

Seal:

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,**

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 20th September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/2-79/1052.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural Land situated at Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shiv Lal S/o Shri Mohan Ram,
Resident of Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s Elbec Dugal Engineering Co. (P) Limited,
192, Golf Links, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 64 Bighas & 1/2 Biswa, situated in the revenue Estate of Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 20-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 21st September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/2-79/1031.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-16 situated at New Delhi South Extension Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asaf Ali Road, New Delhi on 17-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. B. H. Campbell W/o Mr. H. Campbell,
Resident of 11-A/39 Western Extension Area,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal Verma S/o Shri Gian Chand Verma
& Smt. Usha Rani Verma W/o Shri Krishan Lal
Verma R/o P-16, New Delhi South Extension
Part-II, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ (Two and half) storeyed Building known as P-16, New Delhi South Extension Part-II, New Delhi built on plot measuring 200 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer registered on 17-2-1979.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 21-9-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Sudarshan Dhir,
A-75, Jagore Nagar, Ludhiana (Punjab).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amrik Singh son of Shri Jawahar Singh
Resident of E-229, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 22nd September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/2-79/1085.—Whereas 1. MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-551, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 27-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house No. E-551, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 400 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer registered on 27-2-1979.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-1979.

Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/2-79/1083.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. M-273 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. C. Ghei S/o J. M. Ghei
Resident of C-II/77, Moti Bagh-I, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Urvashi W/o Shri Rakesh Jain,
Resident of S-418, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. M-273, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 400 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer registered on 26-2-1979.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/3-79/1127.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.F-7 (First Floor & Barsati Floor) situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. I. P. Datta S/o Shri P. Datta
Resident D.L.F. Khera Farm Carter Puri, Distt.
Gurgaon (Haryana).
(Transferor)
- (2) S/Shri Balram Sandhu & Vikram Sandhu
SS/o Shri K. S. Sandhu through their Mother &
Guardian Smt. Swarn Sandhu Resident of W-18,
Green Park, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor & Barsati Floor of House No. F-7 Green Park, New Delhi built on Plot measuring 311 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer registered on 9-3-1979,

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-1979.
Seal :